मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	32.6	25.3
जमशेदपुर	33.0	25.2
डालटनगंज	35.2	26.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

* *

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in रांची, सोमवार 30 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~6~~ ● वर्ष : 2, अंक : 172 आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

सर्राफा

सोना (बिक्री)	71,550
चांदी (किलो)	93,000

ब्रीफ खबरें

सुनीता विलियम्स को वापस लाने का मिशन

वाशिंगटन। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स जून से ही अंतरिक्ष में फंसी हुई हैं. उनके साथ नासा के एक और एस्ट्रोनॉट बुच विल्मोर भी हैं. दोनों अगले साल फरवरी में धरती पर वापस आ पाएंगे. दोनों एस्ट्रोनॉट्स को लेने के लिए स्पेस एक्स क्रू-9 मिशन सक्सेसफुल लॉन्च कर दिया गया है. इसी स्पेसक्राफ्ट के जरिए दोनों की वापसी होगी. मिशन की लॉन्चिंग तो सक्सेसफुल रही, लेकिन फॉल्कन-9 रॉकेट के सेकेंड स्टेज में एक दिक्कत आ गई. हालांकि, यह ज्यादा परेशान करनेवाली नहीं है और सुनीता व बुच विल्मोर की वापसी इससे ज्यादा प्रभावित नहीं होगी.

नेपाल में भारी बारिश से तबाही, 150 की मौत

काठमांडू। नेपाल के कई हिस्सों में गुरुवार से मूसलाधार बारिश के साथ भूस्खलन हो रहा है. इससे नेपाल में भारी तबाही हुई है. अब तक बाढ़ व भूस्खलन के कारण 150 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है. वहीं कई लोग अभी भी लापता हैं. काठमांडू में 226 मकान जलमग्न हो गए हैं. देश में कई पुल गिर गए हैं. प्रभावित इलाकों में नेपाल पुलिस ने करीब तीन हजार सुरक्षाकर्मियों की बचाव टीम तैनात की है.

स्टालिन ने बेटे को बनाया डिप्टी सीएम

चेन्नई। तमिलनाडु की एमके स्टालिन सरकार का रविवार को कैबिनेट विस्तार हुआ. स्टालिन ने अपने बेटे और खेल मंत्री उदयनिधि स्टालिन के ओहदे में बढ़ोतरी की है. उन्हें राज्य का डिप्टी सीएम बनाया गया है. राज्यपाल आरएन रवि ने आर राजेंद्रन, वी सेंथिल बालाजी, एम नसर एवं उदयनिधि को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई गई.

छग में आईईडी ब्लास्ट पांच जवान हुए घायल

रायपुर। बीजापुर जिले के उसूर ब्लॉक के तररेम और गुंडम क्षेत्र में रविवार की सुबह सर्चिंग पर निकले सीआरपीएफ जवान नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईडी की चपेट में आ गए. इस हमले में पांच जवान घायल हो गए. घायल जवानों को अस्पताल ले जाया गया. इस घटना के बाद किसी भी तरह से कोई फायरिंग नहीं हुई. यह पूरी घटना चिन्नागलूर कैंप से करीब 350 मीटर की दूरी पर हुई.

भाजपा ने आठ बागियों को किया निष्कासित

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा चुनाव में भाजपा के कई बागी निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं. ऐसे में भाजपा ने बागियों के खिलाफ कार्रवाई की है. पार्टी के खिलाफ जाकर चुनाव लड़ रहे आठ कार्यकर्ताओं को भाजपा ने निष्कासित कर दिया है. इनमें रणजीत सिंह चौटाला का भी नाम शामिल है. सभी को छह साल के लिए पार्टी से निकाला गया है.

आरोप-प्रत्यारोप | हरियाणा में गरजे शाह, जम्मू में खरगे हुए बीमार

राहुल बाबा झूठ बोलने की मशीन बन गए हैं : गृह मंत्री

एजेंसी। गुरुग्राम।

▪ हरियाणा में गृह मंत्री ने अग्निवीर पर भी कही बड़ी बात

हरियाणा के गुरुग्राम की चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर जमकर निशान साधा. उन्होंने कहा, इंदिरा गांधी, राजीव और सोनिया गांधी... कांग्रेस पार्टी की तीन पीढ़ियों ने सेना का सम्मान नहीं किया, वन रैंक-वन पेंशन की मांग को पूरा नहीं किया. आपने नरेंद्र मोदी को पीएम बनाया और वन रैंक-वन पेंशन की मांग पूरी की. वन रैंक-वन पेंशन का तीसरा वर्जन भी पीएमने लागू कर दिया, अब नई तनख्वाह के साथ पेंशन मिलेगी. शाह ने कहा कि राहुल बाबा झूठ बोलने की मशीन हैं. उनका कहना है कि अग्निवीर योजना इसलिए लाई गई है क्योंकि सरकार उन्हें पेंशन वाली नौकरी नहीं देना चाहती. अग्निवीर योजना सिर्फ हमारी सेना को जवान बनाए रखने के लिए बनाई गई है. मैं आपसे कहना चाहता हूं कि अपने बेटों को सेना में भेजने से पहले संकोच ना करें. हर अग्निवीर को पेंशन वाली नौकरी मिलेगी.

राजनीति में समानता व न्याय के लिए महिलाओं की जरूरत

एजेंसी। नयी दिल्ली

▪ राहुल गांधी ने बताई शक्ति अभियान की खासियत

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को कांग्रेस के शक्ति अभियान के बारे में महिलाओं को जानकारी दी. राहुल गांधी ने कहा कि राजनीति में सच्ची समानता और न्याय के लिए महिलाओं की अधिक आवश्यकता है. जो महिलाएं राजनीति में बदलाव लाना चाहती हैं, वे शक्ति अभियान का हिस्सा बनें. इसके जरिए वह महिलाओं के हित के लिए समान स्थान बना सकती हैं. राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि एक साल पहले हमने राजनीति में महिलाओं की आवाज़ को बढ़ाने के लिए मिशन के साथ इंदिरा फ़ेलोशिप शुरू की थी. यह पहल अब महिला नेतृत्व के लिए एक शक्तिशाली आंदोलन बन गई है. सच्ची समानता और न्याय के लिए राजनीति में अधिक महिलाओं की आवश्यकता है. मिशन आधी आबादी, पूरा हक इस मुद्दे के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है.

मोदी को हटाने से पहले मैं इतनी जल्दी नहीं मरूंगाः खरगे

एजेंसी। जम्मू

▪ मंच पर भाषण देते हुए बिगड़ी खरगे की तबीयत

जम्मू के कठुआ में जनसभा को संबोधित करते हुए मंच पर अचानक कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत बिगड़ गई. पार्टी महासचिव गुलाम अहमद मीर ने बताया कि जसरोटा में जनसभा में मंच पर बोलते समय खरगे को चक्कर आए, बेहोश होने लगे. हालांकि समय रहते मौजूद लोगों ने उन्हें संभाल लिया. उन्हें पानी पिलाया. हालांकि कुछ देर बाद खरगे ने कहा कि हम जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के लिए लड़ेंगे. मैं 84 साल का हूं, मैं इतनी जल्दी नहीं मरने वाला हूं. मैं तब तक जिंदा रहूंगा, जब तक मोदी सत्ता से बाहर नहीं हो जाते. खरगे ने कहा कि ये लोग कभी चुनाव नहीं कराना चाहते थे. अगर वे चाहते तो एक-दो साल में ही चुनाव करा लेते. सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वो चुनाव के लिए तैयार हो गए. मोदी ने 10 वर्षों में भारत के युवाओं को कुछ नहीं दिया. मोदी यहां आकर युवाओं के भविष्य के लिए झूठे आंसू बहा रहे हैं.

गुवा व बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग पर माफिया गिरोह सक्रिय

सफाई के नाम पर अरबों के लौह अयस्क की तस्करी

शैलेश सिंह। किरीबुरु

गुवा रेलवे साइडिंग के लाइन नंबर 5-6 और बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग की कुछ लाइनों की साफ-सफाई के नाम पर लौह अयस्क की तस्करी बड़े पैमाने पर जारी है. महीनों से बड़ा माफिया गिरोह इसमें सक्रिय है. अब तक अरबो रुपए की लौह अयस्क की तस्करी दोनों रेलवे साइडिंग से हो चुकी है. यह सिलसिला अभी भी जारी है. उल्लेखनीय है कि रेलवे के वरिष्ठ मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, चक्रधरपुर कार्यालय द्वारा बीते दिनों बिनय कुमार पंकज, निदेशक, एनवाईबी, इंफ्रा प्राइवेट लिमिटेड, होल्डिंग नंबर 10 ए, रोड नंबर 1, लक्ष्मीनगर, टेल्को, जमशेदपुर को कोटेशन के आधार पर गुवा यार्ड की लाइन नंबर 5 और 6 के घाट की एक बार सफाई के कार्य के लिए स्वीकृति पत्र दिया गया था. इस कार्य के लिए कुल स्वीकृत दर 2,30,260.23 रुपए हैं. इसमें 18 फीसदी जीएसटी शामिल है.

गुवा के अलावे बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग की भी दो लाइन साफ करने की अनुमति रेलवे द्वारा देने की बात कही गई है. दोनों रेलवे साइडिंग से लौह अयस्क व स्पंज आयरन की ढुलाई विभिन्न खदानों, प्लांटों और खनन कंपनियों द्वारा विभिन्न राज्यों में स्थित अलग-अलग स्पंज व स्टील प्लांटों में भेजा जाता है. खदानों व क्रशर से रेलवे साइडिंग में आने वाली लौह अयस्क गिर कर एक बड़ा भंडार होकर साइडिंग की गहराई भर चुकी थी. इसी पर माफिया की गिद्ध दृष्टि वर्षों से थी. इसे रेलवे ट्रैक अथवा लाइन की साफ-सफाई के नाम पर बड़ा खेला किया जा रहा है.

विश्वस्त सूत्रों के अनुसार यह काम मई में शुरू होना था, लेकिन जुलाई में शुरू किया गया. गुवा साइडिंग की लाइन खुदाई में हजारों टन लौह अयस्क जिसका ग्रेड 58-60 के आसपास था, उसे उठा कर बेच दिया गया है. इसी तरह बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग की लाइन सफाई के नाम पर भी अब तक हजारों टन लौह अयस्क जिसका ग्रेड 55-58 के आसपास था, उसे बेचा गया है. सूत्र बताते हैं कि लगभग तीन फीट के आसपास गड्ढा खोदना चाहिए था. लेकिन जमीन के अंदर क्रसिंग साइज ओर लौह अयस्क का भारी भंडार मिलने की वजह से लगभग 7 फीट तक गहरी खुदाई कर अयस्क का उठाव किया गया है. अभी 4-5 दिन से काम रोका गया है, लेकिन पुनः काम चलेगा. रेलवे साइडिंग से लौह अयस्क उठाकर विभिन्न प्लॉट पर अवैध तरीके से भंडारण किया जाता रहा है. यहां का हजारों टन लौह अयस्क रामगढ़, गिरिडीह, दुर्गापुर, वाईजाग, खड़गपुर आदि शहरों के प्लांटों में जा रहा है.

खनन, रेलवे विभाग और कई बड़ी कंपनियां संदेह के घेरे में

बड़ाजामदा रेलवे साइडिंग की तस्वीर.

गुआ रेलवे साइडिंग का 5-6 लाईन की सफाई हेतु रेलवे द्वारा जारी पत्र.

खेल में शामिल हैं बड़े-बड़े लोग

माफिया द्वारा कहा जाता है कि रेलवे साइडिंग की लाइन किनारे जमा लौह अयस्क का रॉयल्टी सरकार को पहले विभिन्न खदान प्रबंधनों द्वारा दिया जा चुका है. खदान से जो भी अयस्क साइडिंग थी उसकी रॉयल्टी सरकार को देकर ही आती थी. जो अयस्क लोड होकर बच गया, वह यहां पड़ा है और यह रेलवे का है. रेलवे का ट्रैक जाम हो रहा है, जिस कारण रेलवे साफ करवा रही है. ऐसा दावा किया जा रहा है कि इस बाबत रेलवे ने भी खनन विभाग को पत्र लिखा है. दूसरी ओर माफिया द्वारा ये बातें कही जा रही है कि इस लौह अयस्क का उठाव हेतु जिला खनन विभाग ने लगभग ढाई हजार टन का माइनिंग चालान भी दिया है. ऐसी स्थिति में साफ है कि माफिया, रेलवे व खनन विभाग का बड़ा गंठजोड़ अवैध लौह अयस्क का बड़ा खेला कर दिया है. यह उच्च स्तरीय जांच से सामने आएगा. अगर अयस्क की रॉयल्टी खदान प्रबंधन सरकार को दे चुकी हैं और हजारों-लाखों टन अयस्क रेलवे साइडिंग में दबा पड़ा हुआ है, तो उस अयस्क का मालिक कौन होगा! यह बड़ा सवाल है जिसका जवाब सरकार, रेलवे व खनन विभाग को देना होगा. इस बड़े खेल में बडे-बडे.लोग शामिल हैं.

क्या है रेलवे का निर्देश

रेलवे द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार गुवा रेलवे साइडिंग में स्वीकृत ड्राइंग के अनुसार उत्खनन में मिट्टी का कार्य तथा रेलवे भूमि के अंदर तटबंध स्थल या खराब ढेर पर डंपिंग जिसमें 50 मीटर लीड तथा 1.5 मीटर लिफ्ट शामिल है. लीड को उत्खनन के गुरुत्वाकर्षण केंद्र से खराब ढेर के गुरुत्वाकर्षण केंद्र तक मापा जाएगा, लिफ्ट को प्राकृतिक भूमि स्तर से मापा जाएगा तथा सभी प्रकार की मिट्टी में विनिर्देशों के अनुसार, आकस्मिक कार्य सहित, 1.5 मीटर प्रत्येक परत में भुगतान किया जाएगा. कुल मात्रा-1318.59 घन मीटर होगा. इसके अलावे लीडिंग गिट्टी, कंकड़, ईंटें, पत्थर के टुकड़े, सिंगल, पत्थर के बोल्डर, ब्लॉक कंकड़, पिचिंग स्टोन, मलबे के पत्थर, लेटराइट, कोयला, सुर्खी, सूखा मोर्टार, रेतीली मुरुम, मिट्टी, खाद या कीचड़, राख, चूना, मलबा, गंदगी, मलबा आदि 25 किलोमीटर तक लीड के लिए. इस मद के अंतर्गत लीड का भुगतान तब किया जाएगा जब यह 500 मीटर से अधिक हो. इसकी भी कुल मात्रा-1318.59 घन मीटर निर्धारित है.

नेतरहाट विद्यालय में रैगिंग से तंग आकर छात्र ने पी फिनाइल

आशीष टैगोर। लातेहार

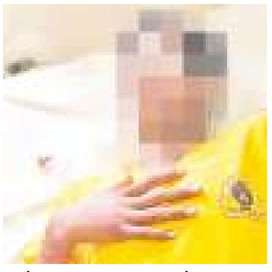

लातेहार सदर अस्पताल में भर्ती छात्र.

लातेहार

- कक्षा आठ के दो छात्रों पर लगाया मारपीट व प्रताड़ना का आरोप
- कहा- आश्रम प्रभारी से की थी शिकायत, कोई कार्रवाई नहीं हुई
- विद्यालय प्रबंधन ने किसी तरह की रैगिंग से साफ इनकार किया

प्रतिष्ठित नेतरहाट आवासीय विद्यालय में रैगिंग का मामला प्रकाश में आया है. रविवार को विद्यालय के कक्षा सात के छात्र ने रैंगिग और मारपीट से तंग आकर फिनाइल पी ली. इसके बाद विद्यालय प्रबंधन द्वारा उसे तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया.

वहां से उसे सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है. सदर अस्पताल में भर्ती छात्र ने पत्रकारों को बताया कि वह कक्षा सात में पढ़ता है. कक्षा आठ के दो छात्र उसके साथ मारपीट करते थे. वह उनकी प्रताड़ना से तंग था. उसने इसकी शिकायत अपने आश्रम के प्रभारी से भी की थी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई. रविवार को भी उसके साथ मारपीट की गई. प्रताड़ना से तंग आ कर उसने रविवार की सुबह छह बजे बाथरूम में रखा फिनाइल पी लिया. प्रताड़ित छात्र ने बताया कि विद्यालय में सीनियर छात्र जूनियर की रैगिंग करते हैं. उसकी कक्षा के दो-तीन छात्र तो स्कूल छोड़ कर चले गये हैं. शिकायत करने के बाद भी विद्यालय प्रबंधन कोई कार्रवाई नहीं करता है.

भाजपा जिला उपाध्यक्ष ने जाना छात्र का हाल : इधर, नेतरहाट विद्यालय के छात्र के सदर अस्पताल में भर्ती होने की खबर मिलने के बाद भाजपा जिला उपाध्यक्ष राकेश कुमार दुबे अस्पताल पहुंचे और छात्र से मुलाकात की. उसने उन्हें भी अपनी आपबीती सुनाई. दुबे ने चिकित्सकों से छात्र की तबीयत के बारे में जानकारी ली.

प्राचार्य बोले-पहले भी बीमार हुआ था छात्र : जब प्राचार्य संतोष कुमार से इस संबंध में पक्ष लेने के लिए संपर्क किया गया, तो उन्होंने रैगिंग जैसी किसी घटना से इंकार किया. उन्होंने कहा कि छात्र की तबीयत अचानक खराब हो जाने के कारण उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था. पूर्व में भी उसकी तबीयत बिगड़ी थी.

तो आईएमएफ से ज्यादा पैसा हम दे देतेः राजनाथ

जम्मू। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने आईएमएफ के बेलआउट पैकेज पर चल रहे पड़ोसी देश पाकिस्तान को सलाह दी. उन्होंने कहा, केंद्र लगातार जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए पैसा देती है. उससे भी कम पैसे के लिए पाकिस्तान आईएमएफ की राह तकता है. रक्षामंत्री ने कहा कि पाकिस्तान को जितनी भी वित्तीय सहायता मिलती है, वह उसका दुरूपयोग ही करता है. उन्होंने कहा किअगर पाकिस्तान ने भारत के साथ दोस्ताना संबंध बनाए रखे होता, तो हमने पड़ोसी होने के नाते आईएमएफ से बड़ा बेलआउट पैकेज दिया होता. राजनाथ ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने 2014-15 में जम्मू-कश्मीर के विकास के लिए एक विशेष पैकेज की घोषणा की थी, जो कि अब 90 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया है. आज पाकिस्तान आईएमएफ से जितने पैसों की गुहार लगा रहा है, यह उससे कहीं अधिक है.

हाजिरजवाबी | शाहरुख ने धौनी के साथ अपनी समानता पर खुलकर की बात, कहा

दिग्गजों को पता होता है...कब रिटायर होना है

एजेंसियां। अबू धाबी

बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान और फिल्मकार करण जौहर के बीच की दोस्ती आईफा मंच पर भी देखने को मिली, जब दोनों ने विक्की कौशल के साथ कार्यक्रम की मेजबानी की. करण जौहर और शाहरुख खान जो एक-दूसरे के अच्छे दोस्त हैं, रिटायरमेंट के विषय पर बातचीत करने लगे. शाहरुख खान ने कहा, दिग्गजों के बारे में सबसे बड़ी बात यह है कि उन्हें पता होता है कि कब रुकना है, कब रिटायर होना है.

महान सचिन तेंदुलकर, फुटबॉलर सुनील छेत्री, महान टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर की तरह, वे सभी जानते हैं कि कब रिटायर होना है. मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि आपको भी संन्यास लेना चाहिए. कृपया वापस जाएं. आपका बहुत-बहुत धन्यवाद. इसका जवाब देते हुए करण ने कहा, तो, उस मानक के अनुसार, आप रिटायर क्यों नहीं हो जाते? शाहरुख ने कुछ ही सेकेंड में जवाब दिया, मैं और धौनी अलग-अलग दिग्गजों की लीग से हैं, हम कई बार नहीं कहने के बावजूद आईपीएल में दिखाई देते रहते हैं.

दर्शकों के बीच बैठे विक्की कौशल ने कहा, रिटायरमेंट दिग्गजों के लिए होती है. किंग हमेशा के लिए होते हैं. करण ने चारों ओर देखा और पूछा, यह किसने कहा? विक्की ने अपना हाथ उठाया और करण जौहर को पुकारते हुए कहा, सर यह मैं हूं. शाहरुख ने आगे कहा, उन्होंने जो भी कहा वह बहुत अच्छा था. शाहरुख, करण जौहर और विक्की ने अबू धाबी में आईफा के मंच पर धमाल मचा दिया. तीनों ने शाहरुख अभिनीत फिल्म पठान के गाने झूमे जो पठान पर डांस भी किया.

ना-ना करते भी 10 साल...

शाहरुख खान ने एमएस धौनी के साथ अपनी तुलना करते हुए बताया, मैं और धौनी एक अलग किस्म के लीजेंड हैं. ना-ना करके भी 10 बार आईपीएल खेल जाते हैं. बता दें कि धौनी ने 2019 में अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया था. उसी के बाद से कयास लगने लगे थे कि धौनी अब आईपीएल और सीएसके का साथ भी छोड़ देंगे. यहां तक कि आईपीएल 2022 में उन्होंने चेन्नई की कप्तानी छोड़ कर टीम की कमान रवींद्र जडेजा के हाथों में सौंप दी थी. मगर जडेजा ने सीजन के बीच में ही कप्तानी दोबारा धौनी को लौटा दी थी. 2023 में खुद धौनी ने कप्तानी संभाली, लेकिन 2024 में ऋतुराज गायकवाड़ को टीम का नया कप्तान घोषित कर दिया गया. चूंकि गायकवाड़ के अंडर सीएसके ने काफी बढ़िया प्रदर्शन किया, उसके बाद अटकलें तेज होने लगी थीं कि धौनी शायद अब आईपीएल 2025 में नहीं खेलेंगे.

जंग की आहट | ईरान ने इजरायल को दी खुली चेतावनी, कहा- इस मामले में अमेरिका भी बराबर का दोषी

हिजबुल्लाह और मजबूत होगा, नसरल्लाह की मौत का बदला

एजेंसियां। तेहरान

लेबनान में हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत पर ईरान में कोहराम है. उसने अपने सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खामेनेई को कड़ी सुरक्षा के बीच किसी सुरक्षित स्थान पर छिपा दिया है. उधर, लेबनान पर इजरायली हमले हिजबुल्लाह चीफ की मौत के बाद भी रुके नहीं हैं. इजरायली लड़ाकू विमान व मिसाइलें अब भी हिजबुल्लाह के ठिकानों पर कहर बरपा रही हैं.

इधर बीच, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने कहा, नसरल्लाह की मौत का इजरायल से बदला लिए बिना शांत नहीं बैठेंगे. इन हमलों से हिबुल्लाह और मजबूत होगा और अब उसकी ताकत की कोई सीमा नहीं है. ईरान के विदेश मंत्री कहा कि निश्चित रूप से नसरल्लाह की मौत बड़ी क्षति है, लेकिन इससे प्रतिरोध में कोई बाधा नहीं आएगी और जैसे हिजबुल्लाह के पूर्व जनरल सैय्यद अब्बास मुसावी की मौत की तरह, नसरल्लाह की मौत से हिज्बुल्लाह की ताकत को बढ़ाया है. उन्होंने ने ये भी कहा कि उन्होंने जो किया, उससे इजरायल का इस क्षेत्र में गाजा और फिर लेबनान में कोई भविष्य नहीं होगा और इससे शांति नहीं होगी. उन्होंने जो किया उसका परिणाम जायोनी शासन के पतन में तेजी लाएगा. उन्होंने कहा कि हमारी राय में अमेरिका इस गुनाह में हिस्सेदार है और किसी भी तरह से वह खुद को इस वास्तविकता से अलग नहीं कर सकता. इस घटना में मारे गए लोगों की मौत का बदला जरूर लिया जाएगा और हम निश्चित रूप से लेबनान के साथ खड़े हैं.

हिजबुल्लाह का नया चीफ बना सफीद्दीन

वहीं, नसरल्लाह की मौत के बाद हिजबुल्लाह ने अब हाशिम सफीद्दीन को संगठन की कमान सौंप दी है.

सफीद्दीन भी हसन नसरल्लाह की तरह मौलवी है और रिश्ते में उसका चचेरा भाई भी है. जानकारी के अनुसार, 1964 में दक्षिणी लेबनान के डेर कानून एन नहर में जन्मा हाशिम सफ़ीद्दीन एक प्रमुख लेबनानी शिया मौलवी और हिजबुल्लाह का वरिष्ठ अधिकारी रहा है.

जम्मू कश्मीर में भी लोगों ने किया प्रदर्शन

न्यूज एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक हसन नसरल्लाह की मौत के बाद जम्मू-कश्मीर के बडगाम की सड़कों लोगों ने जमकर प्रदर्शन किया. इस दौरान लोगों के हाथ में नसरल्लाह के पोस्टर भी थे. इसके अलावा श्रीनगर के पुराने शहर और राज्य के अन्य इलाकों में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन हुए. प्रदर्शन कर रहीं एक छात्रा ने इजरायल पर गुस्सा दिखाते हुए कहा, मैं हर उस इंसान से बात कर रही हूं, जो फिलिस्तीन के खिलाफ है. मैं लेबनान के लोगों को हौसला देना चाहूंगी कि वो बिल्कुल भी फिक्र न करें जो हम उनके साथ हैं. हम उनका साथ कभी नहीं छोड़ेंगे. आपको पता नहीं है कि आपने किसको शहीद किया है. अब हर घर से हिजबुल्लाह निकलेगा.

निर्वाचन से जुड़े पदाधिकारियों का दो दिवसीय प्रशिक्षण संपन्न

ट्रेनिंग में स्वच्छ, निष्पक्ष व शांतिपूर्ण मतदान को लेकर मिले जरूरी टिप्स

संवाददाता। रांची

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के निर्देशानुसार राज्य के सभी 81 विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचन से संबंधित पदाधिकारियों का बैच वार दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्वाचन भवन में संपन्न हुआ. इस सत्र में प्रशिक्षण प्रकोष्ठ के नोडल, एसएलएमटी, डीएलएमटी, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं एसएलएमटी को राष्ट्रीय स्तर एवं जिला स्तरीय प्रशिक्षकों द्वारा निर्वाचन संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया. प्रशिक्षण सत्र में पदाधिकारियों को बताया गया कि निर्वाचन के उनके पहले के अनुभव एवं आयोग द्वारा समय - समय पर जो प्रशिक्षण दिए जा रहें हैए उसका एक मात्र उद्देश्य है कि निर्वाचन प्रक्रिया सहज बनाते हुए स्वच्छ, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराया जा सके. प्रशिक्षण सत्र में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्वाचन से जुड़े प्रत्येक प्रक्रिया के लिए तैयार उचित मापदंड एवं दिशा निर्देशों पर बिंदुवार पीपीटी के माध्यम से जानकारी दी गई साथ ही इन पीपीटी के सॉफ्ट कॉपी पेनड्राइव के माध्यम से सभी पदाधिकारियों को उपलब्ध कराया गया. इस रिवीजन सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के अद्यतन दिशा निर्देशों का अनुपालन ही सुगम्य मतदान कराने के लिए एक मात्र मूल मंत्र है, प्रदान किया गया. प्रशिक्षण सत्र में प्रशिक्षकों द्वारा मतदान दलों के कर्तव्य और जिम्मेदारियां, मतदान दलों के लिए ईवीएम/वीवीपैट, मतदाता मतदान समय प्रबंधन, मतदान दिवस पर वेब-कास्टिंग, बीएलओ के मतदान की पूर्व संध्या और मतदान दिवस, वालंटियर, माइक्रो ऑब्जर्वर की भूमिका, सेक्टर अधिकारी द्वारा गलतियां, त्रुटियां और आईटी अनुप्रयोग, पोस्टल बैलेट, एफएसटी के कर्तव्य और जिम्मेदारियां, सामग्री प्राप्ति केंद्र अधिकारी और कर्मचारियों के कर्तव्य, मतदान दिवस निगरानी प्रणाली ऐप, फॉर्म भरना, सील करना और पैकिंग करना जैसे विभिन्न विषयों पर पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया.

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार के मार्गदर्शन में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी डॉ. नेहा अरोड़ा, राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षक गीता चौबे, महेंद्र कुमार, देव दास दत्ता, मृत्युंजय कुमार एवं सुनील कुमार सिंह, जिला स्तरीय प्रशिक्षक सुदीप सहाय, अश्विनी कुमार तिवारी द्वारा पदाधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया.

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान जानकारी देतीं पदाधिकारी.

ललना लाल होईहें कुलवा के दीपक, मनवा में आस जागल हो...

संजय सिंह

चुनावी चकल्लस

झारखंड में कई गो इलाका बिहार-यूपी से सटले बा. अउर ऊहां के लोगबाग के कल्चर भी मोटामोटी बिहारिए लेखा (जईसन) बा . बिहार से सटले झारखंड के पलामूउ प्रमंडल बा. प्रमंडल में तीन गो जिला बटुए- लातेहार, गढ़वा और पलामू. पालमू के लोग तो खायका छोड़ी के नेतई चमकाईले रहे लें. पेटवा में भरपेट दाना-पानी होखे भय नत होखे, राजनीति तो अईसन करीहें कि पूछीं मत. अब एही पलामूउवा में एगो विधानसभा के सीट बा, जेकरा हथियावे लगी पांड़े जी से लेके, दुबे-शुक्ल जी सभे पंडीजी लोगन फेंटा कसके मैदान में उतरे खातिर ताल ठोंकले बाड़े. अब पुरनना महाजन भला कइसे पिछुवाईएहें. चंद्र के वंशज बातवेवाला वंशी बजवइया भी बाड़ें, लेकिन अब उनके उमिरया बाली ना रह गईल. धोती कसले तैयार बाड़ें. हालत ई गईल बा कि ई सीटवा जौन-जौन नेताजी लोग के विश्रामावस्था में जाए के कहतिया, ऊ लोग मानते नईखे. धोती कसले अब धीया-पोता ला जोर लगाईले बा लोग. एहिजा से एगो बाबा ढेरे दिन से नेतई कईलें बाड़ें, एहिजे से पहचान बनल बाबा जी के. प लेकिन नाम के अनुरूप सीटवा उहां के कह देलस कि रउवा अब विश्राम करीं. लेकिन बाबा मानिएहें तब न. अब त बाबो को बुझागईल बा कि उमरिया बाली नईखे रह गईल. ईहो बढ़िया ले बुझा गईल बा कि बुढ़ौती सिर पर सवार हो गईल बिया. तो बाबा जी आपन पोताजी लगी हाथ पैर मारले बाड़ें, ताकि ऊ राजनीति के खानदानी विरासत के जिआवले राखे. पोता जी खातिर बाबा एहसे अफनाईल बाड़ें कि उनके लाडला तनिका नेतई से दूरी बनाइले रहेलन. मतलब मिलसार नईखन. एही से बेटा के लाडला खातिर बाबा तपस्या तो करते बाड़ें, पलामू से भाया रांची दिल्ली तक पुरनका नेताजी लोग के भरोसे पोता खातिर पपैडल मारले बांड़ें. उम्मीद पालले बाड़ें कि ललना राजनीति में लाल होईहें, तो कुलवो के दीपक चकमकाईल रही. बाबा के मनवा में आस जागिए गईल बा तो भला का कहल जाओ. वइसे बाबा के पंडीजी वाला कोटा से कई लोग पंजा लड़ावे ला बेचैन बाड़ें. एहमे कुछड पांड़े जी बाड़ें, पड़ियाईनो जी बाड़ी आउर शुकुल जी भी बाड़ें. अब देखल जाओ बाबा के दाल गल जाता कि उनके बिरादरी के दूसर लोग पंजवा लड़ावेवाला फाईनल के टिकटवा झटक के भाग जाता.

अब उनके राह पर अगो चंद्र के वंशज कहावे वाला नेता झी भी बाड़ें. पहिलवा लालटन जराईले घूमत रहें. लालटेन धईले रहें, तो ओहिजो ढेर मजा मार लिहलन. फिर भाजपा रघु राज के होखे की सीन बन गईल, वंशी बजवईजी अंकल जी धोतिया टाईट कईले पलामू जईसन सुखाड़वाला इलाका में कमल खिलावे ला घुसिया गईलें. तकदीरो के साथ मिल गईल, जीत गईलें, तो रघु राज आईए गईल और बाबा एक बार फिरो से लालबत्तिया मंत्री जी बन गईलें. मिलल तो रहे वंशी बजवईया अंकिल के लोग के स्वास्थ्य सुधारे के जिम्मेवारी, लेकिन वंशी बजवईया अंकिल जी आपन स्वास्थ्य बढ़िया ले सुधार लीहलें, ताकि पुस्त दर पुस्त कुछुओ सोचे का ना पड़े. वईसे वंशी बजवईया अंकिल जी पहिलहु से शिक्षा के कथित दीप जलावेवाला ढकोसला कईले ही रहन, अबकी तो अपने नाम पर मेडिकल के कॉलेज अउर न जाने का- का तो खोल लीहलें. धंधा चोखा चलत बड़हिन अंकिल जी. जब शासन में रहिन वंशी बजवईया अंकिल जी, जो मालो पत्तर बटोर के धईले रहन. लेकिन अब वंशी बजवईया अंकिल जी के बुझा गईल है कि अबकी कमल खिलावे के चांस न मिली. उमरियो होईए गईल है. तो वंसी बजवईया अंकिल जी अब तो अपन लाडला लगी हाथ-पैर मारले एनिया-उनिया ढिमलाईल फिरत बाड़े. आपन जगहिया पर विश्राम कईला के बजाए वंशी बजवईया अंकिल जी रांची भाया ओडिशा भाया दिल्ली तक घुमरी चकईया खेल रहिन हैं. अंकिल से के बुजाए लगल है उनकर राजनीतिक विरासत संभाले लगी ईश्वर के माथा वाले चंद्र दुलारे लाडला जी के किस्मतवा जरूर चमकेगी. एही से वंशी बजवईया अंकिल ढेरे उछल-कूद कईले जेने-तेने ढिमलाईत फिर रहे हैं. वईसे उनकी पार्टिया से जे दूसर नेताजी लोग जोर लगाईलें बाड़ें, ऊ लोग वंशवाद गो बैंक के नारा लगाईले पूरा इलाका में मौहाल बनाईले घूम रहिन हैं. ऊ लोग के एके गो एजेंडा है, वंशवाद नाई चली. अंकिल अब विश्राम करीं. अब देखल जाओ धीया-पुता और ललना में केकर किस्मतवा साथ देई और के छितराई जाईहें. वईसे धीया-पुता, ललना प्रेम के चर्चा कईके लोग खूबे चुस्की ले रहिन हैं.

अर्जुन मुंडा, चंपाई सोरेन और मधु कोड़ा की साख लगी है दांव पर

कोल्हान में कमल खिलाने की चुनौती तीन पूर्व सीएम पर

प्रवीण कुमार। रांची

झारखंड में विधानसभा का चुनाव नजदीक है. ऐसे में तमाम पार्टियां अपनी-अपनी रणनीति के तहत अपने मजबूत इलाकों में दांव लगा रही हैं. कोल्हान झामुमो का सबसे मजबूत किला है. यहां की 14 विधानसभा सीटों में से 11 सीटों पर झामुमो है, तो वहीं 2 सीट पर कांग्रेस का कब्जा है. एक सीट पर निर्दलीय सरयू राय चुनाव जीते है. पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन और मधु कोड़ा के भाजपा में शामिल होने के बाद कोल्हान में कमल खिलाने की जिम्मेवारी अब भाजपा ने तीन पूर्व सीएम अर्जुन मुंडा, चंपाई सोरेन और मधु कोड़ा को सौंपी है. कोल्हान की 14 सीटो में से कम से कम 8 सीटें ऐसी हैं, जहां के परिणाम बहुत हद तक तत्कालीन राजनीतिक स्थिति पर निर्भर करते हैं. झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन के भाजपा में शामिल होने के बाद अब भाजपा कोल्हान की सरायकेला विधानसभा सीट पर जीत की उम्मीद काफी बढ़ गई है. क्योंकि चंपाई सोरेन सरायकेला विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक चुने गए हैं. 1995 में वह पहली बार सरायकेला से विधायक बने, जिसके बाद से चंपाई लगातार सरायकेला से विधानसभा जीतते आए हैं. उनकी पकड़ सरायकेला और आस पास के इलाकों में काफी अधिक है. इस सीट के अलावा खरसावां विस में भी कमल खिलाने की जिम्मेवारी चंपाई के कंधों पर है.

2019 में 14 में 13 सीटों पर जीता था गठबंधन

विधानसभा सीट	झामुमो-कांग्रेस	मिले वोट	भाजपा
बहरागोड़ा	झामुमो	106017	45452
घाटशिला	झामुमो	63531	56807
पोटका	झामुमो	110753	67643
जुगसलाई	झामुमो	88581	66647
सरायकेला	झामुमो	111554	95887
खरसावां	झामुमो	73341	50546
इचागढ	झामुमो	57546	38836 आजसू
चाईबासा	झामुमो	69485	43326
मझगांव	झामुमो	67750	20558
मनोहरपुर	झामुमो	50945	34926
जगन्नाथपुर	कांग्रेस	32499	20893
चक्रधरपुर	झामुमो	43832	31598
जमशेदपुर पूर्वी	निर्दलीय	73945	58112
जमशेदपुर पश्चिम	कांग्रेस	96778	74195

अर्जुन सीट बदल कर उतर सकते हैं चुनाव में

अर्जुन मुंडा झारखंड भाजपा के बड़े चेहरों में से एक हैं. भाजपा ने उन्हें तीन बार राज्य का मुख्यमंत्री बनाया. इसके साथ ही जमशेदपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भी रह चुके है. अर्जुन मुंडा की पकड़ कोल्हान के जमशेदपुर पूर्वी, पोटका, घाटशिला और बहरागोड़ा में काफी ज्यादा है. अगर विधानसभा के चुनाव में अर्जुन मंडा को इन सीटों कि जिम्मेदारी दी जाती है, तो अर्जुन मुंडा इन सीटों पर झामुमो के मंसूबे पर पानी फेर कर भाजपा का झंडा फहरा सकते हैं.

इलाके में चलेगा मधु कोड़ा फैक्टर भी : राज्य के पूर्व सीएम मधुकोड़ा ने हाल ही में खुले मंच से भाजपा का दामन थामा है. मधु कोड़ा के भाजपा में शामिल होने से पश्चिमी सिंहभूम का पूरा समीकरण बदल गया है. मधु कोड़ा के भाजपा में शामिल होने से पांच विधानसभा सीटों चाईबासा, मझगांव, मनोहरपुर, जगन्नाथपुर, चक्रधरपुर में झामुमो का खेल बिगड़ सकता है. मधु कोड़ा 'हो' जाति से आते है और 'हो'' जाति में इनके बराबर कोई नेता सिंहभूम में नहीं है. यही वजह है कि मधु कोड़ा का एक इशारा ही पूरे वोट का समीकरण बदल सकता है. 2019 के विधानसभा चुनाव परिणाम को देखें तो मधु कोड़ा कांग्रेस में ही थे , तो उनकी पत्नी कांग्रेस के टिकट पर सांसद बन कर दिल्ली पहुंची थीं.

अपराधी प्रकाश रिनपास के कैदी वार्ड से कारोबारी को दे रहा था धमकी

प्रशासन की छापेमारी में दो मोबाइल बरामद

संवाददाता। रांची

जमशेदपुर का कुख्यात अपराधी प्रकाश मिश्रा रांची रिनपास के कैदी वार्ड में रहकर खुलेआम मोबाइल का इस्तेमाल कर रहा था. इतना ही नहीं वह पिछले कुछ दिनों से जमशेदपुर के कारोबारी को फोन पर रंगदारी के लिए धमकी दे रहा था. जमशेदपुर एसएसपी की सूचना पर रांची जिला प्रशासन की टीम ने रविवार की सुबह रिनपास के कैदी वार्ड में छापेमारी की और प्रकाश मिश्रा के पास से दो मोबाइल फोन बरामद किये. बताया जा रहा है कि प्रकाश मिश्रा पहले रांची के होटवार जेल में बंद था. इसी दौरान वह मानसिक बीमारी की बात कहकर रिनपास में भर्ती हो गया. वहीं से वह खुलेआम मोबाइल का उपयोग कर रहा था और कारोबारी को धमकी दे रहा था.

आगे की कार्रवाई की जा रही है : डीसी : इस मामले में रांची डीसी राहुल सिन्हा ने बताया कि जमशेदपुर पुलिस से मिली सूचना के बाद एसडीओ के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया था. टीम ने छापेमारी कर दो मोबाइल, चाकू समेत कई अन्य सामान बरामद किया है. इस मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

एक महीने पहले जमशेदपुर में दिलाया था गोलीबारी की घटना को अंजाम : जमशेदपुर के टेल्को थाना क्षेत्र जेम्को में बीते 17 अगस्त की शाम बाइक से आये बदमाशों ने सिद्धि इंटरप्राइजेज के पार्टनर महेश मिश्रा पर अंधाधुंध फायरिंग की थी. इस हमले में वे बाल-बाल बच गये थे. लेकिन उनके साथ गाड़ी में बैठे सूरज यादव (26) को गोली लगी थी. मौके पर बदमाशों ने 12 राउंड गोलियां चलायी थी, जो महेश मिश्रा की गाड़ी के बोनेट और शीशे में लगी थी. फायरिंग करने के बाद बदमाश बाइक से फरार हो गये थे. इस हमले में होटवार जेल में बंद प्रकाश मिश्रा का हाथ था. प्रकाश मिश्रा ने घाघीडीह जेल में बंद नीरज दुबे और उसके सहयोगियों से हाथ मिला लिया है और महेश मिश्रा पर हमला करवाया है.

पीएम के मन की बात है जन-जन की आवाजः संजय

रांची। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य संजय कुमार जायसवाल ने बूथ संख्या 26 पर पन्ना प्रमुख और कार्यकर्ताओं के साथ पीएम की मन की बात कार्यक्रम को सुना. कहा कि यह एक ऐसा कार्यक्रम है जो देशभर के लाखों लोगों के दिलों में अपनी जगह बना चुका है. इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार देश के करोड़ों श्रोता हैं. मन की बात में नई-नई जानकारियां हासिल होती है एवं प्रेरणा का संचार होता है. मौके पर महानगर उपाध्यक्ष विनय कुमार सिंह, युवा मोर्चा जिला के मंत्री शुभम जायसवाल, सुखदेवनगर मंडल के महामंत्री राजकुमार जायसवाल, ओम प्रकाश, अविनाश राय बबीता देवी, सरला देवी, सविता देवी, पुष्पा देवी, प्रिंस राय, उज्जवल राय, आनंद गुप्ता, संतोष चौधरी आदि मौजूद थे.

पितृ पक्ष के बाद सीटों का हो जाएगा ऐलानः हिमंता विस्वा सरमा

झारखंड में आजसू व जदयू के साथ गठबंधन करेगी भाजपा

प्रमुख संवाददाता। रांची

जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा चुनाव के बाद अब चुनाव आयोग ने महाराष्ट्र-झारखंड में चुनाव कराने के लिए कमर कस ली है. भाजपा झारखंड में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए अपने सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत के अंतिम चरण में है. असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा और ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (आजसू) के अध्यक्ष सुदेश महतो ने शनिवार रात केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ उनके आवास पर बैठक की. बैठक में सीटों के आवंटन पर चर्चा की और उसे अंतिम रूप दिया. बैठक में दोनों दलों के वरिष्ठ नेता सीटों के बंटवारे के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए एक साथ आए, जो झारखंड में एनडीए की चुनावी रणनीति के लिए अहम है. इससे पहले शनिवार को झारखंड चुनाव के लिए भाजपा के सह-प्रभारी हिमंता विश्व सरमा ने घोषणा की कि पार्टी अपने एनडीए सहयोगियों, आजसू और जेडीयू के साथ गठबंधन में चुनाव लड़ेगी. सूत्रों के अनुसार, आजसू ने राज्य की कुल 81 सीटों में से 16 सीटों की मांग की है. हालांकि, सीटों के बंटवारे पर एक मोटी सहमति बन चुकी है, लेकिन एक या दो अतिरिक्त सीटों पर चर्चा अभी भी जारी है. भाजपा और आजसू ने समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अगले कुछ दिनों में दिल्ली में एक और बैठक आयोजित करने की योजना बनाई है. मीडिया को संबोधित करते हुए सरमा ने आगामी चुनावों की सहयोगी प्रकृति पर जोर देते हुए कहा, झारखंड के विधानसभा चुनाव में जेडीयू और आजसू के साथ भाजपा का गठबंधन होगा. सीट बंटवारे पर लगभग अंतिम मुहर लग चुकी है, एक या दो सीटों पर चर्चा बाकी है. पितृपक्ष समाप्त होने के बाद हम गठबंधन की घोषणा करेंगे. झारखंड में विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा 8 अक्टूबर के बाद होने की उम्मीद है. राज्य में हेमंत सोरेन का झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाला गठबंधन सत्ता में है.

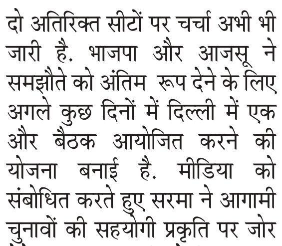

नामकुम अंचल जांच करने पहुंचे सदर एसडीओ, सीओ ने ताला तोड़ लिया था प्रभार

संवाददाता। रांची

नामकुम अंचल कार्यालय का ताला तोड़ सीओ का प्रभार लेने के मामले की जांच करने के लिए रविवार को सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार वहां पहुंचे. उनके साथ जिला प्रशासन की टीम भी मौजूद थी. रांची डीसी ने एसडीओ को मामले की जांच कर इसमें संलिप्त पदाधिकारियों और कर्मियों को चिन्हित कर 24 घंटे के अंदर रिपोर्ट देने का आदेश दिया था.

पूर्व सीओ एवं कर्मियों के बयान दर्ज किए गए : एसडीओ ने मामले कि जांच करते हुए नामकुम पूर्व अंचल अधिकारी प्रभात भूषण सिंह एवं कर्मियों के बयान दर्ज किया. इसके साथ प्रभार लेने वाले नए अंचल अधिकारी राम प्रवेश कुमार से अपना पक्ष रखने के लिए बुलाया गया. इस दौरान वहां के पंचायत समिति के सदस्य और उप प्रमुख ने भी अपनी बात रखते हुए अपना ज्ञापन दिया.

जांच करते सदर एसडीओ.

सीओ ने नामकुम अंचल का ताला तोड़ लिया था प्रभार : बता दें कि भू-राजस्व विभाग ने शुक्रवार देर रात 91 अंचल अधिकारियों का तबादला किया था. कोडरमा सदर में पदस्थापित सीओ राम प्रवेश कुमार को नामकुम का सीओ बनाया गया. इसके बाद शनिवार को राम प्रवेश कुमार नामकुम अंचल प्रभार करने पहुंचे. लेकिन अंचल में ताला लगा था. जिसके बाद सीओ ने ताला तोड़कर सीओ प्रभार ग्रहण किया था. सीओ का यह वीडियो सोशल मीडिया में खूब वायरल हुआ था. वीडियो वायरल होने के बाद रांची डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने मामले में संज्ञान लिया और जांच के आदेश दिये. जिसकी जांच करने रविवार को जिला प्रशासन की टीम सदर एसडीओ उत्कर्ष कुमार के नेतृत्व में नामकुम अंचल पहुंची.

धनबाद में आज स्किल कॉन्क्लेव, सीएम लेंगे हिस्सा

रांची। धनबाद के बलियापुर स्थित एयरोड्रम ग्राउंड में सोमवार को जॉब ऑफर लेटर सह रोजगार प्रोत्साहन व परिवहन भत्ता वितरण समारोह (स्किल कॉन्क्लेव 2024) का आयोजन किया जाएगा. इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहेंगे. समारोह में स्टॉल्स के माध्यम से संबंधित विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं और जिला प्रशासन व चुनिंदा औद्योगिक संस्थानों की प्रदर्शनी लगायी जाएगी. साथ ही विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं और कार्यों के निष्पादन में बेहतर प्रदर्शन करने वाली सहयोगी संस्थाओं को सम्मानित किया जाएगा.

विश्रामपुर भाजपा विधायक रामचंद्र चंद्रवंशी ने चुनाव लड़ने से किया इनकार

पोता और बेटे को विरासत सौंपने की तैयारी

- कांग्रेस के पूर्व सांसद ददई दुबे भी पोता को विरासत सौंपने को तैयार

समीर चक्रवर्ती। रांची

पलामू जिले के बिश्रामपुर विधानसभा सीट की राजनीति पिछले चार दशक से चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे और रामचंद्र चंद्रवंशी के ईद-गिर्द घूमती रही. लेकिन वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव में दोनों ही नेता चुनाव मैदान में आमने-सामने नहीं होंगे. बल्कि ददई दुबे और रामचंद्र चंद्रवंशी ने राजनीतिक विरासत को पुत्र और पोते को सौंपने की तैयारी में है. बिश्रामपुर विधानसभा सीट से चार बार विधायक रहे रामचंद्र चंद्रवंशी अपने पुत्र डॉ. ईश्वर सागर चंद्रवंशी को राजनीतिक विरासत सौंपना चाहते हैं. वहीं दोनों ही राजनीति के धुरंधरों का पार्टी में परिवारवाद अपनाने का विरोध भी होने लगा है. भाजपा में टिकट की चाहत में रामाशीष यादव लगातार विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर अपने पक्ष में मतदाताओं रिझा रहे है. वहीं खुलकर परिवारवाद पर बोल भी रहे है. वहीं वृजेंद्र पाठक तो भाजपा की रायशुमारी में भी परिवारवाद का खुलकर विरोध भी कर चुके है.सूत्रों की माने तो ओबीसी मोर्चा बनाकर बीडी प्रसाद भी भाजपा व कांग्रेस से टिकट लेने की जुगाड़ में लगे है. काग्रेस में भी इस सीट को लेकर कम किचकिच नहीं है. इस सीट पर कांग्रेस से अमृत शुक्ला, बाढ़ू दूबे व पूर्णिमा पांडेय ने भी अपनी दावेदारी पेश की है. पिछले दो चुनाव से समाजसेवी अभिमन्यु सिंह की पत्नी भी विधायक बनने के लिए प्रयासरत है.

1995 ददई दुबे पटखनी देकर चंद्रवंशी विधानसभा पहुंचे थे : वर्ष 1995 में ददई दुबे को पहली बार हराकर विधायक बने रामचंद्र चंद्रवंशी ने 2004, 2014 और 2019 में भी बिश्रामपुर सीट से जीत हासिल की. लेकिन इस बार उन्होंने बीजेपी नेताओं से साफ कह दिया है कि वो अब चुनाव नहीं लड़ना चाहते हैं और अपने पुत्र को विधायक के रूप में देखना चाहते हैं.दूसरी तरफ बिश्रामपुर सीट से चार बार विधायक रहे और धनबाद के पूर्व सांसद चंद्रशेखर दुबे उर्फ ददई दुबे ने भी अब विधानसभा चुनाव लड़ने से इनकार किया है. वर्ष 1980, 1985, 2000 और 2009 में विश्रामपुर के विधायक रहे चंद्रशेखर दुबे ने 2004 में ही अपने बड़े बेटे अजय दुबे को कांग्रेस टिकट पर विश्रामपुर सीट से लड़ाया था. लेकिन सफलता नहीं मिली. 2019 में उनका निधन हो गया. अब वो अपने छोटे बेटे अभय दुबे के बेटे ज्ञानेंद्र दुबे को आगे बढ़ा रहे हैं. यह भी संभव है कि अभय दुबे ही इस बार चुनाव मैदान में नजर आए.

सामान्य से एससी और फिर सामान्य सीट में बदला : एकीकृत बिहार के समय 1952 में यहां पहली बार विधानसभा चुनाव, उस समय यह विधानसभा क्षेत्र लेस्लीगंज सह छतरपुर के नाम से जाना जाता था, जिसमें लेस्लीगंज और मनातू क्षेत्र भी शामिल था. उस वक्त यह सीट सामान्य सीट हुआ करता था, लेकिन 1969 में इस विधानसभा सीट को अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित कर दिया गया.

क्लासिफाइड

MANOJ KUMAR DINESH KUMAR ENTERPRISES
Parsudih Market Near HDFC Bank
Mob. : 9234585332, 9263956400
GSTIN : 20AZCPK8472B1ZS
DISTRIBUTOR : CHAIR- NATIONAL (MUMBAI) ALMIRAH-DIAMOND AND MODI
ADDRESS : MAIN ROAD GAINTADIH, KARANDIH, TATA NAGAR, NEAR WASHING CENTRE

Hotel Rahul Palace
Family Restaurant
delicious dishes
Fooding & Ladging
Marriage And Party
Anniversary/Birthday Party
A/C Hall/A/C Room Classic
Veg
Non Veg
Home Delivery Facility
Contact No.
7667870045, 7209893445
NH-32, CHANDIL BAZAR

Yashvi RESTRO-BAR
YASHVI RESTRO-BAR
यशवी बार एंड रेस्टोरेंट
अपोजिट गंगौर स्वीट्स कालीमाटी रोड
नियर बाय सागर होटल

Aaither Infrastructure Pvt. Ltd.
Prop. Sharad Thakur
Harish Pandey path
Anand vihar colony
Main Road Dimna
Jamshedpur, Jharkhand - 831018

SURYA NURSING COLLEGE
Affiliated by J.N.R.C. Ranchi & INC New Delhi
ADMISSION OPEN
GNM ANM
SCHOLARSHIP FACILITY AVAILABLE
HOSTEL FOR GIRLS
CHAKRADHARPUR, W. SINGHBHUM, JH.
7004337155
9204381636

www.lagatar.in

रांची, सोमवार 30 सितंबर 2024 ● आश्विन कृष्ण पक्ष 13 संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 2, अंक : 172

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

नवरात्र में सीएम हेमंत सोरेन करेंगे कांटाटोली फ्लाईओवर का उद्घाटन

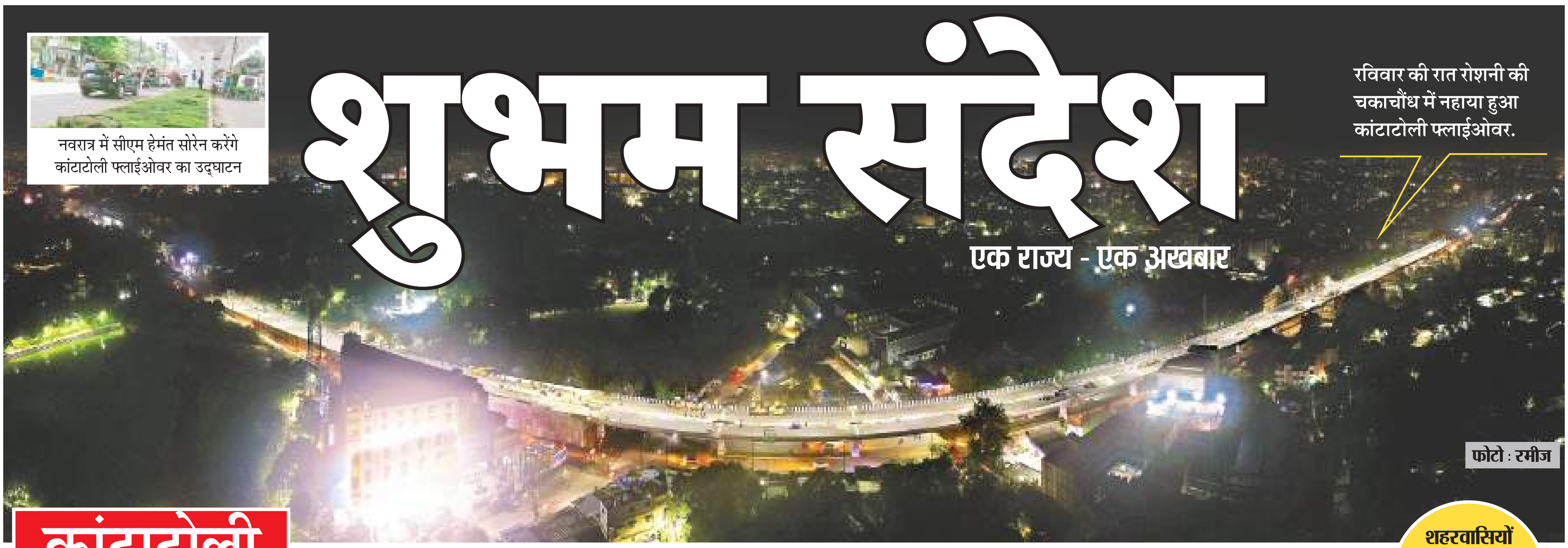

रविवार की रात रोशनी की चकाचौंध में नहाया हुआ कांटाटोली फ्लाईओवर.

फोटो : रमीज

कांटाटोली फ्लाईओवर

उद्घाटन को तैयार, हैंडओवर आज

शहरवासियों को रोज लगनेवाले जाम से मिलेगी निजात

रेहान अहमद/बसंत मुंडा। रांची

राजधानी को वर्ष 2024 में दो-दो फ्लाईओवर की सौगात मिलने वाली है. पहला कांटाटोली फ्लाईओवर करीब-करीब बन कर तैयार हो गया है. राजधानी में जाम की बढ़ती समस्या को गंभीरता से लेते हुए सीएम हेमंत सोरेन के निर्देश पर पथ निर्माण विभाग ने दो फ्लाईओवर का निर्माण कार्य आरंभ किया गया था. कांटाटोली फ्लाईओवर को पूरा करने के लिए विभाग को 30 सितंबर तक समय दिया गया था. 30 सितंबर को यह फ्लाईओवर पथ निर्माण विभाग को हैंडओवर कर दिया जाएगा. इसके बाद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इसका नवरात्रि में उद्घाटन करेंगे. यानि की नवरात्रि से इस फ्लाईओवर में वाहनों का परिचालन शुरू हो जाएगा. दूसरी ओर मेकॉन-सिरमटोली फ्लाईओवर के बचे हुए काम को दो माह की अवधि में पूरा करने की डेडलाइन है.

फ्लाईओवर पर आज वाहनों का ट्रायल संभव

कांटाटोली फ्लाईओवर के निर्माण कार्य में मजदूरों ने बताया कि इस फ्लाईओवर को 30 सितंबर तक पूरा करके देना है. मजदूरों ने बताया कि कनेक्टिंग का काम कुछ हिस्सों में रह गया है. बचे कार्य को सभी मजदूर दिन-रात लग कर पूरा कर रहें है. रविवार की रात तक काम पूरा कर लिया जाएगा. उम्मीद है कि सोमवार को एक ओर से फ्लाईओवर पर वाहनों के परिचालन का ट्रायल किया जा सकता है.

नीचे घास और ऊपर फूलों की सुंदरता

कांटाटोली फ्लाईओवर के नीचे सुंदरता के लिए घास लगाये जा रहे हैं. फ्लाईओर के ऊपर रोशनी के लिये स्ट्रीट लाइट लगाए गए हैं. बारिश में जल जमाव न हो, इसके लिये डिवाइडर के नीचे होल बनाया गया है. फ्लाईओवर की सुंदरता के लिये रंग-रोगन का काम चल रहा है. साथ ही डिवाइडर के ऊपर गमले में लगे मौसमी फूलों से भी फ्लाईओवर को सुसज्जित किया जाएगा.

मेकॉन-सिरमटोली फ्लाईओवर का सीएम ने लिया था जायजा : मेकॉन-सिरमटोली फ्लाईओवर का निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है. दो माह में इसे तैयार करने का निर्देश दिया गया है. मालूम हो शनिवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मेकॉन चौक के पास फ्लाईओवर निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया था. उन्होंने अधिकारियों को समय पर काम पूरा कराने के निर्देश दिये थे. इस दौरान कांटाटोली फ्लाईओवर की भी जानकारी विभागीय अधिकारियों से ली थी.

ब्रीफ खबरें

दम है तो चंपाई को सीएम कैंडिडेट बनाए : रामदास

डुमरिया। राज्य के जल संसाधन, उच्च व तकनीकी शिक्षा मंत्री रामदास सोरेन ने भाजपा के आदिवासी सम्मान की बात पर तंज कसा. कहा कि झामुमो में चंपाई सोरेन का अपमान का आरोप लगाकर भाजपा में शामिल कराया गया. अब दम है तो भाजपा चंपाई सोरेन को मुख्यमंत्री कैंडिडेट घोषित करे. रामदास सोरेन गुड़ाबांदा के फॉरेस्ट ब्लॉक पंचायत अंतर्गत माछभांडार फुटबॉल मैदान परिसर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे.

गारू में कुल्हाड़ी से वार कर महिला की हत्या

गारू (लातेहार)। थाना क्षेत्र के सेमोधटोला गांव में एक महिला की कुल्हाड़ी से वार कर हत्या कर दी गई. मृतका की पहचान डुमरी जिला के नवहट्टा गांव निवासी कलावती ग्यारिन (35) के रूप में हुई है. तीन माह पहले सेमोधटोला गांव निवासी सुनील उरांव उस महिला को भगा कर अपने घर गारू लाया था. तब से वह उसके साथ ही रह रही थी. शनिवार की रात सुनील ने नशे की हालात में कलावती पर कुल्हाड़ी से वार कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई. गारू थाना प्रभारी सोनू कुमार ने बताया कि सुनील उरांव को गिरफ्तार कर लिया है. वहीं मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए लातेहार भेज दिया है.

पलामू में अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी

मेदिनीनगर। नवपदस्थापित सदर एसडीएम सुलोचना मीणा ने रविवार की रात सदर थाना क्षेत्र के पोखराहा और सुआ कौड़ियां में दुकान और होटलों में अवैध शराब के खिलाफ छापेमारी की. इससे शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया. अभियान में सदर सीओ अमरदीप बल्होत्रा और सदर थाना प्रभारी उत्तम कुमार भी थे. समाचार लिखे जाने तक कई होटल व दुकानों से अवैध शराब मिलने की सूचना सामने आई थी.

चक्रधरपुर के सिलफोड़ी में मंईयां सम्मान यात्रा, कल्पना बोलीं

झारखंड अपना हक मांग रहा, भीख नहीं

गोइलकेरा जाने के क्रम में सोनुआ में भीड़ को संबोधित करतीं कल्पना सोरेन.

संवाददाता। चक्रधरपुर/ गोइलकेरा

केंद्र सरकार के पास झारखंड के लोगों का बकाया पैसा है, लेकिन केंद्र झारखंड के लोगों का हक मार कर बैठी है. केंद्र सरकार से झारखंड अपना हक मांग रहा है, भीख नहीं. ये बातें सीएम हेमंत सोरेन की पत्नी सह गांडेय विधायक कल्पना सोरेन ने कही. वे रविवार को मंईयां सम्मान यात्रा के तहत चक्रधरपुर प्रखंड की सिलफोड़ी पंचायत के बुढ़ीगोड़ा मैदान में आयोजित जनसभा में बोल रही थीं. उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार झारखंड का बकाया राशि 1.36 लाख करोड़ रुपये देना नहीं चाहती है. इस हक के लिए जिस तरह हेमंत सोरेन दिर-रात निरंतर लड़ रहे हैं, आपको भी निरंतर लड़ना होगा.

वहीं, सूबे की कृषि मंत्री दीपिका पांडेय ने किसानों का भी कर्ज माफ करने की बात कही. इस मौके पर सांसद जोबा माझी, मंत्री दीपक बिरुवा, चक्रधपुर विधायक सुखराम उरांव समेत झामुमो के नेता, कार्यकर्ता, विभिन्न पंचायत के पंचायत प्रतिनिधि, आंगनबाड़ी सेविका-सहायिकाएं, विभिन्न महिला समूह से जुड़ी बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थीं.

हेमंत सोरेन ने महिलाओं व बुजुर्गों को सम्मान दिया : कल्पना ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राज्य की आधी आबादी को सम्मान दिया है. राज्य की आधी आबादी, बुजुर्ग व अन्य लोग खुश हों, इसको लेकर हेमंत सरकार कार्य कर रही है. झारखंड संगठित है, झारखंड की माता-बहनें, बड़े-बुजुर्ग, सभी धर्म से आने वाले लोग संगठित हैं. लेकिन विपक्ष को यह बर्दाश्त नहीं होता है. उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चुनाव को लेकर बहुत सारे बहरुपिये घूम रहे हैं और लोगों को जाति, धर्म के नाम पर लड़ा रहे हैं. इसे यहां की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी. आगामी विधानसभा चुनाव में जनता जबाव देगी.

देवेंद्र माझी को दी श्रद्धांजलि

मंईयां सम्मान यात्रा के क्रम में चक्रधरपुर से गोइलकेरा जाने के क्रम में सोनुआ में कल्पना सोरेन का जोरदार स्वागत किया गया. मौके पर कल्पना ने कहा कि झारखंड बनने के बाद आधी आबादी महिलाओं को किसी ने सम्मान दिया है, तो वह सिर्फ हेमंत सरकार है. इसके बाद गोइलकेरा पहुंचने पर कल्पना सोरेन, मंत्री दीपिका पांडेय सिंह, बेबी देवी और दीपक बिरुवा ने जल, जंगल, जमीन आंदोलन के अगुआ पूर्व विधायक स्व देवेंद्र माझी के स्मारक स्थल पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की. इस दौरान स्व देवेंद्र माझी की पत्नी सह सिंहभूम सांसद जोबा माझी समेत सैकड़ों झामुमो कार्यकर्ता और समर्थक उपस्थित थे. इसी के साथ मइयां सम्मान यात्रा का दूसरा चरण संपन्न हो गया. अब तीसरे और चौथे चरण की घोषणा होने के बाद ही यह यात्रा पुनः शुरू होगी.

कोयलांचल की धरती से चिराग ने साधा हेमंत पर निशाना, कहा

झारखंड में अकेले भी लड़ सकते विस चुनाव

धनबाद के नेहरू स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स में जन आक्रोश रैली को संबोधित करते चिराग पासवान.

संवाददाता। रांची/धनबाद

लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान रविवार को जनाक्रोश रैली में शामिल होने धनबाद पहुंचे. इससे पहले सुबह रांची एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत करते हुए चिराग ने कहा कि जब मेरा जन्म हुआ था, तब झारखंड-बिहार एक ही था. इस वजह से झारखंड भी मेरी जन्मभूमि है. झारखंड विधानसभा चुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि तमाम पहलुओं पर विचार किया जा रहा है. एक तरफ गठबंधन के तहत चुनाव लड़ने की सोच रहे हैं, तो दूसरी तरफ पार्टी अकेले चुनाव लड़ने पर भी विचार कर रही है. चिराग ने कहा कि झारखंड मेरे पिता की कर्मभूमि रही है. पार्टी ने तय कर लिया है कि चुनाव हर हाल में लड़ा जाएगा.

झारखंड का समुचित विकास होने तक चैन से नहीं बैठेंगे : धनबाद के कोयला नगर नेहरू स्पोर्टस कॉम्प्लेक्स में चिराग ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव झारखंड का भविष्य तय करेगा. इसलिए इस बार ऐसी कोई गलती नहीं करनी है, जिससे आने वाले पांच साल तक पछताना पड़े. उन्होंने कहा कि यह संकल्प कर आया हूं कि जब तक झारखंड का विकास नहीं करेंगे, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे. हेमंत सरकार पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि पांच साल में झारखंड में विकास रुक गया है. भ्रष्टाचार चरम पर है. हेमंत सोरेन ने झारखंड की जनता को शर्मसार किया है. मुख्यमंत्री के पद पर रहते हुए हेमंत सोरेन भ्रष्टाचार के आरोप में जेल गए. इस बार एक-एक वोट सोच समझ कर देना है. इस चुनाव में ऐसे पार्टी के ऐसे विधायक को चुनना है जो विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं युवाओं की चिंता करे. जात-पात, धर्म से ऊपर उठकर बेहतर झारखंड बनाने आया हूं. अब झारखंड को ऐसा राज्य बनाना है, जहां से किसी को बाहर न जाना पड़े.

सम्मानजनक सीटें नहीं मिली तो 81 सीट पर लड़ेंगे : प्रधान

लोजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र प्रधान ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यदि इस बार के विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन में लोजपा को सम्मानजनक सीटें मिलती हैं, तब तो गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेंगे. अन्यथा, लोजपा प्रदेश की 81 सीटों पर चुनाव लड़ने को तैयार हैं. प्रधान ने कहा कि जबतक कोयलांचल में लोजपा की भागीदारी नहीं होगी. तबतक यहां का विकास नहीं हो सकता है. जन आक्रोश रैली की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष दिलीप पासवान एवं मंच संचालन बेलाल खान ने किया. मौके पर झारखंड प्रभारी सह जमुई सांसद अरुण भारती, खगड़िया सांसद राजेश वर्मा, युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र द्विवेदी, प्रमोद सिंह, आशा पासवान, ममता रंजन, मुंद्रिका पासवान, ज्ञानचंद गौतम सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे.

कैमरून में विष्णुगढ़ के प्रवासी मजदूर की मौत

- सड़क हादसे में चली गई जान गांव में पसरा है मातमी सन्नाटा
- पत्नी बेसुध, दो बच्चों के सिर से उठ गया पिता का साया

संवाददाता। विष्णुगढ़/हजारीबाग

प्रवासी मजदूरों की मौत का सिलसिला थम नहीं रहा है. ऐसा कोई महीना या पखवाड़ा नहीं है, जब प्रवासी मजदूरों को लेकर बुरी खबर नहीं आती हो. एक बार फिर हजारीबाग के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र स्थित जोबार गांव के प्रवासी मजदूर की सेंट्रल अफ्रिका के कैमरून में सड़क हादसे में मौत की खबर सामने आई है. जानकारी के अनुसार, हेमलाल महतो (35) पांच सितंबर को मजदूरी करने कैमरून गया था.

वह वहां पर ट्रांसरेल लाइटिंग लिमिटेड कंपनी में काम कर रहा था. कार्यस्थल से कंपनी की बस से वह घर लौट रहा था. इसी दौरान उसकी बस एक टेलर से टकरा गयी. इस हादसे में हेमलाल व बस चालक की मौत हो गई. हेमलाल महतो की मौत की खबर से पूरे गांव में मातम पसर गया है. हेमलाल की पत्नी बेसुध है. वहीं, उसके दो बच्चे अंजन कुमार (10) और आर्यन कुमार (6) के सिर से पिता का साया भी उठ गया है.

दुखों का पहाड़

हेमलाल महतो की मौत की खबर सुन कर बिलखती पत्नी और मां.

समाजसेवी ने हर संभव मदद का दिया भरोसा : इस घटना की जानकारी पाकर प्रवासी मजदूरों के लिए काम करनेवाले समाजसेवी सिकंदर अली, जेबीकेएस के माही पटेल, डूमरचंद महतो और चेतलाल महतो समेत अन्य लोग रविवार को हेमलाल के घर पहुंचे. इन्होंने मृतक प्रवासी मजदूर के परिजनों को ढांढस बंधाते हुए हर संभव मदद का भरोसा दिया.

झोलाछाप डॉक्टर के चक्कर में चली गई नवजात की जान

मृतक नाती के शव को गोद में लेकर विलाप करती नानी व मौजूद ग्रामीण.

- बुखार होने पर तीन माह के बच्चे को लेकर आए थे परिजन
- परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का लगाया आरोप

संवाददाता। चतरा

जिले के हंटरगंज प्रखंड अंतर्गत ग्राम घंघरी में झोलाछाप चिकित्सक योगेंद्र दास के क्लीनिक में इलाज के दौरान एक नवजात की मौत हो गई. परिजनों ने बच्चे की मौत के लिए डॉ योगेंद्र दास को जिम्मेवार बता रहे हैं. इस बाबत मृत शिशु के नाना पैनी कला पंचायत के लोहसिंघना निवासी दिनेश दास ने बताया कि तीन माह के नाती को बुखार आने के बाद इलाज के लिए सुबह 10 बजे घंघरी लाए थे.

यहां झोलाछाप डॉक्टर योगेंद्र दास ने उसका इलाज शुरू किया, पर बच्चे की स्थिति बिगड़ती चली गई. इसके बाद भी डॉक्टर ने ध्यान नहीं दिया और सिर्फ आश्वासन देते रहे कि ठीक हो जाएगा. अंत में शाम करीब पांच बजे बच्चे को एक इंजेक्शन लगाया और कुछ दवाइयां पिलाई, फिर बोले कि जितना जल्द हो सके इसको बिहार के शेरघाटी ले जाइए. इसके बाद बच्चे को लेकर आधा किलोमीटर दूर पहुंचे थे कि बच्चे ने दम तोड़ दिया. उन्होंने डॉ योगेंद्र दास पर इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप लगाते हुए बच्चे की मौत का जिम्मेदार बताया है. घटना के बाद मां प्रीति कुमारी बार-बार बेसुध हो जा रही थी.

झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक पर परिजनों ने किया हंगामा : बच्चे की मौत के बाद ग्रामीणों ने झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक पर काफी हंगामा किया और डॉ योगेंद्र दास को पकड़ कर रखे हुए थे. मामले की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी गई. समाचार लिखे जाने तक घटनास्थल पर न पुलिस आई थी और न ही ग्रामीणों का जमावड़ा हटा था. बता दें कि डॉ योगेंद्र दास घंघरी में रहकर प्राइवेट क्लीनिक चलाता है. इसके पास सिर्फ आरएमपी की डिग्री है.

हादसा रामगढ़ में दामोदर नदी में डूबीं एक ही परिवार की तीन बच्चियां, धनबाद के झरिया में भी किशोर डूबा

कहुवाबेड़ा में तीन बच्चियों की दामोदर नदी में डूबने से हुई मौत

- एक ही परिवार की थीं बच्चियां, नहाने के दौरान डूबीं
- ग्रामीणों ने तीनों बच्चियों की नदी से बाहर निकाला

संवाददाता। रामगढ़

रामगढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत नगर परिषद वार्ड नंबर 17 के कहुआबेड़ा ऊपर टोला में तीन बच्चियों की दामोदर नदी में डूबने से मौत हो गई. तीन बच्चियां एक ही परिवार की थीं. मृत बच्चियों की पहचान कहुआबेड़ा ऊपर टोला निवासी अनिल प्रजापति की पुत्री सिमरन कुमारी (10) व संध्या कुमारी (8) और बबलू प्रजापति की पुत्री छाया कुमारी (15) के रूप में हुई है.

तीन बच्चियों की मौत के बाद रोती-बिखलतीं घर की महिलाएं.

जानकारी के मुताबिक, रविवार को दिन के करीब 11 बजे गांव से सटे दामोदर नदी में तीनों बच्चियां नहाने के लिए गई हुई थीं. इस दौरान नदी में चल रहे भवर में एक बच्ची डूबने लगी, तो दूसरी और तीसरे बच्ची ने उसे बचाने का प्रयास किया. लेकिन वे दोनों भी डूबने लगीं. बच्चियों को डूबता देख पास में स्नान कर रहे लोगों ने शोर मचाया, तो गांव के कुछ लोग मौके पर पहुंचे और तीनों लड़कियों को नदी से बाहर निकाल कर नई सराय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने तीनों को मृत घोषित कर दिया. घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है.

घटना के बारे में वार्ड 17 की पूर्व वार्ड सदस्य अनु विश्वकर्मा ने बताया कि नहाने के दौरान तीनों बच्चियां की दामोदर नदी में डूबने से मौत हो गई. घटना के बाद गांव में मातम पसरा हुआ है. घटना की जानकारी मिलने के बाद रामगढ़ थाना के शहरी गश्ती दल के पुलिस पदाधिकारी बीरबल हेंब्रम मृतक के घर पहुंचे और घटना की जानकारी ली. पुलिस तीनों बच्चियों के शव का पोस्टमार्टम कराने की प्रकिया में जुटी हुई थी.

किशोर की दामोदर में डूबने से मौत

- दोस्त के साथ गया था नहाने आठ घंटे बाद शव बरामद

धनबाद। झरिया के भौंरा थाना क्षेत्र अंतर्गत जामाडोबा लाल बंगला के पास दामोदर नदी में डूबने से 14 वर्षीय प्रशांत जायसवाल की मौत हो गई. किशोर का शव लाल बंगला के नीचे डुमरी घाट से करीब आठ घंटे बाद बरामद किया गया. पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद के एसएनएनएमएमसीएच भेज दिया. मृतक किशोर जामाडोबा डुमरी चार नंबर का रहनेवाला था.

वह रविवार की सुबह साढ़े छह बजे अपने दोस्त हर्ष के साथ दामोदर नदी घूमने आया था. घटना के संबंध में हर्ष ने बताया कि दोनों अपने घर से टाटा पार्क जाने के लिए अपने अपने साइकिल से निकले थे. लेकिन बीच से ही प्रशांत जबरन दामोदर नदी ले आया. यहां पहुंचने के बाद प्रशांत शौचालय गया और फिर नदी में उतरा और वह डूबने लगा. उसे बचाने की काफी कोशिश की, लेकिन बचा नहीं पाए. इसके बाद घटना की जानकारी उसके परिजनों को दी. बाद परिजन और आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे और भौंरा पुलिस को घटना की सूचना दी. भौंरा पुलिस ने मुनीडीह से गोताखोर की टीम बुलाई और आठ घंटे बाद डुमरी घाट के पास से शव बरामद किया गया. प्रशांत अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था.

आणी गांव में बने आवास में विस्थापितों को प्रवेश करने से प्रशासन ने रोका, घंटो चला हंगामा

सरकार विस्थापितों के साथ अन्याय करना बंद करें

संवाददाता। रांची

पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत रविवार को हटिया विस्थापित परिवार समिति के बैनर तले सैकड़ो ग्रामीण आणी गांव में बने विस्थापितों के लिए बने आवासीय परिसर में स्वयं प्रवेश करने पहुंचे. ग्रामीणों को प्रशासन ने कुटे मैदान के पास बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया. जहां पर विस्थापितों ने प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की और विस्थापितों ने कहा कि सरकार विस्थापितों के साथ अन्याय करना बंद करे और विस्थापितों के हितों का ख्याल रखें.

विस्थापितों ने कहा कि यह आवासीय परिसर किसके लिए बनी है, सरकार बताए. यदि विस्थापितों के लिए बनी है, तो विस्थापितों को आज तक क्यों नहीं दिया गया? सरकार हमें पेंडुलम की रह बनाकर ना रखे. जो निर्णय लेना है, स्पष्ट निर्णय ले. या तो सरकार गांव जो पूर्व के समय से यथावत अपनी स्थिति में बनी हुई है, उन्हें उसी स्थान पर स्थाई करे और खाली पड़ी जमीन उन्हें वापस करें.

2005 में सरकार के साथ कई बिंदुओं पर बनी थी सहमति : ग्रामीणों को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव ने कहा कि 2015 में सरकार के साथ कई बिंदुओं पर ग्रामीणों की एक सहमति बनी थी. उसके अनुसार सरकार एक कदम भी नहीं चली, जबकि आज तक ग्रामीणों ने किसी प्रकार के निर्माण कार्य या विकास योजनाओं का विरोध नहीं किया. परंतु सरकार का रवैया रैयत विस्थापितों के प्रति सही नहीं है. इसके कारण आज ग्रामीण फिर से सड़क पर उतर कर आंदोलन करने के लिए बाध्य हैं.

विस्थापितों ने नगड़ी सीओ को ज्ञापन सौंपा : रोजगार को लेकर विस्थापितों के द्वारा प्रदर्शन के दौरान वहां मौजूद नगड़ी सीओ राजेश कुमार को ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के नाम एक मांग पत्र सौंपा. प्रदर्शन के दौरान महावीर मुंडा, जहाना परवीन, विलियम पहान, सोमनाथ तिर्की, मेघनाथ महतो, लाल तरुण नाथ शाहदेव, विनय उरांव, विजय कुशवाहा ने भी संबोधित किया. इस दौरान अनिल महतो, अख्तर हुसैन, बीजू महतो,पूनम देवी, बुलबुल तिर्की, प्रतिमा तिर्की, किरण देवी समेत सैकड़ों ग्रामीण मौजूद रहे.

पीएम के दौरों से झामुमो को पड़ने लग रहा है दौरा : प्रतुल शाहदेव

- घुसपैठियों का बचाव शर्मनाक

प्रमुख संवाददाता। रांची

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने रविवार को झामुमो पर निशाना साधा. कहा कि प्रधानमंत्री जब झारखंड आते हैं, तो झारखंड मुक्ति मोर्चा को बदहवासी में दौरा पड़ने लगता है. पीएम विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है. उन्होंने देश की तस्वीर और तकदीर बदल दी. भ्रष्टाचार के खिलाफ में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूरी देशव्यापी मुहिम चली है. इस मुहिम से झारखंड मुक्ति मोर्चा डरा हुआ है. झामुमो के नेताओं को अपनी बदहवासी वाली मानसिक स्थिति का इलाज किसी मनोचिकित्सक से कराना चाहिए.

पांच साल में 70 हजार घपले-घोटाले का आरोप : प्रतुल ने कहा कि झामुमो का वास्तविक अर्थ झारखंड मुद्रा मोचन पार्टी है. 5 वर्षों में इन पर 70,000 करोड़ के घपले,घोटाले का आरोप लगा. जमीन विवाद में सीएम 5 महीने के लिए जेल घूम आए. झामुमो हेमंत सोरेन को बेल मिलने पर क्लीन चिट दे रही है, जबकि ट्रायल अभी तक शुरू भी नहीं हुआ. पूर्व मंत्री आलमगीर आलम और हेमंत सोरेन के दरबार के प्रेम प्रकाश, अमित अग्रवाल, पंकज मिश्रा जैसे नवरत्न अभी भी जेल में बंद हैं.

आदिवासी हितों पर कर रही कुठाराघात : घुसपैठ के मामले में उपायुक्तों ने झूठ बोला जो हाई कोर्ट में एक्सपोज हो गया. केंद्र सरकार ने जिन घुसपैठियों की सूची 2021 में राज्य सरकार को दी थी, उसे राज्य सरकार ने दबा दिया. राज्य सरकार के लिए ये बांग्लादेशी वोट बैंक का काम करते हैं. इस लिए राज्य सरकार इनको बचाते रहती है. इन घुसपैठियों को बचाने के चक्कर में सरकार आदिवासी हितों पर कुठाराघात कर रही है. यही बांग्लादेशी घुसपैठिए लव जिहाद, लैंड जिहाद और पॉलिटिकल जिहाद करते हैं.

ब्रीफ खबरें

टाटीसिलवे में हिमंता की परिवर्तन सभा आज

रांची। असम के मुख्यमंत्री सह विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंत बिस्वा सरमा सोमवार को अपराह्न तीन बजे से टाटीसिलवे में परिवर्तन सभा को संबोधित करेंगे. वहीं ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी दोपहर 12 बजे पश्चिम सिंहभूम के अनुमंडल कार्यालय के समीप जगन्नाथपुर जमनी मैदान में परिवर्तन सभा को संबोधित करेंगे. मांझी दोपहर 2:30 बजे मझगांव हाई स्कूल मैदान में आयोजित सभा को भी संबोधित करेंगे. वहीं, भाजपा के प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी एक अक्टूबर को बोकारो के चंदनकियारी में विधानसभा के कार्यकर्ताओं के साथ सुबह 11 बजे से बैठक करेंगे.

राज्यकर्मियों को आज मिलेगी एक और सौगात

रांची। झारखंड राज्य कर्मियों, यों सेवानिवृत कर्मियों को 5 लाख का कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना देने का रास्ता साफ हो गया है. झारखंड सरकार ने इस योजना का लाभ देने के लिए जनरल इंश्योरेंस कंपनी का चयन कर लिया है. स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत झारखंड स्टेट आरोग्य समिति एवं टाटा एआईजी जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के बीच सोमवार को इकरारनामा भी कर दिया जाएगा. यह एमओयू आईपीएच सभागार, आरसीएच परिसर नामकुम में होगा.

धर्मांतरित ईसाई-मुस्लिम की डिलिस्टिंग हो: गणेश

रांची। जनजाति सुरक्षा मंच के तत्वावधान में रविवार को बरियातू के आरोग्य भवन स्थित प्रांतीय कार्यालय में बैठक आयोजित की गयी. बैठक में मुख्य अतिथि के तौर पर मंच के राष्ट्रीय संयोजक गणेश राम भगत और पंचायती राज विभाग के निदेशक निशा उरांव ने भाग लिया. मुख्य अतिथि गणेश राम भगत ने कहा कि धर्मांतरित ईसाइयों और मुसलमानों को डिलिस्टिंग करना बहुत जरूरी है. इसके लिए आंदोलन शुरू होगा.

व्यवसायी के कर्मी को गोली मार 20 हजार लूटे

कर्रा। थाना क्षेत्र के साप्ताहिक बाजार जम्हार में तीन अपराधियों ने धान-मड़ुआ खरीदने वाले व्यवसायी के कर्मी को गोली मारकर 20 हजार रुपये लूट लिया. वारदात करने के बाद तीनों अपराधी बाइक से फरार हो गए. घटना रविवार की दोपहर सवा 12 बजे की है. वहीं घायल मजदूर सुनील नाग को सीएचसी कर्रा भेजा गया, जहां इलाज कर मजदूर को सुरक्षित घर भेजा गया.

विधानसभा चुनाव तैयारी की रूपरेखा को लेकर कांग्रेस का मंत्रणा कार्यक्रम आज

गांधी जयंती के दिन कांग्रेस शुरू करेगी चुनावी अभियान : कमलेश

- प्रभारी, सह प्रभारी एवं छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम बघेल लेंगे हिस्सा
- हमारे पास सरकार के कार्य पूंजी के रूप में : सुबोधकांत सहाय

विशेष संवाददाता। रांची

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस गांधी जयंती के दिन यानी दो अक्टूबर से अपने औपचारिक चुनावी अभियान की शुरुआत करेगी. इसके लिए राज्य के नेताओं की चार टीम बनाई गई हैं, जो पहले चरण में उन क्षेत्रों में अभियान चलाएगी जहां पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार थे. इसके बाद सीट बंटवारे के बाद दूसरे चरण में गठबंधन उम्मीदवारों के लिए अभियान चलाया जाएगा. वहीं, विधानसभा स्तर पर हर गांव-टोला में संवाद यात्रा निकालेगी. 15 अक्टूबर से जिला स्तर के नेता पंचायत में अभियान चलाएंगे. इसके माध्यम से सरकार की उपलब्धियां को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा.

प्रदेश कांग्रेस कैंपेनिंग कमेटी के चेयरमैन सुबोधकांत सहाय ने प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान ये जानकारी दी. उन्होंने कहा कि चुनाव में जाने के लिए हमारे पास सरकार के किए हुए कार्य पूंजी के रूप में हैं. हमारी नीतियों में भविष्य के विकास की झलक है. आज झारखंड में बांग्लादेशी को खोजनेवाले भाजपा के नेता 18 वर्षों तक राज करने के दौरान सो रहे थे. इन्हें चुनाव के समय ही ऐसे मुद्दे दिखते हैं. उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ के घोटाले के आरोप में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर एफआईआर दर्ज हुआ है. उन्हें नैतिकता के आधार पर इस्तीफा देना चाहिए.

आज की बैठक में चुनाव की रूपरेखा पर होगी रायशुमारी : प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि एक माह में 24 जिलों में 25 'संवाद आपके साथ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका समापन हो गया है. इस दौरान सभी जिलों में संगठन की संपूर्णता के संबंध में बातें सामने आईं. चुनाव को लेकर समितियों की बैठक चल रही है. इसी कड़ी में पूरे झारखंड के डेलिगेट्स, प्रखंड अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष, विधायक, सांसद, मंडल अध्यक्ष सहित अन्य नेताओं की वृहद बैठक 30 सितंबर को बुलाई गई है. इसमें प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर, सप्तगिरि शंकर उलका, सिरीबेला प्रसाद, छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल उपस्थित रहेंगे. इसी दिन मेनिफेस्टो कमेटी के लोगों से भी वरीय नेतागण मिलेंगे. महात्मा गांधी की जयंती पर चुनावी अभियान प्रारंभ किया जाएगा. साथ ही देश की आजादी के आंदोलन में अपना योगदान देनेवाले टाना भगतों का विशाल कार्यक्रम बीजूपाड़ा में सोमा टाना भगत की प्रतिमा के समक्ष किया जाएगा. एक सवाल के जवाब में कमलेश ने कहा कि भाजपा के काम करने और कांग्रेस के काम करने का तरीका अलग है. पार्टी अब पूरी तरह से चुनाव के लिए तैयार है.

घोषणा पत्र पर हेमंत से भी सलाह-मशवरा करेंगे : बंधु तिर्की

मेनिफेस्टो कमेटी के चेयरमैन बंधु तिर्की ने कहा की घोषणा पत्र तैयार करने के लिए पूरे प्रदेश में चौपाल लगाकर लोगों की राय ली जा रही है. इसमें यह व्यवस्था की जाएगी कि हर छह माह में मेनिफेस्टो के सोशल ऑडिट की व्यवस्था हो. नीतिगत,आर्थिक, सामाजिक सभी पहलुओं की समीक्षा कर घोषणा पत्र के बिंदु तैयार किए जाएंगे. जिलावार वहां के स्थानीय मुद्दे, राज्य स्तर के मुद्दे, जमीन के मुद्दे एवं अन्य विसंगतियों पर चर्चा की जाएगी. चार अक्टूबर तक प्रदेश कार्यालय में प्रतिवेदन समर्पित करेंगे, जिसे संकलित कर राष्ट्रीय नेतृत्व को समीक्षा हेतु भेजा जाएगा. वहां से अनुमति मिलते ही इसे घोषित किया जाएगा. घोषणा पत्र तैयार होने के बाद मुख्यमंत्री से मिलकर हम अपने और उनके घोषणा पत्र पर चर्चा कर इसे अमलीजामा पहनाएंगे. मौके पर प्रदीप कुमार बलमुचू, राकेश सिन्हा, सतीश पौल मुंजनी, सोनाल शांति, कमल ठाकुर, शांतनु मिश्रा आदि उपस्थित थे.

युवाओं की जितनी अधिक भागीदारी संगठन उतना मजबूत होगा : कमलेश

रांची। आसान विधानसभा 2024 की तैयारी के लिए युवा कांग्रेस का संवाद कार्यक्रम मंटू चौक हिंदपीढ़ी में आयोजित किया . कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के समय से लेकर केशव महतो कमलेश ने कहा कि देश युवाओं का है, और संगठन में युवाओं की भागीदारी जितनी होगी संगठन उतना मजबूत होगा . संवाद कार्यक्रम या एक कार्यक्रम नहीं बालकी संगठन के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच हमारी मकसद है . इसका उदाहरण अभी का संवाद कार्यक्रम में देखने को मिल रहा है . युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव राजेश सिन्हा सनी के नेतृत्व में युवाओं की एक बड़ी फौज कांग्रेस के लिए तैयार खड़ी है . आज हम यहां दावा कर सकते हैं कि इनकी मजबूती झारखंड को एक विकास की राह पर लेकर चलेगी और भाजपा की झूठ, साजिश ओर षड्यंत्र को कुचलने का काम करेगी . राजेश सिन्हा सन्नी ने यह भी कहा कि हिंदपीढ़ी का यह युवा कांग्रेस संवाद कार्यक्रम मील का पत्थर साबित होगा . रांची के प्रतीक प्रखंडें में यह कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा इस संवाद कार्यक्रम से युवाओं में गजब का उत्साह देखने को मिला है . आने वाले चुनाव को देखते हुए रांची विधान सभा युवा कांग्रेस सभी वार्ड पर राहुल गांधी के संदेश को पूछने का काम करेगी . कार्यक्रम में अब्दुल रहमान,मदन मोहन शर्मा, सुनील सिंह, मो इनायतुल्लाह, मो मोहसिन, चंदन सिंह ,बंटी सिंह, जमील अख्तर, दिलीप यादव, मो . मकसूद, मो अर्श सहित कई उपस्थित थे .

हेमंत सोरेन ने पूर्णिया में पप्पू यादव के पिता को श्रद्धांजलि दी

संवाददाता। रांची

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रविवार को पूर्णिया गए. इस मौके पर हेमंत पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव के पिता स्वर्गीय चंद्र नारायण प्रसाद के श्राद्धकर्म में शामिल हुए. मुख्यमंत्री ने उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी. 'एक्स' पर फोटो शेयर करके सीएम हेमंत सोरेन ने यह जानकारी दी है.

लता मंगेशकर की जयंती पर सजी संगीत की महफिल

रांची। सिटी पैलेस, लालपुर में रिदम ग्रुप के बैनर तले सुर साम्राज्ञी लता मंगेशकर का जन्मदिन मनाया गया. प्रशंसको ने श्रद्धांजलि अर्पित कर केके काटा गया. गीत-संगीत की महफिल सजायी. गायको ने एकल, युगल और समूह में लता मंगेशकर के सदाबहार नगमें पेश किए. एक से बढ़कर एक प्रस्तुति से उपस्थित दर्शकों का मन मोहा. स्थानीय सहित झालदा, गुमला आदि से आए कलाकारों ने 80 और 90 दशक के गीतों की तो लड़ियां लगा दीं. मिताली ठाकुर और झारखंड की कई भाषाओं में गाना गा चुकी गायिका मोनिका मुंडू ने इसमें खास तौर से उपस्थिति दर्ज करायी.मंच संचालन का कार्यभार सुभाशीष चटर्जी ने संभाला. सपना चटर्जी और निगार सुलताना ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

ईशु से विनती: प्रभु तोर बिना जीवन डहर नहीं दिसेला...

संवाददाता। रांची

मेन रोड के जीईएल चर्च में युवा रविवार मनाया गया. अनुयायियों ने परमेश्वर की आराधना की. सुबह पांच से छह बजे तक यीशु मसीह के गीत संगीत होता रहा. इसके साथ ही साथ परमेश्वर की विशेष विनती भी की गई. सबसे पहले रेव्ह ममता बिलुंग ने परमेश्वर आराधना कराई. उसके बाद रेव्ह यीशु नासरी मिंज, तिसरा रेव्ह जॉली भेंगरा ने परमेश्वर आशीष कराया. संचालन अमीषा बाड़ा और श्रेया मिंज ने की. उपदेशक अर्चना मिंज ने की. युवाओं ने अपने पसंद का गीत गाया. एक से बढ़कर एक परमेश्वरीय गीत सामने आया. समीर ग्रुप के मंडली ने प्रभु तोर बिना, जीवन डहर नहीं दिसेला... जैसे गीतों से पूरा परिसर ईश्वरीय माहौल में बदल गया. लोग झूमने के लिए मजबूर हो गया.

पारस एचईसी अस्पताल में नि:शुल्क हृदय स्वास्थ्य जांच शिविर लगा

300 से अधिक लोगों की जांच की

संवाददाता। रांची

विश्व हृदय दिवस के अवसर पर पारस एचईसी अस्पताल, रांची में रविवार को निःशुल्क हृदय स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया. इसमें 300 से अधिक लोग शामिल हुए झारखंड पुलिस के आईजी (मुख्यालय एवं मानव संसाधन) मनोज कौशिक ने शिविर का उद्घाटन किया. उन्होंने कहा कि दिल हमें जिंदा रखने के लिए एक दिन में 1 लाख से ज्यादा बार धड़कता है. हमें अपने लिए कुछ समय स्वस्थ जीवनशैली के लिए निकालना चाहिए. स्वस्थ जीवन शैली अपनाएं, जिससे अस्पताल जाने से बचा जा सके, लेकिन जब स्वास्थ्य की मांग हो, तो किसी योग्य डॉक्टर से मिलें, अच्छे अस्पताल में जाएं, बीमार होने पर अस्पताल जाने में देरी न करें.

हमें नियमित रूप से व्यायाम करना चाहिए : हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. महेश कुशवाह ने कहा, हमें नियमित रूप से व्यायाम करने के साथ-साथ अपने दिल के लिए 20-30 मिनट देने की जरूरत है. पारस हॉस्पिटल के मार्केटिंग हेडमानस लाभ ने कहा कि डॉक्टर और पुलिसकर्मी जीवन को सुचारू रूप से चलाने के लिए 24/7 काम कर रहे हैं. यदि हम जीवन की शुरुआती उम्र में स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हैं तो इससे हमें बड़ी उम्र में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य जीवन जीने में मदद मिलेगी. फैसिलिटी डायरेक्टर डॉ. नितेश ने कहा कि हृदय रोग मूलतः जीवनशैली से जुड़ी बीमारी है. हमें नियमित व्यायाम करके स्वस्थ जीवनशैली अपनानी चाहिए, तली-भुनी चीजों से परहेज करना चाहिए.

थड़पखना: प्रतिबंधित मांस की सूचना पर लोगों में आक्रोश

- पुलिस प्रशासन से कार्रवाई की मांग

संवाददाता। रांची

लालपुर थाना क्षेत्र के थड़पखना में बीच सड़क पर प्रतिबंधित मांस होने की सूचना रविवार को सामने आई. इसके बाद स्थानीय लोगों और हिंदू संगठनों में उबाल देखा गया. विधायक सीपी सिंह तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे. पुलिस पदाधिकारियों की उपस्थिति में कहा कि ऐसी घटना हिंदू समाज की भावनाओं पर सीधा प्रहार है. यह घटना रांची में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर भी गंभीर सवाल खड़ा करती है. पुलिस प्रशासन झामुमो–कांग्रेस के तुष्टीकरण की नीति के तहत ऐसे आरोपियों पर हमेशा ठोस कार्रवाई करने से दूर भागती है. सीपी सिंह ने पुलिस प्रशासन से मांग करते कहा कि हिंदपीढ़ी क्षेत्र में जिन होटलों में प्रतिबंधित मांस परोसा जा रहा है, उन्हें तुरंत सील किया जाए एवं आरोपियों को पकड़ कर सरकार कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करें. अगर जल्द ही आरोपियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो हिंदू समाज सड़कों पर उतर कर बड़ा आंदोलन करने के लिए मजबूर होगा. पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में सुधार करना होगा, नहीं तो उन्हें जनता के गुस्से का सामना करना पड़ेगा. हिंदू समाज की धार्मिक भावनाओं का अपमान बर्दाश्त नहीं किया जाएगा.

गौरतलब है कि प्रतिबंधित मांस ओल्ड हजारीबाग रोड में श्री दुर्गा टावर, ब्लू चीप दिन के 11 बजे फेंके जाने की जानकारी सामने आई थी.

बड़ी पहल

आंध्र की तर्ज पर अब सरकारी कर्मियों की रिटायरमेंट उम्र 62 वर्ष करने की तैयारी

सरकार ने दी सहमति, सरकारी कर्मियों के कई संघ कर रहे थे डिमांड

- राज्य के 2.50 लाख कर्मचारी-पदाधिकारी आंदोलन की राह में
- इपीएफओ ने भी इंजीनियरों की उम्र सीमा 62 साल करने की दी थी सलाह
- शुभम संदेश ने पहले ही इस खबर को प्रमुखता से छापी थी

रवि भारती। रांची

झारखंड में अब आंध्र प्रदेश की तर्ज पर सरकारी कर्मियों की रिटायरमेंट की उम्र सीमा 62 साल होगी. इस पर सरकार ने सहमति दे दी है. इससे राज्य के लगभग 2.50 लाख सरकारी पदाधिकारी- कर्मियों को फायदा होगा. कार्मिक ने इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है. सरकारी कर्माचारियों के विभिन्न संघ ने भी आंध्र प्रदेश के तर्ज पर रिटायरमेंट की उम्रसीमा 60 से 62 साल करने की मांग की थी. वहीं संघ की ओर से कहा गया है कि इपीएफओ ने भी राज्य सरकार के इंजीनियरों की रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की सलाह दे चुकी है. वहीं यह भी तर्क दिया गया है कि रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने से कर्मियों को पेंशन के भुगतान के फलस्वरूप उत्पन्न वित्तीय भार को कम किया जा सकता है. उच्चस्तरीय सूत्रों के मुताबिक, सरकार जल्द ही कैबिनेट की बैठक बुला कर इस पर मुहर लगा सकती है.

नई नियुक्तियों पर नहीं पड़ेगा असर : सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद ने कहा है कि रिटायरमेंट की उम्र सीमा बढ़ाने पर नई नियुक्तियों पर कोई असर नहीं पड़ेगा. क्योंकि जो भी कर्मी या पदाधिकारी रिटायरमेंट उम्र में हैं, वे सभी प्रोन्नत पद पर आसीन है. सीधी नियुक्ति बेसिक ग्रेड पर होती है.

इन संघों ने की थी मांग

सचिवालय सेवा संघ: सचिवालय सेवा संघ ने सीएम को ज्ञापन सौंप रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की थी. संघ के अध्यक्ष ध्रुव प्रसाद ने कहा था कि आंध्र प्रदेश में इसे लागू कर दिया गया है. इस दिशा में झारखंड सरकार को भी सकारात्मक पहल करनी चाहिए.

डिप्लोमा अभियंता संघ: संघ के अध्यक्ष गुप्तेश्वर राम ने कहा था कि सेवानिवृति के समय अभियंता अपने कार्यों में काफी कुशल एवं अनुभवी होते हैं. उनके कार्यकुशलता एवं अनुभव को उपयोग राज्यहित में किया जा सकता है.

झारखंड वित्त सेवा: झारखंड वित्त सेवा के पदाधिकारियों ने भी रिटायरमेंट की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की थी. वर्तमान में झारखंड वित्त सेवा के सेवानिवृत्त प्राप्त करने वाले समस्त पदाधिकारी शारीरिक एवं मानसिक रूप से तंदुरुस्त एवं कार्य करने में सक्षम हैं. उनके पास राजस्व संग्रहण संबंधी अच्छा सेवानुभव है.

एसटी-एससी कर्मचारी संघ: राज्य के अनुसूचित जाति- अनुसूचित जनजाति कर्मचारी संघ ने सेवानिवृति की उम्र सीमा 60 से 62 साल करने की मांग की थी.

किस विभाग में कितने कर्मचारी कार्यरत

विभाग	कार्यरत कर्मियों-पदाधिकारियों की संख्या	विभाग	कार्यरत कर्मियों-पदाधिकारियों की संख्या	विभाग	कार्यरत कर्मियों-पदाधिकारियों की संख्या
राज्यपाल सचिवालय	119	पीआरडी	115	पर्यटन	28
हाईकोर्ट	892	श्रम नियोजन	1002	कला-संस्कृति	171
विधानसभा	936	विधि	5890	आरइओ	1777
जेपीएससी	45	खान भूतत्व	300	पंचायती राज	1958
भवन निर्माण	497	संसदीय कार्य	22	समाज कल्याण	1836
उत्पाद	351	कार्मिक	295	कृषि	1355
वित्त	279	राजभाषा	214	पशुपालन	1621
सांस्थिक वित्त	05	योजना विकास	275	सहकारिता	674
वाणिज्य कर	462	पेयजल	2061	मत्स्य	153
खाद्य आपूर्ति	331	स्टांप व निबंधन	180	डेयरी	93
वन एवं पर्यावरण	3595	आपदा प्रबंधन	78	ऊर्जा	138
स्वास्थ्य	11365	भू-राजस्व	6738	राष्ट्रीय बचत	20
उच्च शिक्षा	38	पथ निर्माण	1654	परिवहन	137
तकनीकी शिक्षा	477	ग्रामीण विकास	2490	नगर विकास	51
माध्यमिक शिक्षा	8944	मंत्रिमंडल सचिवालय	269	आवास	07
प्राथमिक शिक्षा	41682	मंत्रिमंडल निर्वाचन	106	जल संसाधन	4032
स्कूली शिक्षा	36	मंत्रिमंडल निगरानी	389	लघु सिंचाई	900
गृह	74919	नागर विमानन	10	कल्याण	1849
उद्योग	390	सूचना प्रावैद्यिकी	13	–	–

हॉर्स ट्रेडिंग मामले में सीबीआई जांच की मांग का मामला

क्रिमिनल रिट याचिकाकर्ता को रांची पुलिस ने नोटिस भेजा

संवाददाता। रांची

राज्यसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग मामले में सीबीआई जांच को लेकर हाईकोर्ट में क्रिमिनल रिट दायर करने वाले याचिकाकर्ता को रांची पुलिस ने नोटिस भेजा है. हटिया डीएसपी द्वारा रिट दायर करने वाले दानियल दानिश को नोटिस भेज कर, उसे रिट से संबंधित मूल यंत्र (ओरिजिनल डिवाइस) के साथ बयान दर्ज कराने को कहा गया है.

इसके जवाब में दानियल ने हटिया डीएसपी को पत्र लिखा और इसकी प्रतिलिपि, मुख्य सचिव गृह सचिव, डीआईजी कोल्हान व रांची एसएसपी को भेजी है. उसने कहा है कि मैं आपको मूल डिवाइस सौंपने में असमर्थ हूं. यह मामला झारखंड हाईकोर्ट के समक्ष विचाराधीन है और इस संबंध में मेरे द्वारा उठाया गया कोई भी कदम न्यायिक मानदंडों और औचित्य के विरुद्ध होगा. यह रिकॉर्डिंग की विषय-वस्तु अत्यंत संवेदनशील है. इस समय यदि मैं आपको मूल उपकरण सौंप दूं, तो यह मेरे लिए उचित नहीं होगा. कल अगर जांच आगे बढ़ती है और आप रिकॉर्डिंग को डिलीट कर देते हैं या उसमें छेड़छाड़ करते हैं, तो इससे मुझे और मेरे वकील को बहुत बड़ी समस्या हो जाएगी.

खास बातें

- प्रार्थी दानियल को मूल यंत्र के साथ बयान दर्ज कराने को कहा
- प्रार्थी ने किया इंकार, कहा- ऐसा कदम न्यायिक मानदंडों के विरुद्ध

ब्रीफ खबरें

भारतीय वैश्य महासभा के युवा प्रकोष्ठ की बैठक

रांची । भारतीय वैश्य महासभा हजारीबाग जिला युवा प्रकोष्ठ कार्यसमिति की बैठक हेवन ब्लू होटल में संपन्न हुई. मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यक्ष शंकर कुमार गुप्ता ने कहा कि किसी भी संस्था में युवा लोग रीड की हड्डी होते हैं. बैठक में पांच नवनियुक्त पदाधिकारियों की घोषणा कर प्रदेश कार्यकारी युवा अध्यक्ष अजय मंडल ने सम्मानित किया. जिसमें जोधन साव को प्रदेश युवा महासचिव, नितेश कुमार को हजारीबाग युवा जिलाध्यक्ष, अभिजीत गौरव को युवा महासचिव, रितिक कुमार को जिला सचिव, जिला उपाध्यक्ष अनिल कुमार को बनाया गया.

गैर मान्यता प्राप्त खेलों को भी मिलेगी मान्यता

रांची। पिछले दिनों आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया था कि देहरादून में आयोजित 38 वे नेशनल गेम्स में जो भी खेल शामिल होंगे, उन्हें झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन (जेओए) मान्यता प्राप्त खेलो की केटेगरी के तहत मान्यता देगी. जेओए के महासचिव डॉ. मधुकांत पाठक ने बताया कि पिछले कुछ वर्षो में गैर मान्यता प्राप्त खेलों को भी नेशनल गेम्स में जगह दी जा रही है. उन सभी गैर मान्यता प्राप्त खेलों के विकास के लिए उन्हें मान्यता देगा, जो आगामी 38 वें नेशनल गेम्स में शामिल किए जायेंगे.

कंट्री क्रिकेट क्लब रांची की एजीएम का आयोजन

रांची। रविवार को कंट्री क्रिकेट क्लब (सीसीसी) का 12 वीं वार्षिक आम सभा (एजीएम) जेएससीए परिसर में सम्पन्न हुआ. बैठक में अध्यक्ष राजेश वर्मा ने अंतिम वर्ष की क्लब की सारा प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की. सचिव राहुल झा ने क्लब का सारा ब्यौरा दिया, वहीं कोषाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने पिछले साल के वित्तीय लेन देन के विषय में विस्तार से सदस्यों के बीच में रखा. एजीएम में उपाध्यक्ष संजय पांडे, संयुक्त सचिव पवन कुमार कार्यकारिणी के राजीव रंजन,सुशील कुमार,अजीत कुमार, गुरदयाल सिंह नामधारी आदि उपस्थित थे.

सेल रांची के 10 कर्मचारी केदारताल के लिए रवाना

रांची। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) के रांची यूनिट्स के 10 कर्मचारी रविवार केदारताल की पर्वतारोहण के लिए रवाना हुए. इस पर्वतारोहण अभियान की ऊंचाई लगभग 4,754 मीटर (15,598 फीट) है जो शारीरिक और मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण है. केदारताल ट्रैक अपनी चुनौतीपूर्ण पथरीली चढ़ाइयों और जंगली इलाके के लिए जाना जाता है. मौके पर सेल रांची यूनिट्स के मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एस. जे. जाचक ने ध्वजांकन किया और पर्वतारोहियों को उनकी यात्रा के लिए शुभकामनाएं दी.

जूनियर महिला नेशनल चैंपियनशिप आज से

रांची। 14वीं हॉकी इंडिया जूनियर महिला नेशनल चैंपियनशिप 2024 का आयोजन हॉकी इंडिया, खेल विभाग, झारखंड एवं हॉकी झारखंड के संयुक्त तत्वावधान में 30 सितंबर से 10 अक्टूबर तक रांची में होगा. मरांग गोमके जयपाल सिंह अंतर्राष्ट्रीय एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम, मोराबादी रांची में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन 30 सितम्बर को होगा. इसमें देशभर के 25 राज्यों की टीमों से 50 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी अपना हुनर दिखाएंगे एक- दूसरे से जोर आजमाइश करेंगे.

होटल रेडिसन ब्लू में झारक्राफ्ट एक्सपो का हुआ उद्घाटन, 52 से अधिक स्टाल सजे

रेशम, कपास, ऊन, मिट्टी से बने उत्पादों की लगी प्रदर्शनी

संवाददाता। रांची

रांची के होटल रेडिसन ब्लू में रविवार को झारक्राफ्ट एक्सपो का उद्घाटन हुआ. उद्योग विभाग के सचिव जितेंद्र कुमार सिंह, हथकरघा और रेशम उत्पादन निदेशक आकांक्षा रंजन, झारखंड में माटीकला बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी हिमांशु मोहन, झारक्राफ्ट के प्रबंध निदेशक कीर्तिश्री ने एक्सपो का उद्घाटन किया. यह एक्सपो 4 अक्टूबर तक रहेगा, जिसमें रेशम, कपास, ऊन, मिट्टी, लकड़ी, ढोकरा और लाह जैसी स्वदेशी सामग्री से बने उत्पाद की प्रदर्शनी लगाई गई है. 52 से अधिक स्टालों का एक संग्रह, जिसमें हाथ से बुने हुए जामदानी, कांजीवरम, बनारस, इकत, चंदेरी, पश्मीना और कानी सहित पारंपरिक भारतीय वस्त्रों की एक श्रृंखला शामिल है. इसके साथ एक्सपो में कांथा, जरदोजी, चिकनकारी और आरी जैसी उत्कृष्ट हाथ की कढ़ाई तकनीकों के साथ-साथ मधुबनी, कलमकारी, सोहराई, पैठकर, जादुपतिया और सौरा जैसी हाथ से चित्रित कलाकृतियां प्रदर्शित की गई हैं.

झारक्राफ्ट एक्सपो के उद्घाटन समारोह में मौजूद प्रबंध निदेशक एवं अन्य अधिकारी.

मौके पर विभागीय सचिव ने कहा एक्सपो कि वस्तुएं झारखंड, उत्तर प्रदेश, कश्मीर, असम, कर्नाटक, गुजरात, बिहार और नई दिल्ली सहित विभिन्न क्षेत्रों की पारंपरिक शिल्प कौशल को दर्शाती हैं. इसका उद्देश्य भारतीय हथकरघा और हस्तशिल्प उद्योगों की वैश्विक लक्जरी ब्रांड के रूप में एक साथ आने की क्षमता को प्रदर्शित करना और भविष्य के प्रयासों के लिए आधार तैयार करना है.

प्रबंध निदेशक कीर्तिश्री ने कहा झारक्राफ्ट पहल, अपने बुनकरों की विशेषज्ञता के साथ मिलकर, भारत की गहरी सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करना है. 15,000 से अधिक बुनकरों को रोजगार देने वाला और विभिन्न क्षमताओं में 4,790 कारीगरों को शामिल करने वाला, हथकरघा उद्योग कृषि के बाद भारत की ग्रामीण आबादी के लिए दूसरा सबसे बड़ा रोजगार प्रदाता है. प्रदर्शनी में उत्कृष्ट कृतियों पर जोर देने की कोशिश की गई, जिससे भारतीय कपड़ा और हथकरघा कौशल की सराहना को बढ़ावा मिला और साथ ही भारतीय कारीगरों के हस्तनिर्मित उत्पादों में प्रदर्शित असाधारण शिल्प कौशल की पहचान भी बढ़ी.

शहर के पूजा पंडाल

हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति जंगल में साकार होगा मां का स्वरूप

- गुफा से गुजरेंगे दर्शनार्थी
- आकर्षित करेगा भूतमहल
- जग-मग होगा पूजा स्थल

संवाददाता ।रांची

हटिया स्टेशन दुर्गा पूजा समिति का पूजा पंडाल इस बार जंगल थीम पर बन रहा है. पंडाल बन कर तैयार है. साज-सज्जा के काम को अंतिम रूप दिया जा रहा है. पेड़-पौधे, पहाड़-पर्वत और झरने के बीच विचरण करते पशु-पंक्षी की मनोहारी छटा के क्या कहने. दर्शनार्थी गुफा और भूत बंगला से गुजरते हुए जैसे ही वन में पहुंचेंगे, उन्हें मां दुर्गा और अन्य देवी-देवताओ का दिव्य स्वरूप लुभाएगा. स्थानीय सरवन कुमार और गोविंद घोष के निर्देशन में पश्चिम बंगाल के 20 कारीगर थीम को मूर्त रूप देने में लगे हैं. 60 ऊंचा, 60 चौडा और 65 फीट लंबे पंडाल का बजट दस लाख रुपया तय किया गया है. बंगाल से आए शिल्पकार तरुण पाल की देख-रेख में प्रतिमाएं गढ़ी जा चुकी है. रंग-रोगन और सजावटी कार्य किए जा रहे हैं. अध्यक्ष नंदन यादव और सचिव इंदरजीत सिंह ने बताया कि इस बार समिति अपना 60वां वार्षिकोत्सव मना रही है. इसके मद्देनजर लगभग 20 लाख रुपया खर्च कर धूमधाम से दुर्गोत्सव मनाने की तैयारी है. इंदरजीत ने बताया कि नवरात्र के पंचतीर तिथि को आम भक्तों के लिए पंडाल के पट खोल दिए जाएंगे.

प्रसिद्ध है महाअष्टमी का भोग

पूजा पंडाल में यूं तो पूजन-आरती के साथ ही हर दिन विशेष भोग मां को निवेदित कर आम भक्तों के बीच बांटा जाता है, लेकिन यहां का महाष्टमी भोग प्रसिद्ध है. जगदंबा को पुष्पांजलि कर प्रसाद पाने को श्रद्धालुओं की कतार लगी रहती है. दोपहर 12 से शाम छह बजे तक भोग बंटता है. प्रसाद रूप में खिचड़ी, सब्जी, खीर आदि का जायका सब के मन भाता है.

नित्य होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

पूजनोत्सव के दौरान नित्य संध्या बेला भजन-संकीर्तन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे. इसमें बच्चे और बढ़े बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभाएंगे. नृत्य-गीत से देर रात तक पूजा स्थल गुलजार रहेगा.

सुरक्षा के रहेंगे पुख्ता इंतजाम

पूजनोत्सव के दौरान दर्शनार्थियों को किसी तरह की अप्रिय घटना का सामना न करना पड़े, इसके लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे. मौके पर समिति के पदाधिकारी और सदस्य मुस्तैद रहेंगे. सुरक्षा गार्डो की तैनाती की जाएगी. साथ ही सीसीटीवी कैमरे से भी सब तरफ नजर रखी जाएगी. मां-बहनो को हरसंभव सहयोग देने के लिए महिला सदस्य भी एकटीव रहेंगी.

गठित समिति

अध्यक्ष नंदन यादव, सचिव इंदरजीत सिंह, कोषाध्यक्ष सोमनाथ बाउरी, कार्यकारी अध्यक्ष रजनीश सिंह, सह सचिव मुकुल प्रसाद, वरीय उपाध्यक्ष चंदन यादव, सह कोषाध्यक्ष चंदन कुमार, अभिषेक सुमित, उपाध्यक्ष शिवा राऊ, प्रखर शर्मा, अभिजीत बाउरी, विवेक सहित बड़ी संख्या में सदस्य बनाए गए हैं, जिनमे महिला सदस्य भी शामिल हैं.

तीस हस्तियों को दिया गया पर्यावरण सेवी सम्मान, वक्ताओं ने कहा

सामाजिक-राजनीतिक प्रदूषण से भी मुक्ति के उपाय खोजने होंगे

संवाददाता रांची

देश को खुशहाल बनाने के लिए न सिर्फ प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण करना होगा बल्कि सामाजिक और राजनीतिक प्रदूषण से भी मुक्ति के उपाय खोजने होंगे. यह विचार रविवार को रांची प्रेस क्लब में सावित्रीबाई सेवा फाउंडेशन, पुणे और गोदावरी देवी फाउंडेशन, रांची के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राष्ट्रीय पर्यावरण सेवी सम्मान समारोह में विभिन्न वक्ताओं के भाषण का सारांश रहा. इस समारोह में पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने वाली तीस हस्तियों को सामाजिक और प्राकृतिक पर्यावरण संरक्षण के मसीहा अनुपम मिश्र की याद में राष्ट्रीय पर्यावरण सेवी सम्मान से सम्मानित किया गया. इन हस्तियों ने बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, दिल्ली, मध्य प्रदेश आदि राज्यों में पर्यावरण संरक्षण के लिए उल्लेखनीय कार्य किये हैं.

वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि देश के प्राकृतिक, सामाजिक और राजनीतिक पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए देशवासियों को सरकार के भरोसे में रहने की जरूरत नहीं, बल्कि उनको अपने ही बलबूते लोक ज्ञान को अपना कर अपनी जीवनशैली को बदलने की दिशा में आगे बढ़ना होगा. लोकशक्ति को खड़ा कर उन ताकतों को ध्वस्त करने के लिए अपनी कारगर पहल करनी होगी, जो अपने लाभ के लिए पर्यावरण की बिगाड़ने में जुटे हुए हैं.

वक्ताओं ने चिंता व्यक्त की कि मुनाफे के लिए विनाशकारी ताकतों ने हमारे जंगल को तहस-नहस कर दिया. देश की नदियों को प्रदूषित कर दिया है और बिना दुष्परिणाम के बारे सोचे हमने प्लास्टिक का उपयोग इतना व्यापक कर लिया है कि भारत आज दुनिया भर में सभी देशों के मुकाबले प्लास्टिक के कूड़े कचरों के उत्पादन करने वाले पहले नंबर के देश के रूप में शुमार किया जाने लगा है.

पर्यावरण सेवी को सम्मानित करते समारोह के मुख्य अतिथि राजेश ठाकुर.

पर्यावरण के लिए जो पहल करनी है तत्काल करें : अंजुला

सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, गंगा मुक्ति आंदोलन के प्रवर्तक अनिल प्रकाश थे. दो सत्रों में आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता शिक्षाविद् डा. अजय सिन्हा और वरिष्ठ पत्रकार अशोक वर्मा ने की. वक्ताओं में सुरेश भाई, प्रमोद झिंझाडे, डॉ. योगेंद्र, निर्भय सिंह, वशिष्ठ राय वशिष्ठ, डॉ. नवीन कुमार झा, अलका योगेंद्र, बिन्नी, अशोक कुमार, आनंद जी, कुमार कृष्णन और राकेश कुमार आदि थे. अतिथियों का स्वागत करते हुए गोदावरी देवी फाउंडेशन की महासचिव अंजुला झा राय ने कहा कि आज यह कार्यक्रम यह संदेश देने के लिए आयोजित किया जा रहा है कि हमने अपने देश के प्राकृतिक, सामाजिक और राजनैतिक पर्यावरण का इतना नुकसान कर दिया है, जिससे उबरने में सदियों लग जायेंगी. जो भी पहल करनी है उसे शुरू करें और तब तक करते रहें जब तक हम लक्ष्य को हासिल न कर लें. कार्यक्रम का संचालन सावित्री बाई सेवा फाउंडेशन, पुणे के अध्यक्ष प्रसून लतांत और डॉ. सुधीर मंडल ने किया. समारोह में प्लास्टिक से मुक्ति, विधवा प्रथा उन्मूलन, पौधा रोपण, बच्चों को सही पाठ पढ़ाने और आम जनता को जगाने और उन्हें सशक्त लोकशक्ति के रूप में तैयार करने की जरूरत जताई गई.

चुनाव क्विज -2024 की ऑनलाइन परीक्षा पुनः 2 अक्टूबर को होगी

रांची। झारखंड राज्य के लिए चुनाव क्विज़ - 2024 की ऑनलाइन परीक्षा का आयोजन मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय द्वारा 29 सितंबर को किया गया था. यह परीक्षा पंजीकृत प्रतिभागियों के लिए सुबह 9 से 9:30 बजे के मध्य लॉगिन के साथ शुरू होनी थी. लेकिन कुछ तकनीकी खामियों के कारण कई प्रतिभागियों को लॉगिन में कठिनाईयां आईं जिस कारण वे अपनी परीक्षा पूरी नहीं हो सकी. हालांकि बाद में तकनीकी कमी को दूर कर लिया गया, लेकिन तब तक कई प्रतिभागी अपनी परीक्षा पूरी करने से वंचित रह गए. इसके लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने चुनाव क्विज़ - 2024 की ऑनलाइन परीक्षा का पुनः आयोजन 2 अक्टूबर को कराने का निर्णय लिया है, ताकि सभी प्रतिभागियों को समान अवसर प्राप्त हो सके.

ब्रह्मज्ञान से दूर होगा जात-पात का भेद : शर्मा

रांची। संत निरंकारी मिशन आश्रम बुध विहार अरगोड़ा में रविवार को सत्संग हुआ. इसमें स्थानीय और आस-पास से आयी बड़ी संख्या में निरंकारियों ने हिस्सा लिया. अनुयायियों ने जहां भजन प्रस्तुत कर सद्गुरु के श्रीचरणों में श्रद्धा अर्पित की, वहीं कोलकाता से आए महात्मा मदन मोहन शर्मा ने ज्ञान-ध्यान के साथ जीवनोपयोगी बातें बतायीं. कहा कि वर्तमान समय में मानव जात-पात के बंधन में जकड़ा है. मोबाइल और सोशल मीडिया का भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका है, लेकिन ब्रह्मज्ञानी बन इन सब से छुटकारा पाया जा सकता है. जैसी दृष्टि वैसी सृष्टि. नजर बदलते ही नजारे भी बदल जाएंगे. सकारात्मक दृष्टि और समभाव से देखना प्रारंभ कर दें, सूरत स्वतः बदल जाएगी.

अग्रसेन जयंती पर हुई विविध प्रतियोगिताएं

रांची। अग्रसेन भवन में रविवार को अग्रवाल सभा के 48वें अग्रसेन जयंती महोत्सव पर बच्चों के बीच विविध प्रतियोगिताएं हुई. दिन के 11 बजे इसका उद्घाटन अध्यक्ष प्रमोद अग्रवाल, मंत्री अनिल अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष ओमप्रकाश प्रणव, नंदकिशोर पाटोदिया ने किया. इसके बाद बड़ी संख्या में नन्हें-मुन्नो ने आओ सुनाएं एक कहानी, एकल नृत्य, समूह नृत्य और फैंसी ड्रेस में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया. रूपा अग्रवाल , रीना सुरेखा, मंजू केडिया, विनीता सिंघानिया , उर्मिला पड़िया, पद्मा बंका, अनुसूया नेवटिया, प्रीति पोद्दार ,सीमा टाटिया, साक्षी केजरीवाल, ललिता नारसरिया, सुनीता सरावगी, नेहा तुलस्यान, शिखा बिरला, संध्या कटारुका, शोभा नारसरिया, प्रीति बंका, प्रीति फोगला, बबीता नारसरिया, संगीता गोयल, निर्मल बुधिया ने योगदान दिया.

एनजीओ द लेजेंड ऑफ युवा का जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

कार्यक्रम में सदस्याओं के साथ मुख्य अतिथि आदित्य विक्रम जायसवाल.

संवाददाता ।रांची

एनजीओ द लेजेंड ऑफ युवा द्वारा रविवार को जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिला सशक्तीकरण, रोजगार प्रशिक्षण, महिला शिक्षा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर आधारित विषयों पर चर्चा कर महिलाओं को जागरूक किया गया. कार्यक्रम में ऑल इंडिया प्रोफेशनल कांग्रेस के झारखंड के प्रदेश अध्यक्ष आदित्य विक्रम जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. जिन्होंने संस्था द्वारा महिलाओं के लिए निःशुल्क रोजगार प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने में सहयोग करने का आश्वासन दिया. कहा कि महिलाओं के विकास के लिए किसी भी तरह के काम में उनका पूर्ण सहयोग व समर्थन होगा. कार्यक्रम की आयोजन सीमा मिश्रा की देखरेख में किया गया, जिसका संचालक सुधा कुमारी ने किया. सीमा मिश्रा ने कहा कि हमारी संस्था ने महिला विकास के लिए बहुत से कार्य किए हैं और आगे भी इसी तरह के कार्य करती रहेगी. मौके पर सरिता देवी, मेनका सिंह आदि महिलाओं ने अपने विचार रखे.

डॉ शेरान और इरशाद की जोड़ी बनी बैडमिंटन टूर्नामेंट में चैंपियन

संवाददाता। रांची

खिताब के प्रबल दावेदार युवा जोड़ी डॉ. शेरान अली और उनके पार्टनर मो इरशाद के जुझारूपन और अंतिम समय तक प्रतिद्वंद्वी का सामना करने के माद्दा ने उन्हें चौथा राहत इंदौरी मेमोरियल बैडमिंटन टूर्नामेंट का चैंपियन बना दिया. जहां विजेता जोड़ी अपने प्रतिद्वंदी मो मीर और यूनुस खान को कड़े संघर्ष में हरा दिया, डॉ शेरान अपने जोड़ीदार के साथ खेलते हुए पहला सेट अपने नाम किया. वहीं दूसरे सेट में मो मीर और यूनुस की जोड़ी पलटवार करते हुए मैच 1/1 की बराबरी में ले आए. तीसरे और निर्णायक सेट में मो मीर की जोड़ी लगातार अंक लेकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर अपनी बढ़त 17 के मुकाबले 19 कर दिया, लेकिन एक चूक ने मो मीर की जोड़ी को चैंपियन की दौड़ से बाहर कर दिया और डॉ शेरान और उनके पार्टनर ने जुझारू खेल का प्रदर्शन कर ट्रॉफी अपने नाम किया. इसके पूर्व फाइनल मैच के मुख्य अतिथि हज कमिटी के पूर्व चेयरमैन मंजूर अहमद अंसारी और विशिष्ट अतिथि रौशन लाल भाटिया का स्वागत मॉर्निंग ग्रुप के मुख्य सरपरस्त मो. हलीमुद्दीन और अध्यक्ष अकिल उर रहमान ने किया. इस मौके पर मंजूर अहमद अंसारी ने कहा कि इस तरह की खेल भावना समाज में भाईचारगी और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देता है. मौके पर पूर्व क्रिकेटर मन्नान सिद्दीकी, शाह उमैर,टीम कुतुब के सोहैल गद्दी,समाज सेवी मुख्तार अहमद,औरंगज़ेब खान,शमी आज़ाद,पूर्व विधायक जय प्रकाश गुप्ता,,इक़बाल अंसारी मौजूद थे.

डॉ. शेरान अली को ट्रॉफी प्रदान करते हुए मुख्य अतिथि मंजूर अहमद अंसारी.

भारतीय वुशु दल ने चीन -ईरान को हरा जीते दो गोल्ड समेत सात पदक

संवाददाता ।रांची

22 से 30 तक सितंबर तक ब्रूनेई में सम्पन्न हुए 9 वीं जूनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 7 पदक जीते. यह पहला अवसर रहा जबकि भारतीय खिलाड़ी आर्यन ने 48 किलो भार वर्ग में चीन के खिलाड़ी को मात देकर गोल्ड मेडल पर कब्जा किया. वही भारत के शौर्य ने ईरान के खिलाड़ी को हराकर गोल्ड जीता. जबकि तानिश नागर को 56 किलो वर्ग में उजबेकिस्तान के खिलाडी से, अभिजीत को 60 किलो वर्ग में अल्जेरिया के खिलाडी से, दिव्यांशी को 60 किलो महिला वर्ग में ईरान के खिलाडी से, युवराज को 42 किलो भार वर्ग में कजाखस्तान के खिलाडी से हार का सामना करना पड़ा. साथ ही भारत के नांग मिंगबी बोरफूकान ने ताऊलु जियांशु सी ग्रुप में सिल्वर मेडल जीता. बता दें इस प्रतियोगिता में भारत के 24 सदस्यीय दल ने भाग लिया था. जिसमें 2 गोल्ड, 1 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज के साथ जीते कुल 7 पदक हासिल किए.

संगठन

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह का समापन

खरीदारी में समझदारी जागरूक ग्राहक का मूल मंत्र : सबनीश

संवाददाता। रांची

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिनकर सबनीस ने कहा कि खरीदारी में समझदारी ग्राहक का मूल मंत्र होना चाहिए. वे यहां श्रीराणी सती मंदिर के प्रांगण में आयोजित पंचायत की प्रांतीय बैठक सह स्वर्ण जयंती वर्ष के समारोप समारोह को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने ब्रांड के नाम पर हो रही लूट पर विचार व्यक्त किया.साथ ही एमआरपी को एक धोखा बताते हुए इसके लिए एक पॉलिसी बनाने पर जोर दिया. उन्होंने विकास मॉडल पर चर्चा करते हुए कहा कि इस मॉडल के सहारे हम विकसित तो हो सकते हैं, महान नहीं हो सकते हैं .हमें नैतिक रूप से विकसित होना होगा.

ग्राहक पंचायत के स्वर्ण जयंती वर्ष समारोह में मंच पर विराजमान अतिथि गण.

पंचायत के दो दिवसीय समारोह के दूसरे दिन तीन सत्रों का आयोजन हुआ. संगठन मंत्री शिवाजी क्रांति ने संगठन की आगामी योजना एवं कार्य विस्तार के साथ वार्षिक कैलेंडर के बारे में जानकारी दी. दूसरे सत्र में सभी जिला के सदस्यों ने समूह बनाकर कार्य योजना के बारे में आपसी विचार-विमर्श किया और उसके बाद उन्होंने सभा के समक्ष अपनी आगामी कार्य योजना की प्रस्तुति भी की. तीसरे सत्र में सभी सहभागी कार्यकर्ताओं ने अपने अनुभव बताए. इस सत्र के बाद समारोप कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसका संचालन प्रांत पर्यावरण आयाम प्रमुख डॉ अनीता शर्मा जी ने किया. समारोप कार्यक्रम के शुभारंभ रांची महिला आयाम प्रमुख स्नेहा ने सभी अतिथियों को तिलक लगाकर किया. समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार बलबीर दत्त ने की. उन्होंने कहा कि नैतिक बल समाज में बहुत जरूरी है. सिर्फ कानून से ग्राहकों की रक्षा नहीं की जा सकती. उन्होंने कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया कि जागो सरकार जागो का नारा आज की तारीख में ज्यादा संभावनाओं से भरा है. जागो ग्राहक जागो की जगह हमें जागो सरकार जागो का नारा देना चाहिए. समारोह में समिति अध्यक्ष के तौर पर पद्मश्री छुटनी महतो तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर प्रसिद्ध संगीत शिक्षिका मोइत्री बनर्जी उपस्थित थीं. सत्र के आरंभ में डॉली परिहार ने ग्राहक गीत प्रस्तुत किया. मंचासीन अतिथियों द्वारा दीप का प्रज्वलन किया गया. विधि आयाम प्रमुख रवि प्रकाश सिंह ने संगठन मंत्र का उच्चारण किया. अतिथियों का परिचय सह स्वागत प्रांत उपाध्यक्ष ऐंजिल उपाध्याय ने किया, जबकि डॉ. अनीता शर्मा जी ने आयोजन का वृत्त निवेदन प्रस्तुत किया. धन्यवाद ज्ञापन पंचायत के प्रांतीय उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता ने किया.

आदिवासी रीति रिवाज को लेकर विशेष प्रशिक्षण

संवाददाता। रांची

हिनु स्थित पोखर टोली में राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के बैनर आदिवासी रीति रिवाज को लेकर रविवार को विशेष ट्रेनिंग आयोजित की गई. इसमें रांची के दर्जनों गांव के सरना धर्मावलंबी शामिल हुए. मुख्य अतिथि राजी पड़हा, प्रार्थना सभा के संरक्षक अजय तिर्की, राष्ट्रीय महासचिव जलेश्वर उरांव, सामाजिक कार्यकर्ता नूतन कच्छप, लोहरदगा जिला समिति से सोमदेव उरांव, बिरसा उरांव, पवन बारला, गोयना कच्छप, खूंटी जिला धर्म गुरु बिरसा मुंडा शामिल हुए. कार्यक्रम की शुरुआत सरना प्रार्थना से हुई. इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव जलेश्वरउरांव ने कहा कि दस राज्यों में आदिवासी समाज की सामाजिक व्यवस्था है. आदिवासी समाज अनुसूचित क्षेत्रों में रहता है. संविधान की धारा 244 में लिखा गया है. आदिवासी दर्शन को बचाना होगा. आज आदिवासी दर्शन को भूलने वाले लोग ही अपनी मूल पहचान भूल रहे हैं. शुरू से आदिवासी समाज वैज्ञानिक पद्धति से परिपूर्ण था. इसलिए एक सप्ताह को सात दिन में बांटा है. इसी पद्धति से आदिवासी समाज के लोग का नामकरण हुआ. इसके साथ ही सामाजिक जमीन के बारे में भी बताया. राजी पड़हा सरना प्रार्थना सभा के संरक्षक अजय तिर्की ने कहा कि आदिवासी समाज प्रकृति पूजक हैं. जैसे जैसे आदिवासी समाज खेती बाड़ी करता है,वैसे वैसे इसका पर्व त्यौहार भी आता है. प्रकृति से ही सारा संसार चलता है. आदिवासी ही देश का असली मालिक है. देश का पहला पुत्र है. जब देश में जाति धर्म नहीं था. उस समय से आदिवासी समाज है. अधिकार को लेने के लिए धर्म के साथ पढ़ना होगा.

कोलकर्मियों को दुर्गा पूजा पर मिलेगा ₹93,750 बोनस

संवाददाता। रांची

- प्रबंधन और यूनियन में हुई सहमति, 9 अक्टूबर या उससे पहले भुगतान
- ठेका मजदूरों को भी 8.33% की दर से बोनस मिलेगा

कोल इंडिया और उसकी सहायक कंपनियों में कार्यरत कोयला कामगारों के लिए बड़ी खुशखबरी है. इस बार पूजा के अवसर पर उन्हे बंपर बोनस मिलगा. कोल इंडया प्रबंधन और यूनियन के बीच इस पर सहमित बन चुकी है. इसके अनुसार, कोयला कर्मियों को दुर्गा पूजा के मौके पर 93 हजार 750 रुपये बोनस मिलेगा. कोल इंडिया के नई दिल्ली स्थित ऑफिस में रविवार को हुई बैठक में इसपर सहमति बनी, बोनस का भुगतान 9 अक्टूबर या उससे पहले ही हो जाएगा. इससे करीब 2.50 लाख कोयला कामगार लाभान्वित होंगे. ठेका मजदूरों को भी 8.33% की दर से बोनस की राशि का भुगतान दीपावली के पहले कर दिया जाएगा.

नई दिल्ली स्थित कोल इंडिया के कार्यालय में हुई जेबीसीसीआई-XI मानकीकरण समिति की तीसरी बैठक में वर्ष 2023-24 के लिए बोनस भुगतान पर बातचीत हुई. कोयला कामागारों का प्रतिनिदित्व करनेवाली यूनियन की ओर से बोनस को लेकर जोरदार ढंग से तर्लेक के साथ मांग रखी गयी. मांगी गयी बोनस की राशि को लेकर यीनियन की ओर से तर्क भी दिए गए. प्रबंदन को बताया गया क्यों कामगारों के लिए सम्मानजनक बोनस राशि मांगी जा रही है. लंबी चर्चा के बाद वर्ष 2023-24 के दौरान समग्र प्रदर्शन को ध्यान में रखते हुए सर्वसम्मति से सहमति बनी है कि 93,750 रुपये बोनस दिया जाए. इस पर यीनियन नेताओं ने भी हामी भरी.

पिछले साल से 8750 रुपये ज्यादा बोनस मिलेगा : कोल इंडिया, उसकी सहायक कंपनियों के साथ-साथ एससीसीएल के कामगारों को भी बोनस का भुगतान किया जाएगा. बोनस मद की राशि का भुगतान 9 या उससे पहले आनुपातिक आधार पर कर दिया जाएगा. एससीसीएल के मामले में बोनस मद की राशि के भुगतान की तारीख उक्त कंपनी प्रबंधन द्वारा ही तय की जा सकती है. ज्ञात हो कि पिछले साल कोयला कामगारों को 85,000 रुपये बोनस दिया गया था. कंपनी को हुए लाभ को देखते हुए कामगारों को भरोसा ही नहीं पूरी उम्मीद थी कि इस बार एक लाख रुपये से अधिक का बोनस का भुगतान किया जाएगा.

जानिए किस साल कितना बोनस मिला है कोयलाकर्मियों को

वर्ष	बोनस (रुपये में)
2007	6,000
2008	8,350
2009	10,000
2010	15,000
2011	21,000
2012	26,500
2013	31,500
2014	40,000
2015	48,500
2016	54,000
2017	57,000
2018	60,500
2019	64,700
2020	68,500
2021	72,500
2022	76,500
2023	85,000
2024	**93,750**

कोयला लोड करने आए ट्रक में लगी आग, मची भगदड़

संवाददाता। डकरा

मोहन नगर में रविवार की सुबह अचानक कोयला लोड करने आए एक खड़े ट्रक में शार्ट सर्किट अचानक आग लग गई. चालक वीरेंद्र चौहान ने बताया कि ट्रक को कांटा करा कर स्टॉक में कोयला लोड करने के लिए खड़ा कर रखा था और वह खुद ट्रक से नीचे उतरकर अन्य चालकों के साथ बातचीत कर रहा था. इसी बीच सुबह लगभग 10 बजे अचानक में शार्ट सर्किट से ट्रक के केबिन में आग लग गई. देखते ही देखते आग ने गंभीर रूप धारण कर लिया. इसके बाद लोगों ने जानकारी सीसीएल प्रबंधन को दी. रेस्क्यू माइंस फायरब्रिगेड कर्मी आकर जलती ट्रक पर काबू पाया. चालक ने बताया कि आग लगी से केबिन पूरी तरह जल गया है. अगलगी में ट्रक के केबिन में रखा कुछ सामान व कागजात जल गए. घटना की जानकारी वाहन मालिक को भी दे दिया गया है.

ब्रीफ खबरें

कमड़े में घर के बाहर से बोलोरो की चोरी

रातू। रातू थाना क्षेत्र के वृंदावन कॉलोनी रोड नंबर 1 कमरे थाना रातू निवासी आशुतोष कान्त सिंह सिंह ने रातू थाना में आवेदन देकर उनकी महिंद्रा बोलेरो की शनिवार रात्रि में उनके आवास से चाहरदीवारी के दरवाजे का ताला तोड़कर चोरी हो जाने से बाबत प्रस्तुति दर्ज कराई है. आवेदन में उन्होंने कहा है कि शनिवार की रात्रि 11:00 बजे सुबह अपने घर में बोलेरो को खड़ा करके सोने चले गए प्रातः काल 3 बजे जब वह उठे तो देखा की चाहत वाले का गेट खुला है अपने बोलेरो भी गायब है. पुलिस मामले से जांच कर रही है.

विधायक ने किया सड़क का उद्घाटन

रातू। ग्रामीण कार्य विकास विभाग द्वारा ग्राम सड़क सुदृढीकरण योजनायोजना अंतर्गत रातू उत्तरी पंचायत में प्राथमिक विद्यालय झखडाटांड़ से टीपूटोला भाया फेटा ग्राम तक (कुल लंबाई 3.5 किलोमीटर) सड़क सुदृढीकरण कार्य का शिलान्यास रविवार को स्थानीय विधायक नवीन जायसवाल ने किया .मौके पर रात उत्तरी पंचायत के मुखिया महेश्वरी देवी,संजय मुंडा, सुबोध साहू, जेम्स बांन खलखो, रूपेश गोप, दिलबोधन साहू, मोहन साहू, रमेश साहू आदि मौजूद थे.

रातू में एक ही रात दो घरों में हुई चोरी

रातू। थाना क्षेत्र के मेरियाटाड में शनिवार की रात शांति मनि देवी और विजय उंराव के घरों का ताला तोड़ कर चोरी कर ली. एक ही रात दो घरों में चोरी की घटना को अंजाम दिया है.शांति मनि के घर से 25 हजार, बिछीया,पायल,सोना का झुमका अलमारी तोड़ कर चोरी कर ली.विजय उंराव के घर में चोरी का प्रयास किया गया.मगर कुछ हासिल नहीं कर पाया. रातू पुलिस को सुचना दे दी गयी है. रातू थाना प्रभारी ने बताया कि लिखित शिकायत मिलने के बाद जांच कर कार्रवाई की जायेगी.

कार और बाइक की टक्कर में चार घायल

इटकी। थाना क्षेत्र के एनएच 23 रांची गुमला मुख्य मार्ग पर पलमा पेट्रोल पंप के समीप रविवार को सुबह में करीब छह बजे फॉर्च्यूनर कार ने बाइक सवार को टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार बब्लू महतो उसकी पत्नी शोभा कुमारी व दोनो बच्चे दिव्यांश 5 वर्ष व एक बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गए. घायल दंपति बाजपुर से बेड़ो जारहे थे. इसी क्रम में बेड़ो से रांची की ओर रॉन्ग साइड से जा रही फॉर्च्यूनर कार डिवाइडर से टकराकर बाइक सवार को टक्कर मार दी. जिससे दंपति बुरी तरह घायल हो गए. स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से घायलों को बेड़ो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया. जहां से घायलों को रांची के एक अस्पताल भेजा गया. एक बच्चे की हालत नाजुक बताई जा रही है.

सबमर्सिबल चोर को पकड़ा,पुलिस को सौंपा

रातू। थाना क्षेत्र के लहना में सबमर्सिबल चकी चोरी से लोग परेशान हैं. अब तक कृषि कार्य के लिये खेतों में लगे 60 से अधिक सबमर्सिबल की चोरी हो चुकी है. इससे कृषक परिवार आक्रोशित हैं. शनिवार की शाम सबमर्सिबल बेच रहे गिरोह के एक सदस्य बेलांगी निवासी अभिषेक तिग्गा को ग्रामीणों ने घर दबोचा. उसे रात भर बंधक बना कर पिटाई करने के बाद रविवार की सुबह थाने के हवाले कर दिया.

सदानों ने सरकार और राजनीतिक दलों को चेताया, कहा

सदानों की उपेक्षा बंद हो

- सदान अपनी उपेक्षा के लिए खुद ही जिम्मेवार
- 112 प्रखंडों में उनके हिस्से में सिर्फ हवा और पानी : राजेंद्र प्रसाद

संवाददाता। बेड़ो

एकजुटता प्रदर्शित करते मूलवासी सदान मोर्चा के पदाधिकारी.

झारखंड में विधानसभा का चुनाव दस्तक दे रहा है.सदानों को निर्णय करने का वक्त है. मूलवासी सदान मोर्चा चुनाव के पूर्व एक व्यापक जन जागरण अभियान चला रहा है और झारखंड के लोगों के बीच जाकर अपने हक के संबंध में बता रहा है. जो भी पार्टी सदानों के हित की बात करेगी, उसी के पक्ष में एकजुट होकर जाति -धर्म से ऊपर उठकर वोट करने के लिए प्रेरित कर रहा है. ये बातें मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद ने बेड़ो के महादानी मैदान में मूलवासी सदानों की ओर से आयोजित विधानसभा चुनाव में सदानों के निर्णायक भूमिका विषयक विचार गोष्ठी में कहीं. कहा कि प्रत्येक विधानसभा में एक ग्रुप का गठन किया जा रहा है, जो हर बूथ पर पहुंच कर सदानों को प्रेरित करेगा कि सदानों के हित में बात करनेवाली पार्टी को ही वोट करें. अध्यक्ष ने कहा कि सदान अपनी उपेक्षा के लिए स्वयं जिम्मेवार हैं. यदि नहीं चेते तो कश्मीरी पंडितों जैसी हालत हो जाएगीं. कहा 112 प्रखंडों में सदान कभी मुखिया, प्रमुख, जिला परिषद अध्यक्ष, सांसद और विधायक नहीं बन सकते हैं. ऐसे में इन 112 प्रखंडों में राजनीतिक दलों के पिछलग्गू बने रहने से सदानों को कोई फायदा नहीं होगा. वोट की ताकत से ही अधिकार मिलेगा. प्रसाद ने कहा इन 112 प्रखंडों में सदानों के हिस्से में सिर्फ हवा और पानी है. सरकार और राजनीतिक दलों को चेताते हुए कहा सदानों की उपेक्षा बंद होनी चाहिए, सरकार मणिपुर की घटनाओं से सबक ले.

मुख्य सलाहकार व झारखंड आंदोलनकारी क्षितिश कुमार राय ने कहा कि झारखंड के राजनीतिक दल मुख्य रूप से भाजपा जेएमएम और कांग्रेस सदानों के लिए संघर्ष करने वालों को उचित प्रतिनिधित्व दें. मूलवासी सदानों में झारखंड के वैसे लोग आते हैं, जो इस राज्य में सैंकड़ों बरसों से रहते आए हैं ,जिनकी कोई न कोई क्षेत्रीय भाषा है. जो यहां के रीति -रिवाज का पालन सामूहिक रूप से करते हैं. इसमे धर्म कभी आड़े नहीं आता है. गांवों में एक- दूसरे को नाम से नहीं बल्कि रिश्ता से बुलाते हैं .

धनंजय कुमार ने कहा कि झारखंड के कुल वोटरों का 65% सदानों का है. यदि सदान एकजुट हो जायेंगे तो सत्ता सदानों की होगी. विश्वनाथ गोप ने कहा कि राजेंद्र प्रसाद ने सदानों के लिए बड़ा संघर्ष और त्याग किया है.सभी से उनके साथ खड़े रहने की अपील की. मुमताज खान ने कहा कि सदानों के साथ अंग्रेजों के शासनकाल में भी इतना शोषण और अत्याचार नहीं हुआ था, जो आजाद भारत में हो रहा है. गोष्ठी में नवदीप महतो, सुशील साहू, श्रीमती शांति देवी, कोरेश मिर्धा, ने भी अपने अपने विचार रखे. मौके पर नवल किशोर सिंह, धनंजय महतो, बसंती देवी, सरिता देवी, सुषमा देवी, सुदर्शन ठाकुर, गोरी शंकर साहू, मुरारी पांडे, राधेश्याम सिंह, रशीद मीर हुसैन अंसारी, आनंद सुरेश महतो, दिलीप सोनी, सुदेश महतो उपस्थित थे. गोष्ठी के बाद बेड़ो प्रखंड मूलवासी सदान मोर्चा बेड़ो प्रखंड का गठन किया गया. सर्सवम्मति से संरक्षक क्षितीश कुमार राय को चुना गया.

बेड़ो प्रखंड मूलवासी सदान मोर्चा बेड़ो प्रखंड का गठन

अध्यक्ष – धनंजय कुमार राय, उपाध्यक्ष मुमताज खान, नवदीप महतो, बसंती देवी,कोरेश मीरदाहा, महासचिव – विश्वनाथ गोप, नवल किशोर सिंह, धनंजय महतो, सचिव –सुरेश महतो, रशीद मीर, सुरेंद्र महतो, कोषाध्यक्ष – सुशील कुमार साहू, मीडिया प्रभारी मुरारी पांडे चुने गये . इसके अलावा 21 लोगों को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है . इनमें राधेश्याम सिंह, सरिता देवी, सुषमा देवी, महानंद सिंह, दिलीप सोनी, हुसैन अंसारी,बंदे महतो, गोरी शंकर साहू, मोहन शेखर, राम लखन सिंह, आदित्य गिरी, उपेन्द्र गिरी,जय प्रकाश सिंह आदि शामिल हैं .

नामकुम में झारखंड लोकतंत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने की बैठक

नामकुम। प्रखंड के रामपुर आर्या स्टील मास्टर होटल में झारखंड लोकतंत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का बैठक प्रकाश लकड़ा की अध्यक्षता में किया गया. जिसमें 23 पंचायत के लोग उपस्थित हुए लोगों को पार्टी का नीति सिद्धांत से अवगत किया गया . श्री लकड़ा ने बताया झारखंड जब से बना है तब से झारखंड में ना तो स्थानीय नीति ना नियोजन नीति ही बन पायी है . झारखंड में सभी पार्टी केवल जनता को छलने का काम किया है. झारखंड लोकतंत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा झारखंड को सजाने और यहां के लोगों के हक अधिकार और झारखंड की माटी को बचाने के लिए वचन बद्ध है. मौके पर आलोक उरांव, प्रवीण माहतो, गजेन्द्र माहतो, लखींद्र माहतो, बिमल माहतो, समेत दर्जनों लोग मौजूद रहें.

मुआवजे की मांग को ले रैयतों ने रिंग रोड का काम रोका

अनगड़ा। थाना क्षेत्र की चतरा पंचायत के रैयतों ने मुआवजा नहीं मिलने पर रविवार को रिंग रोड स्थित एनएच 33 का काम बैरियर लगाकर रुकवा दिया. रैयत नागेश्वर मुंडा, कंदरू मुंडा, मेघनाथ महतो, जगबंधु महतो और दुर्गा महतो ने बताया कि उनकी अधिग्रहित भूमि का मुआवजा नहीं मिला है. अधिग्रहित भूमि की सीमा के बाहर सड़क का विस्तार कार्य किया जा रहा था जिसे रैयत और ग्रामीणों ने बैरियर लगाकर बंद करा दिया. मुआवजा भुगतान के लिए आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर कागजात सालों पहले कार्यालय में जमा किया जा चुका है. लेकिन भू-अर्जन विभाग के अधिकारी भुगतान नहीं कर रहे. ग्रामीणों ने विभाग को चेतावनी दी है कि जब तक भुगतान नहीं होगा कार्य बाधित रहेगा.

न्यूज अपडेट

डबल इंजन का लाभ लोगों को नहीं मिला : विधायक

बुंडू। डबल इंजन की सरकार राज्य में बनी लेकिन इसका लाभ लोगों को नहीं मिली . सकारात्मक सोंच के साथ जुड़ें, सबों का साथ रहेगा तो हम और बेहतर ढंग से काम कर सकेंगे. उक्त बातें झामुमो विधायक विकास कुमार मुंडा ने कही. वे रविवार को बुंडू में एनएच 33 के किनारे और गोंसाइडीह के निकट स्थित अपने नये मकान और पार्टी कार्यालय में आयोजित मिलन समारोह में बोल रहे थे. कार्यक्रम में तमाड़ विधान सभा क्षेत्र के लगभग 200 सेभी ज्यादा विभिन्न पार्टियों के पदाधिकारी, मुखिया, वार्ड मेम्बर और सक्रिय सदस्यों ने अपनी पार्टी छोड़कर झामुमो की सदस्यता ग्रहण की. जिसे विधायक विकास कुमार मुंडा ने माला पहनाकर उनक झामुमो में स्वागत किया. मौके पर कमलेश्वर मुंडा, धनंजय महतो, शशिभूषण मुंडा, पूर्व प्रमुख शिवनाथ मुंडा,भोलानाथ साहू, प्रदीप मुंडा इत्यादि शामिल थे.

भालू ने महिला पर हमला किया, घायल

लापुंग। लापुंग थाना क्षेत्र के दोलैचा पंचायत के डिम्बा बनटोली गांव में रविवार की सुबह भैस चराने के दौरान जंगल में भालू ने बुधनी उराईन के ऊपर अचानक हमला कर दिया. भालू झाड़ियों से निकलकर दौडा कर बुधनी उराईन के कंधा तथा बांह में बुरी तरह से काटा. घायल महिला के हल्ला गुल्ला करने पर जंगल में गाय बैल चला रहे उसके परिवार वाले एवं अन्य लोग वहां पहुंचे . मिलकर जंगली भालू को खदेड़ा. जंगली भालू के साथ उसके दो बच्चे भी थे. बाद मे ग्रामीणों ने घायल महिला को अपनी बाइक से लापुंग स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाए . प्राथमिक उपचार करने के बाद जख्म ज्यादा होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र से रिम्स रेफर किया गया. बुधनी उराईन के परिवार वालों ने घटना की जानकारी कांग्रेस के युवा अध्यक्ष जन्मेजय पाठक को दी .

केडीएच साइडिंग में कोयला खाली मालगाड़ी हुई डीरेल

डकरा। केडीएच रेलवे साइडिंग के कोयला लोड करने आए रेलवे रैक शनिवार की शाम 6 के करीब साइडिंग के समीप ही पटरी से पहिया उतर डीरेल हो गया. इस इस घटना में रैक के दो बोगी के पहिए डब्बे से अलग हो गए. जिससे दो बोगी आपस में भिड़ गए. साइडिंग में डिटेल होने से सीसीएल का कोयला डिस्पैच नहीं हो सका. बताया जाता कि इन दोनों केडीएच रेलवे सेटिंग में नई पटरी बिछाने का कार्य चल रहा है. वही केडीएच परियोजना के साइडिंग की देखभाल करने वाले अधिकारी ने बताया कि रेलवे विभाग के द्वारा रविवार शाम तक लाइन क्लियर कर दिया गया है.

मोहब्बत से समाज और देश की तरक्की : मौलाना मिर्जा

रांची। आपसी नफरत को छोड़कर समाज की तरक्की के लिए सोचना और देश को विकासित करना हर भारतीय की जिम्मेदारी है. उक्त बातें ऑल इंडिया शिया पर्सनल लॉ बोर्ड के जनरल सेक्रेटरी मौलाना मिर्जा यासूब अब्बास ने कही. वह रविवार को मस्जिद जाफरिया में दिवंगत पत्रकार सैयद आमिर हुसैन रिजवी की पहली बरसी पर जिक्र आले रसूल को संबोधित कर रहे थे.

पहाड़ी मंदिर के लिए फंड मिलने से उत्साहित हैं समितियां

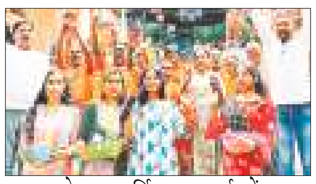

रांची। पहाड़ी मंदिर के पुनर्विकास के लिए फंड की प्रशासनिक स्वीकृति मिलने से मंदिर से जुड़ी समितियां और श्रद्धालु खासे उत्साहित हैं. जल्द ही 06.73 करोड़ रुपए की लागत से मंदिर का कायाकल्प होगा. पुनर्विकास कार्य में 4.24 करोड़,गार्ड वॉल और बाउंड्री वॉल निर्माण में 2.48 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे. समय-समय पर सरकार और प्रशासन से मंदिर के उद्धार के लिए पहल करने की मांग की जा रही थी. महाशिवरात्रि के दौरान पूर्व सीएम चंपाई सोरेन ने भी आश्वासन दिया था. पहाड़ी मंदिर विकास समिति और श्री शिव बारात आयोजन महासमितिवर्षो का प्रयास रंग लाया, आखिरकार प्रशासनिक अधिकारियों ने इसपर अंतिम मोहर लगा ही दी.

रावण दहन 2024 भव्यतम तरीके से मनेगा : अजमानी

संवाददाता। रांची

पंजाबी हिन्दू बिरादरी की दशहरा कमेटी की बैठक रविवार को सुधीर उग्गल की अध्यक्षता में पंजाबी भवन, लाला लाजपत राय पथ में हुई. बैठक मे दशहरा कमेटी के चेयरमैन कुणाल अजमानी ने कहा कि इस वर्ष रावण दहन समारोह 2024 को मोरहाबादी मैदान में धूमधाम और भव्यतम तरीके से मनाया जायेगा. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन होगे. इस वर्ष रावण दहन और भी भव्य रूप से मनाने के लिए स्थानीय लोक कलाकारों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध कलाकारों द्वारा श्रीराम जी की जीवंत मूर्ति, रावण वध की जीवंत झांकी समेत मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति होगी. पायरो फायर वर्क्स, मुंबई एवं कोलकता की टीम द्वारा भव्य आकाशीय आतिशबाजी का आयोजन किया जायेगा. जो बच्चे अपने परिवार से बिछड़ जाते हैं उनके लिए खोया-पाया काउन्टर बनाया जायेगा. मौके पर राजेश खन्ना, मुकुल तनेजा, अशोक माकन, विनोद माकन, कुणाल अजमानी, आशीष भाटिया, हरगोबिंद गिरधर, चरणजीत मुंजाल, आरके जुल्का, राकेश शर्मा, शिव कुमार स्याल, आदित्य मल्होत्रा, राहुल सेठ, सुमीत कक्कड़ आदि शामिल थे.

इटकी प्रखंड जनप्रतिनिधियों के कारण उपेक्षित है : सन्नी टोप्पो

संवाददाता। इटकी

प्रजातांत्रिक व्यवस्था में जनता सर्वपरि होता है चुनाव में चयनित सांसद विधायक जिप सदस्य प्रमुख मुखिया इकाई का दूरदृष्टि सोंच होना चाहिए उक्त बातें जिला परिषद सदस्य द्वारा पलमा में आयोजित महिला सम्मान सह मिलन समारोह को संबोधित करते हुए भाजपा युवा नेता सन्नी टोप्पो ने कही. उन्होंने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने के 24 वर्ष बाद भी मांडर विधानसभा के इटकी प्रखंड जनप्रतिनिधियों के कारण उपेक्षित है. उन्होंने अबुआ आवास में ढेर सारी विसंगतियां एवं गड़बड़ी बताई. उन्होंने चुनाव में जो क्षेत्र का विकास, शिक्षा, रोजगार जैसे बुनियादी ढांचे को मजबूत करे वैसे जनप्रतिनिधियों को अपना विधायक, सांसद चुने. महिलाओं को संगठित रह कर जनप्रतिनिधियों के चुनाव में बारीकी से निर्णय लेने की आवश्यकता जताई. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जिप सदस्य रीना देवी ने कार्यक्रम की उद्देश्य की जानकारी देते हुए कहा कि यह गैर राजनीतिक कार्यक्रम है जिसमे महिलाओं को सम्मान देकर सशक्तिकरण करने का एक पहल है. इस मौके पर 20 महिला समूह के बीच जिप सदस्य द्वारा दरी का वितरण किया गया. कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत शॉल ओढ़ा, गुलदस्ता भेंट कर स्वागत गान से किया गया. कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजय गोप, इसेश साही, सविता सिंह, शोभा देवी, प्रभा देवी, शीलविया, नुसरत बेगम, हलीमा परवीन, आंगन बाड़ी सेविका, सहायिका, जल सहिया, स्वास्थ्य सहिया, जे एस एल पीएस से जुड़ी महिला समूह की सैकड़ो महिला शामिल थी.

तैयारी वैश्य समाज सर्वज्ञ ने वैश्य समाज के लोगों से गक व अधिकार के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया

वैश्य प्रत्याशियों को तन, मन, धन से सहयोग करेगा वैश्य समाज सर्वज्ञ

संवाददाता। रांची

वैश्य समाज सर्वज्ञ ने वैश्य समाज के लोगों से गक व अधिकार के लिए एकजुट रहने का आह्वान किया है. रविवार के हुई बैठक में वैश्य समाज के विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी विधानसभा चुनाव में वैश्य समाज सर्वज्ञ प्रत्येक विधानसभा में अपने वैश्य समाज के उम्मीदवार का तन,मन और धन से पूर्ण रूप से मदद करेगा. समाज के विभिन्न संगठनों के लोगों ने कहा जिस राजनीति दल से वैस्य समाज के लोगों को प्रत्याशी बनाया जाएगा, उसका समाज के लोग एकजुट होकर समर्तन करेंगे. बैठक में वैश्य समाज से जुड़े वैसे लोगों की चर्चा हुई, जो आगामी विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी में जुटे हैं. वैश्य समाज सर्वज्ञ विभिन्न वैश्य समाज के विभिन्न वर्गों के पदाधिकारियों का एक संगठन है. रविवार को हुई वैश्य समाज सर्वज्ञ की बैठक में सूंढ़ी समाज, जायसवाल समाज, कल्चुरी समाज़, चौधरी समाज, तेली, चौरसिया, कोइरी, दांगी, बरनवाल सहित अन्य समाज के पदाधिकारी मौजूद थे.वैश्य समाज के केंद्रीय अध्यक्ष रमेश कुमार साहू ने कहा कि झारखंड राज्य में जिसकी जितनी आबादी है, उसकी उतनी भागीदारी होनी चाहिए. झारखंड में वैश्य समाज की आबादी 44% है. सुरक्षित सीटों को छोड़कर शेष सीटों पर 18 - 20 वैश्य समाज का विधायक होना चाहिए. वर्तमान में सिर्फ छह विधायक ही विधानसभा में है. पूरे झारखंड से वैश्य समाज के 18 लोगों का विधायक बनाना वैश्य समाज का लक्ष्य है. भारतीय कलचुरी जायसवाल संवर्गीय महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष सुबोध जयसवाल ने बताया कि विगत 20 वर्षों से आदित्य विक्रम जयसवाल सामाजिक कार्यो से जूड़े हुए हैं. इनकी कार्यशैली को देखकर लगता है कि उपयुक्त विधायक साबित होंगे और जो पार्टी इन्हें टिकट देगी.

तेली- साहू पांच जिलों में निर्णायक भूमिका में

झारखंड तैलिक साहू समाज के प्रदेश अध्यक्ष महेश महतो ने कहा कि तेली– साहू की आबादी राज्य में 50 लाख है और पांच जिलों में समाज के लोग पूरी तरह से निर्णायक भूमिका में हैं . इसलिए रांची और हटिया विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व वैश्य समाज को मिलना चाहिए . कलचुरि सेवा संस्थान के अध्यक्ष सूरज प्रसाद जायसवाल ने कहा कि वैश्य समाज के युवा चेहरे को मैदान में उतारा जाना चाहिए . खासकर वैसे लोगों को, जिनकी पारिवारिक पृष्टभूमि समाजसेवा की रही है . जायसवाल कल्याण समिति के महासचिव अरविंद जयसवाल ने कहा कि रांची विधानसभा में वैश्यों की आबादी को देखते हुए राजनीतिक दलों को यहां से वैश्य समुदाय से प्रत्याशी देना चाहिए .

पब्लिक मेनिफेस्टो को घोषणा पत्र में शामिल कराना होगा लक्ष्य

विशेष संवाददाता। रांची

जय झारखंड अभियान ने एक दिवसीय विचार गोष्ठी का आयोजन रविवार को अशोक नगर के जलसा में किया. इस कार्यक्रम में झारखंड के मूलभूत समस्या और राजनीतिक दलों का चुनाव घोषणा पत्र के मुद्दे चर्चा की गयी. जिसमें शिक्षा, कुपोषण, कृषि, खनन व विस्थापन तथा पलायन व रोजगार जैसे झारखंड के ज्वलंत मुद्दो पर चुनाव घोषणा पत्र तैयार किया गया. कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता प्रणय कुमार, सुनील महतो, संजय कुमार, कृष्णा शंकर, राजेन्द्र महतो, जियाऊल हक, विशाल कुमार, प्रमोद कुमार, छेदी कुमार, अभिनव कौशल, दशरथ कच्छप, गोपाल कृष्ण राणा, राजेश कुमार सहित कई अधिवक्ताओं व राज्य के अन्य जिलों से आए कार्यकत्ताओं ने विचार रखे.

यह तय हुआ पब्लिक मेनिफेस्टों में

- राज्य में प्राथमिक शिक्षा में नयी शिक्षा नीति के तहत गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के लिए छात्रों के शैक्षणिक स्तर का अध्ययन कराना अनिवार्य किया जाए.
- कुपोषण की समस्या दूर करने के लिए फोर्टिफाइड चावल के निर्माण हेतु स्थानीय किसानों से चावल की खरीदारी हो.
- ढेकी को–ऑपरेटिव का गठन हो और स्थानीय साग सब्जी के उत्पादन तथा दैनिक आहार में शामिल करने के लिए समुदाय को प्रोत्साहित किया जाए.
- कृषि विकास के लिए महिला एफपीओ को बढ़ावा देने, राज्य के कृषि उत्पादों व फलों को अपनी पहचान देने, अमरूद मिशन को बढ़ावा देना.
- झारखंड में पूर्व में स्थापित कुटीर व लघु उद्योगों को पुनर्जीवित करने हेतु नौति बनाने, श्रम केंद्रीत नयी उद्योग नीति बनाने, सहभागिता आधारित लोक पर्यटन नीति बनाने पर्यटन स्थलों को बढ़ावा दिया जाए.

राशिफल
आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष सोच विचार कर कार्य करने का दिन है. प्रेम में धोखा मिल सकता है. बदनामी भी हो सकती है, पर मन में आत्मविश्वास भरपूर रहेगा. परिवार में आपका प्रभाव अच्छा रहेगा. वर्तमान में माता से लगाव अधिक रहेगा. स्फटिक या सफेद वस्तु का दान करें.

वृष समय सामान्य है.माता के साथ कहीं घूमने का मौका मिलेगा. शरीर में शक्ति की कमी महसूस करेंगे. अपने कार्य को आत्मविश्वास के साथ करें, परंतु सावधानी भी रखें. किसी कार्य में एकाग्रता की कमी से गलती हो सकती है.

मिथुन समय बहुत ही उत्तम है पर मन में एक उलझन होगा. पर आपका प्रभावपूर्ण वाणी रहेगी. धन के आगमन के योग हैं. मामा पक्ष से भी लाभ मिलने की संभावना है. लोगों के बीच लीडरशिप करने का मौका मिलेगा.

कर्क रुका हुआ कार्य पूर्ण होगा. समय बहुत ही अच्छा है. कोई बड़ा धन मिलेगा साथ ही डूबा धन मिलेगा. पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें. अतिक्रोध से बचें. परिस्थिति अपने अनुकूल न होने पर भी संयम रखें. वाणी पर नियंत्रण रखें.

सिंह खर्च अधिक होगा पर मानसिक सुख में वृद्धि होगी. किसी पुराने कानूनी मामले सुलझने की संभावना है. बाहर की यात्रा का भी योग बनता है. अचानक से धन प्राप्ति के भी योग बनते हैं. मन भी खुश रहेगा.

कन्या बाहरी वातावरण आनंददायक होगा, जिससे मन में सुख उत्पन्न होगा. पिता द्वारा व्यापार में सहयोग प्राप्त हो सकता है. कार्यक्षेत्र में कुछ अस्थिरता के योग बनते हैं. वाणी में संयम रखें. धन अधिक खर्च होने के योग बनते हैं.

तुला आपकी मेहनत का फल मिलेगा. एकाग्रता बढ़ेगी. कार्य के प्रति गंभीरता में वृद्धि होगी. जीवनसाथी का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है. दिमाग अधिक सक्रिय रहेगा. अर्थ संबंधी परेशानी हो सकती है. इतर का दान लक्ष्मी मंदिर में करें.

वृश्चिक सरकारी कार्य से विशेष लाभ प्राप्त होगा. घर परिवार में मांगलिक कार्य होगा. धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी. रोजगार के अवसर मिलेंगे. माता का ध्यान अधिक रखेंगे. माता-पिता धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं. गायत्री मंत्र का जाप करें.

धनु भाग्य का साथ मिलेगा. मन में किसी चीज़ को लेकर तनाव की वृद्धि होगी. धन की स्थिति और मजबूत होगी. धार्मिक यात्रा के योग बनते हैं. बॉस के विचारों से भिन्नता भी रहेगी, परंतु सामंजस्य बनाए रखें. गाय को घास दें.

मकर किसी से बिना वजह के बहस हो सकती है. यात्रा में सावधानी बरतें. त्वचा या श्वसन संबंधित रोग हो सकता है. अधिक क्रोध न करें. कानूनी कार्यों में रुकावट आ सकती है. कोई काम बहुत जल्दीबाजी में नहीं करें. हनुमानजी का पूजन ध्यान करें.

कुंभ समय साधारण अच्छा है. जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का योग बन रहा है. कार्यक्षेत्र से संबंधित महत्वपूर्ण यात्रा हो सकती है. संतान से संबंधित शुभ समय है. स्थायी संपत्ति से लाभ मिलेगा. धन की आय के अच्छे अवसर उपस्थित होंगे.

मीन गुप्त शत्रु परेशानी का कारण बन सकता है. व्यापार से लाभ होगा. माता का आशीर्वाद आपको प्राप्त होगा. आपके द्वारा, संतान पर धन खर्च होगा. आपका स्वास्थ्य खराब हो सकता है. बड़ा निवेश से बचें. मिठाई का दान करना चाहिए.

बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर और इसके 100 गज की परिधि में तंबाकू मुक्त क्षेत्र बनाने को लेकर स्टीकर-पोस्टर चिपकाए गए

एम्स देवघर की पहल: बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर होगा तंबाकू मुक्त क्षेत्र

संवाददाता। रांची/देवघर

बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर और इसके 91 मीटर के दायरे में तंबाकू मुक्त क्षेत्र बनाने को लेकर एम्स, देवघर ने पहल की है. एम्स के वाइटल स्ट्रैटेजिस तंबाकू कंट्रोल प्रोजेक्ट के मुख्य अन्वेषक और एम्स देवघर के निदेशक प्रो डॉ सौरभ वार्ष्णेय ने इसके लिए क्रमबद्ध अभियान चलाने की योजना बनाई है. उन्होंने संथालपरगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज देवघर, आईएमए देवघर, पंडा धर्मरक्षिणी सभा देवघर, बाबा मंदिर प्रशासन, देवघर नगर निगम एवं स्वास्थ्य विभाग देवघर के साथ मिलकर बाबा मंदिर को तंबाकू मुक्त क्षेत्र बनाने के लिए काम शुरू कर दिया है.

देवघर में बैनर-पोस्टर के साथ बाबा मंदिर व चैंबर के प्रतिनिधि एवं अन्य.

देवघर एसडीओ ने की पोस्टर लगाने की शुरुआत : इस आलोक में रविवार को बाबा बैद्यनाथ मंदिर परिसर और इसके 100 गज की परिधि में तंबाकू के सेवन, खरीद-बिक्री और विज्ञापन पर रोक से संबंधित स्टीकर पोस्टर लगाए गए. श्रद्धालुओं, स्थानीय दुकानदारों और आम लोगों को जागरूक करने के मकसद से सामूहिक जागरूकता अभियान चलाया गया. संथालपरगना चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज देवघर के सौजन्य से अवेयरनेस पोस्टर लगाने की शुरुआत देवघर एसडीओ सह बाबा मंदिर प्रभारी रवि कुमार, चैंबर के अध्यक्ष आलोक मल्लिक, एम्स के प्रोग्राम कॉर्डिनेटर डॉ संदीप भट्टाचार्य, पंडा धर्मरक्षिणी सभा के महामंत्री निर्मल झा मंटू, उपाध्यक्ष संजय मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया.

बाबा मंदिर व आसपास के क्षेत्र में पोस्टकर चिपकाए : इस अवसर पर एम्स के डॉ विनायगामूर्ति, डॉ अरशद अयूब और डॉ उज्जवल कुमार, चैंबर उपाध्यक्ष पीयूष जायसवाल, कोषाध्यक्ष प्रिंस सिंघल, कार्यकारिणी सदस्य संजय मालवीय, लक्ष्मण पटेल, कनिष्क कश्यप, बाबा मंदिर क्षेत्र दुकानदार संघ के अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, बाबा मंदिर सफाई कार्य एजेंसी के सचिव एसपी भुईयां बिलास सहित अनेक लोगों ने बाबा मंदिर और आसपास के क्षेत्रों में पोस्टर चिपकाए.

मंदिर क्षेत्र को तंबाकू मुक्त बनाने में सहयोग की अपील

एम्स के प्रोग्राम कॉर्डिनेटर डॉ संदीप भट्टाचार्य ने बताया कि एम्स निदेशक डॉ सौरभ वार्ष्णेय के निर्देशन में यह अभियान लगातार चलाया जाएगा. इसके अंतर्गत मंदिर और इसके आसपास के क्षेत्र में पुरोहितों, दुकानदारों को काउंसलिंग के माध्यम से बाबा मंदिर को तंबाकू मुक्त क्षेत्र बनाने में सहयोग करने के लिए कहा जाएगा. बाबा मंदिर प्रभारी रवि कुमार ने कहा कि एम्स और चैंबर की यह पहल बहुत प्रशंसनीय है. उन्होंने देवघर के लोगों से अपील की है कि बाबा मंदिर को तंबाकू मुक्त क्षेत्र बनाने में सभी सहयोग करें. उन्होंने मंदिर के आसपास के दुकानदारों को तंबाकू सामग्री नहीं बेचने की हिदायत दी. बाबा मंदिर और इसके 100 गज के दायरे में तंबाकू की खरीद-बिक्री और विज्ञापन को पूर्णत: प्रतिबंधित किया जाएगा.

वित्त मंत्री सीतारमण पर प्राथमिकी के निर्देश के बाद हमलावर हुआ झामुमो

वित्त मंत्री से इस्तीफा लें पीएम : सुप्रियो

विशेष संवाददाता। रांची

- कहा -जो खुद भ्रष्टाचार के दल-दल में हो वह भ्रष्टाचार की बात करती है
- भाजपा का मतलब भ्रष्ट जनों की पार्टी
- प्राथमिकी के 24 घंटे बाद भी पद पर बने रहना, लोकतंत्र का अपमान
- भाजपा की इतनी घुसपैठ झारखंड में रही है कि अब इन पर रोक लगाने की जरूरत, चुनाव में जनता लगा देगी

देश के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पर प्राथमिकी के बाद झामुमो ने भाजपा पर हमलावार हो गया है. पार्टी ने इस मामले में पूरे भाजपा को घेरा. कहा कि कल का दिन बहुत महत्पूर्ण रहा. जहां हरियाण में सर्जिकल स्ट्राइक का बरसी मनायी, वहीं एक सर्जिकल स्ट्राइक बेंगलुरू की न्यायालय ने भाजपा पर किया. यह सर्जिकल स्ट्राइक सही मायनों में भाजपा के भ्रष्टाचार को उजागर करने वाला है. न्यायालय ने स्पष्ट आदेश दे दिया कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व अन्य पार्टी पदाधिकारियों और ईडी पर नामजद केस दर्ज करने का निर्देश दिया. बेंगलुरु न्यायालय के जस्टिस का अधिकार सुप्रीम के कोर्ट के जस्टिस से कम नहीं होता है.

राजनीतिक रंगदारी स्वरूप जो डरा-धमाकर, रेड के बहाने जो पैसे वूसल किए जाते थे. इसके द्वारा सीधा-सीधा वसूली की जाती थी. इसके जरिए सुप्रीम कोर्ट ने इलेक्ट्रोल बांड जैसे महाघोटाले का भंडाफोड़ किया कि किस प्रकार तत्तकालीन और वर्तमान वित्त मंत्री भयादोहन करके पैसे का दोहन करवा कर भाजपा के खाते में डलवा करती थीं. एक वित्त मंत्री झारखंड आती है और ईडी का, मनी लाउंड्रिंग और सेना के जमीन के सौदे का आरोपी, वह बेल छूटकर आता है और होटल में वित्त मंत्री से मिलता है. पूरे फोटो सोशल मीडिया से लेकर सारे मीडिया में जारी होता है, विष्णु अग्रवाल का. दूसरा फरार आरोपी जो कांके रोड में रहता था, उस पर वारंट जारी था, वह आकर वित्त मंत्री से मिलता है. यह वित्त मंत्री का चोरी, भ्रष्टाचार भाजपा को सफाई देना पड़ेगा. किसी वित्त मंत्री पर आर्थिक अपराध के एफआईआर हो और 24 घंटे से वित्त मंत्री बने हुई हैं, यह लोग भ्रष्टाचार की बात करते हैं. जो भ्रष्टाचार के दल-दल में डूबी हुई है भाजपा. भाजपा का नाम है भ्रष्ट जनों का पार्टी. यहां चुनाव आने वाला है. यह बातें पार्टी के केंद्रीय महासचिव एवं प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने पार्टी कार्यालय में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कही.

प्रधानमंत्री वित्त मंत्री को बर्खास्त करें : सुप्रियो ने कहा कि निर्मला सीता रमण जिस परिवार से आते हैं, वह कहते हैं कि सीतारमण भ्रष्ट हैं. एक महिला को वित्त मंत्री बनाकर उससे लोगों को डरवा जा रहा है. दवाई कंपनियों को, इंफ्रास्ट्रकर में काम करने वाली कपंनियों को, सीमेंट कंपिनयों को, सरिया बनाने वाले कपंनी को यह सारा खेल अब एक्सपोज हो चुका है. जितना जल्द से जल्द हो प्रधानमंत्री को वित्त मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए और आरएसस को उनके अध्यक्ष को भी बर्खास्त करन देना चाहिए.

हरियाणा और महाराष्ट्र जाने की हिम्मत कोई नहीं कर पा रहा है: सुप्रियो ने कहा कि चुनाव घोषणा के पहले प्रधानमंत्री 15 दिन में दुबारा आ रहे हैं. कौन-कौन नेता आ रहा है पता ही नहीं चला है. एक साथ चार-पांच राज्य का मुख्यमंत्री आ जा रहा है. कोई नुक्कड़ सभा कर रहा है, कोई एनाऊसमेंट कर रहा है. इस तरह से चीजों आगे बढ़ रही हैं. हरियाण कोई नहीं जा रहा है, महाराष्ट्र कोई नहीं जा रहा है. यहां आकर दो ही चीज घुसपैठ. अरे इतना घुसपैठ तुमलोग झारखंड में कर रहे कि भाजपा की घुसपैठ पर रोक लगानी पड़ेगी. जनता तो लगा ही देगी चुनाव में.

हरियाणा में पीएम की सभा कराने के लिए जगह तलाशनी पड़ रही है

उन्होंने कहा कि अब तो कोर्ट में मान लिया कि इन्होंने चोरी की, सीनाजोरी भी की. ईडी, आईटी, सीबआई जैसी जांच एजेसियों का दुरूपयोग कर उगाही की और भाजपा के खाते में पैसे जमा कराए. अब बताएं कि भ्रष्टाचार इस देश में कौन कर रहा है. भाजपा भ्रष्टाचार में आकंठ में डूबी है. आज हरियाणा में इन्हें जगह तलाशनी पड़ रही है कि सभा कहां कराएं. सभा का अखबार में विवरण नहीं आ रहा है. कोई सुध नहीं ले रहा है. अपना-अपना राज्य छोड़कर कौन-कौन मुख्यमंत्री आ रहा है. रांची से जयपुर उड़ा देगे फ्लाईट. रेल गाड़ी चला देंगे.

किसी भी दल का चुनावी घोषणा पत्र फेज वाइज कभी नहीं देखा गया

सुप्रियो ने कहा कि असम से विस्थापित एक नेता, कह रहे हैं कि हम 2100 रुपये देंगे. घोषणा पत्र इनका तीन चरण में आएगा. मैं भी तीन दशक से अधिक से सक्रिय राजनीति में हूं. चुनाव और उम्मीदवार कई फेजेज में देखे, मगर चुनावी घोषणा पत्र भी फेज वाइज हो, यह कभी नहीं देखा. मगर यह काम भाजपा करने जा रही है. हांडी चढ़ा नहीं और पत्तल देकर बैठा दिया. अखबार और टीवी चैनल पूरी तरह से व्यस्त है भाजपा के चुटकुले छापने में. सुबह इंसान उठता है तो प्रसन्न मन से अखबार पढ़ता है तो देखता है कि सभी हास्य-व्यंग्य भरा है. सुप्रियो ने कहा कि इनके पास मुद्दे खत्म हो गए. घुसपैठ खत्म, डबल इंजन सरकार के पांच साल के काम खत्म. अब केवल उकसाने की राजनीति हो रही है. ताकि इनका भ्रष्टाचार छिप जाए.

भाजपा की परिवर्तन यात्रा आशा से कहीं ज्यादा सफल रही : बाबूलाल

प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी.

- परिवर्तन यात्रा में अब तक 17 लाख से भी ज्यादा लोगों की रही भागीदारी
- दो को पीएम मोदी परिवर्तन यात्रा के समापन समारोह में आएंगे

प्रमुख संवाददाता। रांची

बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा है कि झारखंड भाजपा की परिवर्तन यात्रा आशा और उम्मीद से ज्यादा सफल रही. इसकी शुरुआत 20 सितंबर को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने संताल परगना प्रमंडल और गिरिडीह के झारखंड धाम से की थी. यह यात्रा अब तक राज्य के 24 जिलों, 74 विधानसभा, 202 प्रखंड की 4500 किलोमीटर की यात्रा तय कर चुकी है. बाबूलाल रविवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि परिवर्तन यात्रा का समापन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 अक्टूबर को हजारीबाग में करेंगे.

सीएनटी और एसपीटी का सबसे ज्यादा उल्लंघन : हेमंत सोरेन की सरकार किसी भी काम को ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ नहीं करती है. इस सरकार में सीएनटी और एसपीटी कानून का सबसे ज्यादा उल्लंघन हुआ है. आदिवासी जमीन का सबसे ज्यादा फर्जीवाड़ा हुआ है. सेना की जमीन को भी नहीं छोड़ा गया. कोलकाता से जमीन का फर्जी कागज बनाकर उसे बेचा गया. साइकिल वितरण योजना में स्कूली बच्चों को घटिया किस्म की साइकिल दी जा रही है. सुनने में तो यहां तक आ रहा है कि इस योजना के 40 प्रतिशत तक की कमीशनखोरी हो रही है.

26 प्रतिशत शराब दुकानें मां-बहनों को दें : राज्य सरकार की गलतियों को उजागर करने पर मुझपर केस कर दिया जाता है. अब तक आधा दर्जन से ऊपर केस मेरे ऊपर किए जा चुके हैं. राज्य में फिर से शराब घोटाले की पटकथा लिखी जा रही है. टेंडर निकालकर उसे रद्द किया गया है. पसंदीदा ठेकेदार को टेंडर देने के लिए यह किया गया है. उन्होंने सरकार से मांग की कि राज्य की 26 प्रतिशत शराब दुकान सड़क किनारे हड़िया दारू बेचने वाली आदिवासी माता और बहनों को दिया जाए.

भाजपा उद्देश्य में सफल

भाजपा अपने उद्देश्य में सफल रही. अब तक 16 से 17 लाख लोग इस यात्रा में शामिल हुए. यह यात्रा बदलाव का आभाष दे चुकी है. हेमंत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अब जब चुनाव सामने है, तब भी जनता को ठगने के लिए दाने डाल रही है. हालांकि जनता झांसे में आने वाली नहीं है. परिवर्तन यात्रा के दौरान लोगों ने कहा कि वे हेमंत सोरेन के चाल और चरित्र से अच्छी तरह वाकिफ हैं.

झारखंड रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन का चुनाव संपन्न, विष्णु बने अध्यक्ष

रांची। झारखंड रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के कार्यकारिणी का चुनाव रविवार को रांची के होटल ग्रीन होराइजन में संपन्न हुआ. रिटर्निंग ऑफिसर एडवोकेट रंजीत कुमार मेहता की देखरेख में चुनावी प्रक्रिया पूरी की गयी. चुनावी प्रक्रिया के दौरान झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन से संजेश मोहन ठाकुर तथा इंडियन रग्बी फुटबॉल यूनियन के संदीप मौसम ऑब्जर्वर के रूप में उपस्थित रहे. इस अवसर पर झारखंड रग्बी फुटबॉल एसोसिएशन के फाउंडर महासचिव कृष्ण कुमार सिंह और जिला के प्रतिनिधि भी मौजूद थे. निर्वाचित पदाधिकारियों के नाम : अध्यक्ष - विष्णु कुमार जालान, उपाध्यक्ष - सुरेश कुमार, महासचिव - हेजाज असदक, कोषाध्यक्ष - सुनील गुप्ता, संयुक्त सचिव - शशि पांडे और शेख मोहम्मद नसीमुद्दीन.

सफाईकर्मियों को सम्मानित किया

रांची। सीएमपीडीआई द्वारा स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत सफाई कर्मचारियों को सम्मानित किया गया. दैनिक जीवन में स्वच्छता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मचारियों को टी-शर्ट, साड़ी और जूते प्रदान कर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए सम्मानित किया गया. सीएमपीडीआई के निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) अजय कुमार और निदेशक (तकनीकी/ईएस) सतीश झा ने कुल 82 सफाई कर्मियों को सम्मानित किया और स्वच्छता बनाए रखने में महत्ती भूमिका के लिए आभार व्यक्त किया. इस मौके पर महाप्रबंधक (तकनीकी/पीआर) संजय कुमार दुबे सहित महाप्रबंधक व विभागाध्यक्षगण व बड़ी संख्या में कर्मियों की उपस्थिति रहे.

शैक्षणिक सत्र 2024-26 के लिए आवेदन जारी

डी फार्मा आयुर्वेद के 30 सीटों पर होगा दाखिला

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड राज्य आयुष चिकित्सा परिषद ने डी फार्मा(आयुर्वेद) में नामांकन के लिए आवेदन जारी कर दिया है. आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 30 अक्तूबर रखी है. विद्यार्थियों का नामांकन राजकीय आयुर्वेदिक फार्मेसी महाविद्यालय, साहिबगंज में होगा. इसके लिए 30 सीटें निर्धारित की गई हैं. नामांकन के इच्छुक विद्यार्थियों को योग्यता से संबंधित प्रमाण पत्रों एवं अंक पत्रों की छायाप्रति संग्लन करना अनिवार्य है. साथ ही जिस संस्था में अध्ययन किया हो उस संस्था के प्रधान द्वारा दिया गया चरित्र प्रमाण पत्र, आयु प्रमाण-पत्र, मैट्रिक का प्रमाण पत्र,जन्म प्रमाण पत्र,जाति प्रमाण-पत्र और निवास प्रमाण-पत्र छायाप्रति भी संलग्न करना अनिवार्य है. साथ ही मैट्रिक के प्रमाण पत्र में किसी भी तरह का स्पेलिंग मिस्टेक नहीं होना चाहिए.

सिर्फ स्थानीय ही कर सकते हैं आवेदन

जारी आदेश के आदेश के अनुसार सिर्फ स्थानीय ही आवेदन कर सकते हैं. आदेश के अनुसार राज्य के स्थानीय निवासी उम्मीदवार ही आवेदन देने के पात्र होंगे. स्थानीय निवासी प्रमाण पत्र धारित नहीं करने वाले अभ्यर्थी आवेदन समर्पित करने के पात्र नहीं होगें. साक्षात्कार की अनुमति पूर्णत: औपबन्धिक होगी. निर्धारित साक्षात्कार में अनुपस्थित रहने अथवा आवेदन में भरे गये पात्रता सम्बन्धी प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं करने अथवा निर्धारित अवधि अंतर्गत प्रमाण पत्र संलग्न नहीं होने पर आरक्षण व अन्य लाभ अनुमान्य नहीं होगा.

युवा संसद : प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए युवा शक्ति की भूमिका अहम

कमिटमेंट से भटक गयी है सरकार : सुदेश

प्रमुख संवाददाता। रांची

आजसू सुप्रीमो सुदेश महतो ने कहा है कि सरकार लोगों को जो सम्मान दे रही है, उसके पीछे की उनकी मंशा को समझना होगा. संविदा व्यवस्था को समाप्त करने का वादा करने वाली सरकार संविदा आधारित नौकरी देने पर बड़े-बड़े विज्ञापन दे रही है. सरकार अपने कमिटमेंट से भटक गई है. वैसे युवा जिन्हें अपने परिवार की जिम्मेदारी निभाने और विकास के लिए नौकरी करनी थी, वे आज सरकार की गलत नीतियों के चलते सड़कों पर हैं और सरकार की लाठियां खा रहे हैं. सुदेश रविवार को सिल्ली में युवा संवाद कार्यक्रम में बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि राज्य को प्रगति के पथ पर ले जाने के लिए युवा शक्ति की भूमिका अहम है. युवाओं को राज्य के भीतर रोजगार के अवसर मिलते तो उनकी ऊर्जा और प्रतिभा का लाभ झारखंड को मिलता है, लेकिन उचित अवसर नहीं मिलने के चलते युवा पलायन को विवश हैं. इससे हमारे राज्य का विकास प्रभावित हो रहा है.

सरकार की कार्यशैली ने हर वर्ग को किया निराश : सरकार की कार्यशैली ने युवाओं के साथ ही साथ समाज के हर वर्ग को निराश किया है. राज्य में बढ़ते अपराध की एक वजह बेरोजगारी भी है. अपना भविष्य अंधेरे में देख रहे युवा निराश होकर नशे और अपराध की ओर कदम बढ़ा रहे हैं. यह अत्यंत चिंतनीय है. हमारी तैयारी हर युवा को रोजगार से जोड़ने की है. प्रतिदिन 300 की आय कैसे हो यह सुनिश्चित करना होगा. इस सरकार ने जनता के बारे में कुछ भी नहीं सोचा. अब चुनाव नजदीक देख इन्हें जनता की याद आ रही है. फ्री बिजली देने की बात करने वाली सरकार पहले लोगों को निर्बाध बिजली मुहैया कराने की व्यवस्था करे. कृषि ऋण उनका भी माफ हो रहा है, जो कृषक नहीं है. राज्य की जनता अब इनके छलावे में आने वाली नहीं है. मौके पर आजसू पार्टी के केंद्रीय संगठन सचिव जयपाल सिंह, सचिव सुनील सिंह, संजय सिद्धार्थ, सुशील महतो, चित्तरंजन महतो, गौतम कृष्ण साहू, जिप उपाध्यक्ष वीणा चौधरी, जितेंद्र बड़ाईक, आरती देवी, सुसेन प्रमाणिक, रवींद्र करमाली, सिल्ली सीओ अरुणिमा एक्का, अनिल मांझी, हरिपद मांझी, मीरा देवी, सोमरी देवी सहित अन्य उपस्थित थे.

वकीलों के परिजनों को भी हेल्थ बीमा का लाभ

रांची। अब वकील के परिवार को सदस्यों को भी बीमा का लाभ मिलेगा. रविवार को झारखंड अधिवक्ता कल्याण निधि न्यास समिति की बैठक में महाधिवक्ता राजीव रंजन ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि ट्रस्टी और राज्य सरकार के संयुक्त मद से मिलने वाली बीमा का लाभ वकील के परिवार के सदस्यों को भी मिलेगा. चाहे वे वकील के माता-पिता हों, पति-पत्नी हों या ही 25 साल से कम उम्र के बच्चे हों या विधवा बहनें हों, सभी बीमा से कवर होंगे. बैठक के दौरान डेथ क्लेम से जुड़े दो करोड़ रुपये का वितरण किया गया. इस दौराम सीएम हेमंत सोरेन का भी आभार प्रकट किया गया. महाधिवक्ता ने बताया कि बीमा के तहत वकीलों को एयर एंबुलेंस की सुविधा मिलेगी. पेंशन 14 हजार रुपये मिलेंगे. इसका लाभ ट्रस्ट में शामिल 15 हजार वकीलों को मिलेगा.

विचार मंथन

वर्तमान परिदृश्य और युवाओं के नशा की ओर बढ़ते कदम पर विचार गोष्ठी सह परिचर्चा

राज्य की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगा अटल विचार मंच : यशवंत

विश्वजीत भट्ट। जमशेदपुर

पूर्व वित्त एवं विदेश मंत्री व अटल विचार मंच के संस्थापक यशवंत सिन्हा ने रविवार को माइकल जॉन ऑडिटोरियम में भारत की राजनीति में वर्तमान परिदृश्य व युवाओं के नशा की ओर बढ़ते कदम पर विचार गोष्ठी सह परिचर्चा को संबोधित किया. उन्होंने कहा कि अटल विचार मंच झारखंड की सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगा, हालांकि इसका गठन कुछ दिन पूर्व ही किया गया है. उन्होंने कहा कि अटल विचार मंच राजनीति के अलावा भी बहुत सारे सामाजिक कार्य करेगा. वह भी अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों पर चलते हुए. झारखंड में चुनावों की घोषणा होने के बाद राज्य के सभी जिलों में संगठन के लोगों से बात करने के बाद उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी.

गोष्ठी में मंच पर बैठे यशवंत सिन्हा व स्वागत भाषण देते संजीव आचार्य.

रांची से पारडीह पहुंचने पर संगठन ने किया अभिनंदन : इसके पूर्व रांची से पारडीह स्थित गोल चक्कर पर पहुंचने पर संगठन के पदाधिकारियों ने यशवंत सिन्हा का अभिनंदन किया. इसके अलावा शहर में तमाम चौक-चौराहे पर भी उनका नागरिक अभिनंदन किया गया. विचार गोष्ठी में विशिष्ट अतिथि आजसू नेता चंद्रगुप्त सिंह, रिटायर्ड डीएसपी कमल किशोर, वरिष्ठ नागरिक संघ के केंद्रीय अध्यक्ष शिवपूजन सिंह, अरका जैन यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉक्टर एस. एस. रजी, झारखंड राज्य गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष शैलेंद्र सिंह, जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रथीनद्रनाथ दास, युवा समाजसेवी विकास सिंह, सिंहभूम चैंबर ऑफ कॉमर्स के पूर्व अध्यक्ष एके श्रीवास्तव, झारखंड आंदोलनकारी तरुण दे, जेपी आंदोलन में शामिल रहे सुरेश दत्त पांडे, अवधेश पाठक, कई समाजसेवी एवं शहर के प्रबुद्ध बुद्धिजीवियों ने कार्यक्रम को संबोधित किया. आयोजक अटल विचार मंच एवं झारखंड क्रांति सेना के सैकड़ों वॉलिंटियर्स ने तिरंगा यात्रा भी निकाली.

घुसपैठ रोकना चाहिए ना कि इस पर राजनीति करनी चाहिए

यशवंत सिन्हा ने कहा कि राजनीति के कभी कुछ भी निश्चित नहीं होता, किसी भी पार्टी को समर्थन देने या लेने की बात हम तब सोचेंगे जब एकदम से पुल पर पहुंच जाएंगे. उन्होंने कहा कि झारखंड हो या देश में कहीं भी घुसपैठ रोकने की जिम्मेदारी बीएसएफ की होती है. केंद्र में भाजपा की सरकार बैठी है, इसलिए उसको घुसपैठ रोकना चाहिए ना कि इस पर राजनीति करनी चाहिए. मैं इसके बिलकुल समर्थन में हूं कि घुसपैठियों को चिन्हित कर उन्हें बाहर किया जाना चाहिए. जबकि ऐसा न करके भाजपा इस पर राजनीति कर रही है. भाजपा इसको मुद्दा बनाकर हिंदू-मुसलमान की राजनीति कर रही है. झारखंड क्रांति सेना के संस्थापक व अटल विचार मंच के कोल्हान के संयोजक संजीव आचार्य से स्वागत भाषण दिया और गोष्ठी का संचालन किया.

अंतर राज्य महिला क्रिकेट टूर्नामेंट

बूटी क्रिकेट क्लब की खिलाड़ी कुमारी पलक का हुआ चयन

संवाददाता। रांची

चंडीगढ़ में एक अक्टूबर से शुरू हो रहे अंतर राज्य महिला क्रिकेट टूर्नामेंट अंडर 19 के लिए बूटी क्रिकेट क्लब की खिलाड़ी कुमारी पलक का चयन किया गया है. पलक ने एनसीए कैंप में भी हिस्सा लिया. बता दें कि पूर्व में पलक झारखंड राज्य महिला क्रिकेट टीम की अंडर 15 की कप्तान रह चुकी है. इसके साथ अंडर 19 और अंडर 23 टीम में प्रतिभा बिखेर चुकी है. पिछले दिनों उनको झारखंड में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है. पलक लेफ्ट हैंड बैटर के साथ दाएं हाथ की गेंदबाजी भी करती हैं, जिससे टीम को बतौर ऑलराउंडर बैलेंस मिलता है. इस उपलब्धि पर उनके कोच कुमार पंचित ने उनको शुभकामनाएं दी और उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की.

उत्पीड़िता को न्याय की तलाश

यह ज्यादा पुरानी बात नहीं है. स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री ने राज्य सरकारों को नसीहत दी थी कि महिलाओं के खिलाफ होने वाले अत्याचारों के मामलों में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए. भले ही तात्कालिक रूप में उनके कथन का इशारा कोलकाता में एक प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ दुराचार के बाद की गई नृशंस हत्या की तरफ था. उनकी इस बात को राज्यों को व्यापक संदर्भ में लिया जाना चाहिए. वैसे यह संभव नहीं है कि प्रधानमंत्री की स्मृति में वर्ष 2002 के गुजरात के सांप्रदायिक दंगों के दौरान अमानवीय बर्बरता की शिकार बिलकिस बानो का मामला न रहा हो. इस दुखद घटना में गर्भावस्था के दौरान न केवल उसके साथ दुराचार हुआ था, बल्कि उसके भरे-पूरे परिवार के सात सदस्यों की भी हत्या कर दी गई थी. सर्वविदित है कि मोदी उन दिनों गुजरात के मुख्यमंत्री थे. संयोग से यह एक और स्वतंत्रता दिवस था, जब वर्ष 2022 में भारत आजादी के 75 साल पूरे होने का जश्न मना रहा था तो गुजरात सरकार ने उन ग्यारह दोषियों को रिहा कर दिया था, जिन्हें इस मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनायी गई थी. दलील दी गई कि तकनीकी तौर पर वे उम्रकैद की निर्धारित अवधि पूरी कर चुके हैं और उनका जेल में व्यवहार संतोषजनक है. जैसे ही ये दोषी ठहराये लोग गोधरा उप-जेल से बाहर निकले, उनका फूल-मालाओं के साथ स्वागत किया गया था. जैसे वे अक्षम्य अपराध के अपराधी नहीं, बल्कि समाज के नायक हों. उल्लेखनीय है कि इस कांड के दोषियों को रिहा करने के चौंकाने वाले फैसले पर विवाद होने और न्यायिक सक्रियता के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इसे रद्द कर दिया था. इस मामले में न केवल राजनीतिक स्तर पर विरोध हुआ, बल्कि पीड़ित पक्ष ने दोषियों की रिहाई का कड़ा प्रतिवाद किया था. पीड़ित पक्ष ने दोषियों की रिहाई को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए न्यायिक संरक्षण की मांग की थी. इसके बावजूद राज्य सरकार इस मामले में लगातार बचाव करती रही है.अब इस फैसले की समीक्षा की मांग करने वाली राज्य सरकार की कोशिश को शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया है. इस कोशिश से संदेह करने की कोई गुंजाइश नहीं रह जाती कि राज्य के अधिकारियों ने दो साल पहले सजा माफी के लिये आधार तैयार करने के लिए तथ्यों को छिपाकर अदालत की दूसरी पीठ को भ्रमित किया था. उल्लेखनीय है कि पीड़ित पक्ष ने इस मामले में अदालती सुनवाई गुजरात से बाहर करने की मांग की थी. उन्हें आशंका थी कि यदि राज्य में मामले में मुकदमा चलता है तो गवाहों पर दबाव बनाकर न्यायिक प्रक्रिया को प्रभावित किया जा सकता है. इन्ही बातों के मद्देनजर इस मामले में महाराष्ट्र में मुकदमा चला और लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद दोषियों को सजा सुनाई गई थी. निश्चित रूप से इस मामले में माफी आदेश पारित करने का अधिकार भी सिर्फ और सिर्फ महाराष्ट्र सरकार का था. जबकि येन-केन-प्रकारेण गुजरात सरकार ने यह अधिकार हथिया लिया. इसी कड़ी में कालांतर में केंद्र सरकार ने आजीवन कारावास की सजा काट रहे लोगों की समय पूर्व रिहाई पर अपनी मोहर लगा दी थी.

> पीड़ित पक्ष ने दोषियों की रिहाई को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा बताते हुए न्यायिक संरक्षण की मांग की थी. इसके बावजूद राज्य सरकार इस मामले में लगातार बचाव करती रही है.

सुभाषित

गुणी गुणं वेत्ति न वेत्ति निर्गुणो बली बलं वेत्ति न वेत्ति निर्बलः।
पिको वसन्तस्य गुणं न वायसः करी च सिंहस्य बलं न मूषकः॥

गुणी पुरुष ही दूसरे के गुण पहचानता है, गुणहीन पुरुष नहीं. बलवान पुरुष ही दूसरे का बल जानता है, बलहीन नहीं. वसन्त ऋतु आए तो उसे कोयल पहचानती है, कौआ नहीं. शेर के बल को हाथी पहचानता है, चूहा नहीं।

अमेरिका सच्चा दोस्त या हमारा वहम

भारत–अमेरिका संबंधों की गांठ जितनी भी मजबूत होती रहे, दोनों देशों के बीच संदेह के बादल नहीं छंट पाते. द्विपक्षीय सहयोग में महत्वपूर्ण प्रगति के बावजूद, आशंकाएं अपना जगह ढूंढ़ ही लेती है. ऐसे में सवाल उठता है कि क्या भारत को अमेरिका को रूस जैसा साथी समझना चाहिए या सतर्क संदेह बनाए रखना चाहिए?

• देश-काल

बृजेंद्र दुबे

हाल के वर्षों में भारत और अमेरिका के बीच करीबी बढ़ी है. दोनों एक-दूसरे को पहले से ज्यादा तवज्जो भी दे रहे हैं. वक्त और हालात की मांगों के मुताबिक दोनों देश एक-दूसरे को दोस्त भी बताने लगे हैं, लेकिन क्या सच में ऐसा ही है? अमेरिका ने तो भारत को अपना रणनीतिक साझेदार घोषित कर दिया है, क्वाड जैसे बिल्कुल करीबी गठजोड़ का हिस्सा बनाया है, अत्याधुनिक रक्षा तकनीक साझा करने को तैयार है, फिर यह सवाल क्यों? दरअसल, अतीत के अनुभव और भू-राजनैतिक उथल-पुथल की वर्तमान परिस्थितियां भारत-अमेरिका के रिश्तों को अक्सर कसौटियों पर कसते रहते हैं. दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में हो रही साझेदारियों पर गौर करें तो कई बार ऐसा लगता है कि भारत का भरोसा जीतने के लिए अमेरिका मानो दिल चीरकर दिखाने की हद तक जा रहा है. लेकिन नजदीकियां और आपसी सहयोग बढ़ने के बावजूद वक्त-वक्त पर सवाल उठते रहते हैं कि क्या भारत कभी अमेरिका पर पूरी तरह से भरोसा कर सकता है?

संदेह की जड़ें इतिहास के महत्वपूर्ण क्षणों में वापस जाकर खोजी जा सकती हैं. अमेरिका के सामने जब भी भारत और पाकिस्तान के हितों का टकराव होता है तो वह अक्सर पाकिस्तान के साथ खड़ा होता है. 1971 में भारत-पाकिस्तान युद्ध हुआ, तो अमेरिका ने भारत के खिलाफ अपना सातवां बेड़ा बांग्लादेश की खाड़ी में तैनात कर दिया, ताकि जीतता हुआ भारत युद्ध रोक दे. तब भारत की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और अमेरिका के राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन थे. फिर 1998 में 13 दिन के लिए अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री की सरकार बनी, तो भारत ने परमाणु परीक्षण कर डाले. 11 और 13 मई, 1998 को राजस्थान के पोखरण में पांच परमाणु परीक्षण किए गए थे. इस पर अमेरिका ने भारत पर आर्थिक प्रतिबंधों की बाड़ लगा दी. आज की परिस्थिति भी बदली नहीं है. अब भी लोकतंत्र और मानवाधिकार पर भारत को पाठ पढ़ाने वाला अमेरिका पाकिस्तान में मानवता की धज्जियां उड़ता देख या तो चुप रहता है या फिर विरोध की औपचारिकता भर निभाता है. इतना ही नहीं, अमेरिका अपने यहां भारत विरोधी ताकतों को न केवल पाल रहा है, बल्कि उनके समर्थन में भारत को ही कटघरे में खड़ा करने से तनिक भी नहीं हिचकिचाता. अभी बांग्लादेश में जिस तरह भारत विरोधी ताकतों का साथ देकर अमेरिका ने सत्ता परिवर्तन करवाया, उससे दोस्ती की भावना को बढ़ावा तो नहीं ही मिल सकती है.

हाल ही में पीएम नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा जैसे कार्यक्रमों ने सेमीकंडक्टर निर्माण सौदे और बढ़े हुए रक्षा सहयोग जैसे आशाजनक समझौते किए हैं, लेकिन इन्हीं वजहों से आपसी संदेह कायम हैं. आलोचकों का तर्क है कि अमेरिका के पास प्रतिबंध लगाने और अन्य देशों के मामलों में हस्तक्षेप करने का एक ट्रैक रिकॉर्ड है, जो गुप्त उद्देश्यों की आशंकाओं को बढ़ाता है. खालिस्तानी आतंकियों के मामले पर भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल को जारी किए गए समन से जुड़ा हालिया विवाद अमेरिका की मंशा पर संदेह को और गहरा बनाता है. इसके अतिरिक्त, जिन नैरेटिव्स पर भारत के राजनीतिक परिदृश्य को पेश किया जा रहा है, उससे दक्षिण एशिया में अस्थिरता पैदा करने वाली शक्ति के रूप में अमेरिका की पहचान गहराती है. ऐसी कई वजहें हैं, जिनसे लगता है कि अमेरिका भारत की संप्रभुता को कमजोर करने के इरादे रखता है. भारत और अमेरिका के बीच पक्की दोस्ती की स्थापना में कई रुकावटें हैं. पहली रुकावट रणनीतिक प्राथमिकताओं में भिन्नता है, खास तौर पर चीन के मामले में. जबकि दोनों देश बीजिंग से बढ़ते खतरे को पहचानते हैं, उनके दृष्टिकोण में काफी अंतर है. रूस के साथ भारत के ऐतिहासिक संबंध इसके रुख को जटिल बनाते हैं, क्योंकि यह पश्चिम के साथ अधिक गहराई से जुड़ने के साथ-साथ उन संबंधों को संतुलित करने का प्रयास करता है. इसके अलावा, भारत में लोकतांत्रिक मर्यादाओं के पतन की धारणा अमेरिका के भीतर चिंता पैदा करती है, जिससे मानवाधिकारों के मुद्दों पर टकराव होता है. बाइडेन प्रशासन का लोकतांत्रिक मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करना दोनों देशों के बीच संबंधों में एक दरार पैदा करता है, जिसे अभी तक पर्याप्त रूप से संबोधित नहीं किया गया है. अब सवाल उठता है कि क्या भारत को अपने संदेहों को अलग रखना चाहिए और अमेरिका के साथ अधिक भरोसेमंद संबंध अपनाना चाहिए? समर्थकों का तर्क है कि सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग और डिफेंस टेक्नॉलजी पर महत्वपूर्ण समझौतों से दोनों देशों के बीच विकासशील रणनीतिक साझेदारी सहयोग के एक नए युग का संकेत मिलता है. भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के हालिया बयान भी इस बिंदु पर जोर देते हैं. उन्होंने भारत-अमेरिकी संबंधों को 21वीं सदी की परिभाषित साझेदारी बताया. हालांकि, ऐतिहासिक शिकायतों और वर्तमान भू-राजनीतिक पेचीदगियों में अंतर्निहित अविश्वास, इस विश्वास की धारणा के प्रति पूरी भारत की निष्ठा को कमजोर कर देता है. कुल मिला कर तमाम चुनौतियों के बावजूद, भारत-अमेरिका के संबंधों की यात्रा सतर्क, लेकिन आशावादी भविष्य की ओर इशारा करती है. द्विपक्षीय संबंध काफी परिपक्व होकर एक लेनदेन वाली साझेदारी से विकसित होकर व्यापक रणनीतिक हितों को शामिल करने वाले बन गए हैं. कूटनीति के जानकार कहते हैं कि दोनों देशों को सतही स्तर के कूटनीतिक इशारों से आगे बढ़कर अधिक स्पष्ट और रचनात्मक बातचीत करनी चाहिए, जो अक्सर हाई-प्रोफाइल बैठकों की विशेषता होती है. ऐसा करके वे अपने आपसी हितों को स्पष्ट कर सकते हैं और अपनी साझेदारी पर छाए संदेह को दूर कर सकते हैं.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

• बोधि-वृक्ष | **डॉ. मयंक मुरारी**

अस्तित्व की गूंज

अस्तित्व की गूंज है कि हम सब पूर्ण हैं. पूर्ण से पूर्ण निकलता है. जो बचता है, वह भी पूर्ण ही होता है. यह संसार पूर्ण से निकला है. इसके बाद भी पूर्ण बचा हुआ है. जब कल यह सृष्टि परम अस्तित्व में वापस लौट जायेगी, तब भी पूर्ण ही उसकी प्रकृति होगी. जीवन में संपूर्णता की खोज एक महान आदर्श है. जीवन सब जगह पूर्णता की खोज करता है. पूर्णता की खोज पदार्थ में, पौधों में, जानवर में, पक्षियों में सभी जगह जारी है. हमें पत्थर जड़ लगते हैं, पेड़ में चेतना नहीं लगती है. पशु और पक्षियों में ज्ञान का अभाव दिखता है. लेकिन सभी तत्वों में जीवन की खोज चल रही है. हरेक तत्व का लक्ष्य ही जीवन है और जीवन का लक्ष्य पूर्णता प्राप्त करना है. यह पूर्णता ही परमात्मा है. जब व्यक्ति की सारी इच्छाएं खत्म हो जाएं, जब व्यक्ति को दुख-सुख में समानुभूति हो, जब व्यक्ति के अंदर चिंता, ज्ञान, वासना रूपी हरेक बंधन खत्म हो जाता है, तब वह आत्मिक रूप से स्वतंत्र हो जाता है. यह स्वतंत्रता ही आत्मा की खोज है. इसे प्राप्त करने के लिए न तो मृत्यु जरूरी है, और न ही परिश्रम. जीवन की क्षणभंगुरता के प्रति जागना ही चेतना का जागरण है. पूर्णता जीवन के ऊपर नहीं है. जीवन से अलग पूर्णता नहीं होती है. इस जीवन में ही सबकुछ है. मोक्ष हो या निर्वाण. महात्मा बुद्ध जीवन भर इसी बात की शिक्षा देते रहे कि खुद दीपक बनो. जीवन के चार आर्य सत्य हैं. जीवन को छोड़ने से मृत्यु की प्राप्ति होती है, जीवन को अंगीकार करने, उसके प्रति जागरण से पूर्णता की राह मिलती है. एक कहानी है. महान शिल्पी अपने घर में हथौड़ी और छेनी से कुछ काम कर रहा था. तभी कोई अतिथि उससे मिलने आ गया. शिल्पी चुपचाप दरवाजा खोला और अतिथि को पीछे पीछे आने का इशारा किया. बातचीत के क्रम में अतिथि ने कहा कि कई दिनों से तुम दिख नहीं रहे थे. क्या तुम अभी भी मूर्ति के निर्माण में लगे हो. या वह कार्य पूरा हो गया. शिल्पी की कलाकृति देखने के बाद अतिथि वाह कहने से खुद को रोक न सका. उसने कहा-यह उत्कृष्ट है. यह महान कलाकृति है, जिसकी रचना तुमने की है. यह तुम्हारी अब तक की सर्वश्रेष्ठ कृति है. शिल्पी ने कलाकृति पर काम जारी रखते हुए कहा- जब यह पूरी हो जायेगी, तो निःसंदेह उत्कृष्टता को प्राप्त कर लेगी. लेकिन इसमें बहुत काम है. इसके मुख में, हाथ पर, शरीर में तथा बालों में थोड़ा थोड़ा काम बचा रह गया है. अतिथि ने कहा कि ये छोटी बातें हैं. तब शिल्पकार ने कहा कि ये छोटी बातें, छोटे प्रयास ही पूर्णता देते हैं. पूर्णता कोई छोटी बात नहीं है.

खतरनाक युद्ध की ओर बढ़ता पश्चिम एशिया

• देशांतर

एम ए हुसैन

हाल ही में लेबनान में हज़ारों पेजर तथा वॉक-टॉकी सेटों का विस्फोट एक ख़तरनाक घटना है जो इज़राइली हाथ के लक्षण दर्शाता है, जो संभवतः इज़राइल और हिज़्बुल्लाह के बीच आसन्न सैन्य युद्ध में वृद्धि के संकेत देता है. यह तनाव हिज़्बुल्लाह की हाल ही में इज़राइली सेना के साथ झड़पों के बाद से बढ़ रहा है, जो 7 अक्टूबर को हमास के नेतृत्व वाले घातक हमले के बाद गाजा के खिलाफ़ इज़राइल की तीव्र सैन्य कार्रवाइयों का सीधा जवाब है. लेबनान के पेजर को लक्षित करने के पीछे रणनीतिक उद्देश्य स्पष्ट हैः हिज़बुल्लाह के आंतरिक संचार को पंगु बनाना, जो इसके सैन्य अभियानों का एक महत्वपूर्ण घटक है. हाल के वर्षों में हिजबुल्लाह ने संचार के लिए मोबाइल फोन का उपयोग करना बंद कर दिया है, क्योंकि उसे संदेह है कि इजरायली खुफिया एजेंसियों ने उनके साथ समझौता किया है, जिसके कारण हिज्बुल्लाह के प्रमुख लोगों की पहचान की गयी और उन्हें लक्षित तरीके से मार दिया गया. पेजर नेटवर्क पर हमला करके, इजरायल संभवतः इस नयी कमजोरी का फायदा उठाने की कोशिश कर रहा है, ताकि सैन्य कार्रवाई में वृद्धि की स्थिति में समन्वय करने की हिज्बुल्लाह की क्षमता को कम किया जा सके. ऐसा करके, इजरायल अपनी व्यापक क्षेत्रीय रणनीति में बढ़त हासिल करने की कोशिश कर सकता है, जिसमें गाजा में हमास को दबाने के साथ-साथ हिज्बुल्लाह के प्रभाव को बेअसर करना भी शामिल है.

हालांकि पेजर विस्फोटों से तत्काल मरने वालों की संख्या नौ थी और यह बढ़ सकती है क्योंकि 2,800 घायलों में से कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है, लेकिन इन विस्फोटों के व्यापक निहितार्थ और भी अधिक चिंताजनक हैं. लेबनान की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, जो पहले से ही तनावग्रस्त है, के चरमराने का खतरा है. अगर इजरायल व्यापक सैन्य हमले के साथ आगे बढ़ता है, तो सैन्य और नागरिक हताहतों की बाढ़ लेबनान के चिकित्सा ढांचे को उसके टूटने के बिंदु पर पहुंचा देगा. चिकित्सा सेवाओं पर यह संभावित दबाव न केवल घायल लड़ाकों के इलाज की देश की क्षमता में बाधा उत्पन्न करेगा, बल्कि नागरिक हताहतों की संख्या बढ़ने के कारण मानवीय संकट भी पैदा करेगा. व्यापक भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से, इज़राइल की कार्रवाइयों को एक उच्च-दांव जुआ के रूप में देखा जा सकता है. उत्तर में हिज्बुल्लाह से भिड़ने से गाजा और वेस्ट बैंक में उनके अभियानों के अलावा, इज़राइली बलों के लिए एक तीसरा मोर्चा खुल जायेगा. सतह पर, यह एक जोखिम भरा कदम प्रतीत होगा, जो इज़राइली संसाधनों का अत्यधिक उपयोग करेगा और इसकी सैन्य रणनीति को जटिल बनायेगा. हालांकि, संकटग्रस्त नेतन्याहू सरकार के लिए, यह वृद्धि एक महत्वपूर्ण राजनीतिक उद्देश्य की पूर्ति कर सकती है. नेतन्याहू का प्रशासन महत्वपूर्ण आंतरिक और अंतरराष्ट्रीय दबाव में रहा है, जिसमें चल रहे संघर्ष एक एकीकृत राष्ट्रीय कारण प्रदान करते हैं. एक बहु-मोर्चा युद्ध नेतन्याहू को राष्ट्रीय सुरक्षा की आड़ में राजनीतिक शक्ति को मजबूत करने, आलोचना को दूर करने और घरेलू समर्थन जुटाने में सक्षम बना सकता है. इस संभावित इज़राइली-हिज्बुल्लाह संघर्ष के सबसे खतरनाक तत्वों में से एक आधुनिक युद्ध में प्रौद्योगिकी की भूमिका है. इस पेजर हमले जैसे उन्नत तकनीकी युद्ध का उपयोग, एक व्यापक प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है, जहां शारीरिक लड़ाई शुरू होने से पहले ही दुश्मनों को कमज़ोर करने के लिए गैर-पारंपरिक सैन्य रणनीतियों का इस्तेमाल किया जाता है. हिज़्बुल्लाह के संचार ढांचे को निशाना बनाकर, इज़राइल संभावित ज़मीनी या हवाई हमले का प्रभावी ढंग से जवाब देने की उसकी क्षमता को कमज़ोर करने का प्रयास कर रहा है.

इस टकराव के महत्वपूर्ण क्षेत्रीय परिणाम भी हैं. ईरान के साथ हिज़्बुल्लाह के घनिष्ठ संबंधों ने इसे लंबे समय से मध्य पूर्व के नाज़ुक शक्ति संतुलन में एक प्रमुख खिलाड़ी बना दिया है. जबकि ईरान ने हमास और इज़राइल के बीच मौजूदा संघर्ष में सीधे तौर पर शामिल होने से परहेज़ किया है, हिज़्बुल्लाह के प्राथमिक समर्थक के रूप में इसकी भूमिका इसे लेबनान के खिलाफ़ किसी भी इज़राइली कार्रवाई के बीच में रखती है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> लेबनान की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, जो पहले से ही तनावग्रस्त है, के चरमराने का खतरा है. अगर इजरायल व्यापक सैन्य हमले के साथ आगे बढ़ता है, तो सैन्य और नागरिक हताहतों की बाढ़ लेबनान के चिकित्सा ढांचे को उसके टूटने के बिंदु पर पहुंचा देगा. चिकित्सा सेवाओं पर यह संभावित दबाव न केवल घायल लड़ाकों के इलाज की देश की क्षमता में बाधा उत्पन्न करेगा.

युवाओं में क्यों बढ़ रहा बेबसी का भाव

• विमर्श

विश्वनाथ सचदेव

अपने हालिया अमेरिकी दौरे के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी अमेरिका में बसे भारतीयों को पिछले एक दशक में हुए भारत के विकास का विवरण दे रहे थे. उन्होंने आंकड़े देकर बताया कि इस दौरान भारत में कितने आईआईटी और कितने आईआईएम खोले गए. उनका यह भाषण देश के टीवी चैनलों पर शायद लाइव दिखाया जा रहा था. मुम्बई की लोकल गाड़ी में मेरे साथ बैठे कुछ युवा मोबाइल पर यह सब देख रहे थे. तभी उनमें से एक बोल पड़ा, 'इनको पता ही नहीं है कि देश के कितने नौजवान बेकार बैठे हैं' वह आगे कुछ और भी कह रहा था, पर मेरा ध्यान इसी वाक्यांश पर अटक गया कि 'इनको पता ही नहीं है.' इनको यानी उन सबको जिनके कंधों पर यह जानने का बोझ है कि उनकी नीतियों से देश का नौजवान कितना लाभान्वित हो रहा है. उस दिन एक खबर आई थी टी.वी. पर. खबर हरियाणा के बारे में थी, जहां आजकल दिन-रात हमारे नेतागण अपनी तारीफों और दूसरों की बुराइयों में लगे हुए हैं. खबर में बताया गया था कि सफाई कर्मचारी के पद पाने के लिए तीन लाख 95 हजार युवाओं ने आवेदन किया है. खबर में यह भी बताया गया था कि इनमें से चालीस हजार तो स्नातक पदवीधारी हैं और लगभग सवा लाख बारहवीं पास हैं! कोई भी काम छोटा नहीं होता, लेकिन इस खबर से यह तो पता चल ही रहा है कि हमारी शिक्षा व्यवस्था का नागरिकों के जीवन-यापन से कितना और कैसा रिश्ता है. सफाई का काम कर पाने के लिए किसी को कितनी पढ़ाई करने की आवश्यकता है? किसी का स्नातक होना तो इसकी अर्हता हो ही नहीं सकती. होनी भी नहीं चाहिए. सफाई कर्मचारी की नौकरी पाने के लिए तो यह लगभग चालीस हजार युवा नहीं पढ़ रहे थे. कुछ सपने होंगे इनके भी. निश्चित रूप से जीवन की विवशताओं के समक्ष हार मानने के बाद ही इन युवाओं ने इस नौकरी के लिए आवेदन किया होगा. क्या उन्हें यह बात पता है जिन्हें पता होनी चाहिए? मुम्बई की लोकल गाड़ी में सफर करने वाले उस युवक ने अपने प्रधानमंत्री का भाषण सुनते हुए कहा था, 'इन्हें पता ही नहीं है' सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनमी (सीएमआईई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, अखिल भारतीय बेरोजगारी की दर 9.2 प्रतिशत है. अपने विकसित देश होने का सपना देखने वाले देश के लिए ये आंकड़े चिंता और शर्म दोनों का विषय होने चाहिए. हमारे नेता यह बात करते नहीं थकते कि पिछले एक दशक में हमारी अर्थव्यवस्था 90 प्रतिशत बढ़ गई है और भारत के लोग नए विश्वास से भरे हुए हैं. ये दोनों बातें सही हो सकती हैं, पर इस तथ्य को नहीं भुलाया जाना चाहिए कि आज देश में रोजगार के अवसर उतने नहीं हैं जितने होने चाहिए. आईआईएम और आईआईटी संबंधी दावों के बरक्स सच्चाई यह भी है कि हमारे विश्वविद्यालयों में से एक भी ऐसा नहीं है जिसकी गणना दुनिया के श्रेष्ठ समझे जाने वाले पहले सौ विश्वविद्यालयों में की जा सकती हो! अमेरिका में अपने भाषण में प्रधानमंत्रीजी ने हमारे सदियों पुराने विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से साकार करने का सपना दिखाया है. कौन नहीं चाहेगा कि उनका यह सपना साकार हो? पर इस सच्चाई को भी नहीं झुठलाया जा सकता कि अमेरिका में बसे जिन भारतीयों को वे संबोधित कर रहे थे, उनमें से अधिसंख्य वहां के श्रेष्ठ समझे जाने वाले विश्वविद्यालयों में पढ़ने गए थे. यूक्रेन और बांग्लादेश जैसे छोटे देशों में भी हमारे देश के विद्यार्थी पढ़ने जा रहे हैं! बेहतर स्वास्थ्य, बेहतर शिक्षा और बेहतर जीवन-स्तर किसी भी देश के विकसित होने को सही तरीके से परिभाषित करते हैं. किसी भी अर्थव्यवस्था की सफलता और मजबूती का बुनियादी मानदंड यही है कि हर हाथ को काम, हर सिर को छत, और हर नागरिक को आगे बढ़ने का उचित और पर्याप्त अवसर मिले. जब व्यक्ति को चाहने और प्रयास करने पर भी अपनी योग्यता और क्षमता के अनुरूप कार्य नहीं मिलता, तो अर्थव्यवस्था में बेरोज़गारी अपना सिर उठाने लगती है. दावे या वादे भले ही कुछ भी किए जा रहे हों, सच्चाई यह है कि आज देश का युवा अपने आप को असहाय पा रहा है. यह स्थिति बदलनी ही चाहिए. यह मानना गलत होगा कि हमारे नेतृत्व को यह सब पता नहीं है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

> आईआईएम और आईआईटी संबंधी दावों के बरक्स सच्चाई यह भी है कि हमारे विश्वविद्यालयों में से एक भी ऐसा नहीं है जिसकी गणना दुनिया के श्रेष्ठ समझे जाने वाले पहले सौ विश्वविद्यालयों में की जा सकती हो! अमेरिका में अपने भाषण में प्रधानमंत्रीजी ने हमारे सदियों पुराने विख्यात नालंदा विश्वविद्यालय को फिर से साकार करने का सपना दिखाया है.

मीडिया में अन्यत्र

वायु प्रदूषण से मिलकर लड़ने की जरूरत है

दक्षिण-पश्चिम मानसून के समापन की ओर बढ़ने के साथ, उत्तर भारत (खासकर सिंधु-गंगा का मैदान) जाड़े में हर साल बढ़ने वाले प्रदूषण के लिए खुद को तैयार कर लेता है. इसी हफ्ते, प्रधानमंत्री कार्यालय के एक शीर्ष अधिकारी ने दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधियों के साथ-साथ, दिल्ली के कई मंत्रालयों के प्रमुखों की एक बैठक बुलायी. इसका मकसद दिल्ली में हवा की गुणवत्ता को भयावह रूप से बिगड़ने से रोकने के लिए उठाये गये कदमों का आकलन करना था. हालांकि वाहनों द्वारा उत्सर्जन, सड़क व निर्माण कार्य की धूल, ठोस कचरा प्रबंधन और डीजल सेट से होने वाले प्रदूषण को वर्षों से उत्सर्जन के मुख्य स्रोतों के रूप में शुमार किया जाता रहा है, लेकिन पंजाब व हरियाणा में धान की पुआल जलाये जाने को अक्टूबर-नवंबर के दौरान कुल प्रदूषण के 40 फीसदी के लिए जिम्मेदार माना जाता है. हरियाणा के 80 लाख टन की तुलना में पंजाब में इस साल 1.952 करोड़ टन धान की डंठल निकलने की उम्मीद है. बैठक में, दोनों राज्यों ने इस साल धान की पुआल जलाये जाने के "अंत" का वादा किया है. यकीनन, पिछले नवंबर में, सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह पुआल जलाने को पूरी तरह बंद करने का स्पष्ट आदेश दिया था. इस साल उसने केंद्र से यह जानकारी मांगी है कि इस समस्या से निपटने के लिए क्या कदम उठाये गये हैं. क्या राज्य अनुपालन कर सकते हैं, यह देखा जाना बाकी है.सन् 2023 के फसल कटाई के मौसम में, 2022 के मुकाबले पुआल जलाने की घटनाओं की तादाद में 59 फीसदी की गिरावट देखी गयी. हरियाणा में भी 40 फीसदी की गिरावट रही, लेकिन उत्तर प्रदेश में 30 फीसदी की वृद्धि देखी गयी. समस्या से निपटने के उपाय (डंठल जलाने से रोकने के लिए आर्थिक प्रोत्साहन के साथ-साथ दंडात्मक उपायों की व्यवस्था करना) मालूम होने के बावजूद, इन्हें लागू करना चुनौती बना हुआ है. पंजाब का कहना है कि उसे उम्मीद है कि वह फसल अवशेष के खेत में प्रबंधन के जरिए 1.15 करोड़ टन धान के डंठल का प्रबंधन कर लेगा और बाकी का प्रबंधन खेत से बाहर वाले तरीकों से किया जायेगा. इसी तरह, हरियाणा 33 लाख टन का खेत में प्रबंधन करेगा और बाकी के लिए खेत से बाहर वाले तरीके अपनायेगा. इसके अलावा, एनसीआर क्षेत्र के 11 ताप विद्युत संयंत्रों में 20 लाख टन पुआल दूसरे ईंधनों के साथ जलाया जायेगा. **(द हिंदू)**

शब्द चर्चा — डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

आस्तिक/आस्तीक

सुधाकर पक्का आस्तिक है. उसे ईश्वर पर पूरा भरोसा है, लेकिन उसका दोस्त निखिल उतना ही पक्का नास्तिक है. इस वाक्य से तो आप समझ ही गये होंगे कि आस्तिक का मतलब ईश्वर में विश्वास करनेवाला होता है. आस्तिक शब्द संस्कृत के अस्ति शब्द से बना है, जिसका अर्थ 'यह है' या 'है' होता है. जैसे कहते हैं-तत्र एकः स्वानः अस्ति. मतलब वहां एक कुत्ता है. अस्ति का अर्थ है वर्तमान होने की अवस्था या भाव, सत्ता, विद्यमानता, पुराणों के अनुसार जरासंध की पुत्री जिसका विवाह कंस से हुआ था. इससे बना शब्द अस्तित्व है, जो तत्सम संज्ञा पुल्लिंग है और इसका मतलब है वजूद, होने का भाव, हस्ती, हैसियत, सत्ता, विद्यमानता, मौजूदगी, उपस्थिति यानी आस्तिक शब्द उस व्यक्ति का विशेषण है, जो ईश्वर पर विश्वास करता है. आस्तिक वह व्यक्ति है, जो वेद, ईश्वर और परलोक पर विश्वास करता है, जो मनसा, वाचा और कर्मणा किसी को दुख नहीं देता, जो रचयिता यानी परमात्मा और रचना यानी हम मनुष्य, आत्मा, प्रकृति, जीव जंतु आदि के अंतर को जानता है. आस्तिक वह व्यक्ति है जो अपने जीवन में जो मिला है, उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ता है. इसका विपरीतार्थक शब्द है नास्तिक. मतलब जो 'न अस्ति' यानी 'नहीं है' में विश्वास करता है. नास्तिक उसे कहते हैं जो ईश्वर के अस्तित्व, परलोक और मृत्यु पश्चात जीवन में विश्वास नहीं करते. चार्वाक दर्शन जिसे लोकायत दर्शन भी कहते हैं, भारत में नास्तिक दर्शन कहलाता है और उसके अनुयायी नास्तिक कहे जाते हैं. आस्तिक का श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द है आस्तीक. सामान्यतः लोग इस शब्द को अशुद्ध या निरर्थक कह सकते हैं, लेकिन यह सार्थक शब्द है. वर्धा हिंदी शब्दकोश के अनुसार आस्तीक शब्द का प्रयोग महाभारत में एक ऋषि के लिए हुआ है, जिन्होंने जनमेजय के नागयज्ञ में तक्षक नाक सर्प को भस्म होने से बचाया था. पुराणों के अनुसार आस्तीक ऋषि जरत्कारु और नाग कन्या मनसा के पुत्र थे. उनके मामा गणेश जी, कार्तिकेय जी भगवान अयप्पा थे.

दुनिया में जो आये हैं तो जीना ही पड़ेगा

• तीर-तुक्का

डॉ. रामवृक्ष सिंह

हमारे होनहार मार्केटिंग महारथियों ने महंगाई को कमतर दिखाने का एक तोड़ निकाल लिया है. पहले जो चाय-पत्ती का पैकेट आपको पैंसठ रुपये में मिलता था, वह महंगाई बढ़ने के बाद भी पैंसठ में ही मिल रहा है. बस फर्क इतना आया है कि पहले उसमें पाव भर यानी टू फिफ्टी ग्राम चाय-पत्ती रहती थी, अब उससे लगभग पंद्रह प्रतिशत कम यानी टू फिफ्टीन ग्राम चाय रहती है. बेचने वाले से पूछो तो वह युधिष्ठिरी सत्य बोलता है- टू फिफ्टी(न) ग्राम है. न का उच्चारण वह वैसे ही खा जाता है, जैसे धर्मराज युधिष्ठिर ने- नरो वा कुंजरो वा- बोलते समय किया था. उपभोक्ता को जब तक इसका बोध होता है, वह सदमे की क्रिटिकल स्टेज से बाहर निकल चुका है और संतोष कर लेता है-दुनिया में जो आए हैं तो जीना ही पड़ेगा. कुछ-कुछ इसी तर्ज़ पर अपने अर्थशास्त्री लोगों ने एक झटके में देश की ग़रीबी घटाने का उपाय खोज निकाला है. अंतरराष्ट्रीय रूप से यदि किसी व्यक्ति की क्रय-शक्ति प्रति दिन सवा डॉलर से कम है तो वह गरीब है. इस लिहाज से अपने देश के लगभग 40 प्रतिशत लोग अत्यधिक गरीब हैं. इस दृष्टिकोण में केवल भोजन को आधार बनाया गया है और स्वास्थ्य, शिक्षा आदि पर तनिक भी ध्यान नहीं दिया गया है. इसीलिए कभी-कभी गरीबी रेखा को भुखमरी रेखा का नाम भी दिया जाता है. वस्तुओं के दाम बढ़ने के कारण एक ओर इस मानदंड को बढ़ाकर सवा डॉलर के बजाय दो डॉलर करने की बात हो रही है, वहीं दूसरी ओर हमारे देश में इसे घटाकर लगभग साढ़े अट्ठाईस रुपये कर दिया गया है. सच कहें तो अपने देश के अर्थशास्त्रियों को यह बिलकुल नहीं सुहाता कि सोने की चिड़िया कहलानेवाले इस भारत में कोई ग़रीब रहे. इसलिए उन्होंने तय किया कि शहरों में अट्ठाईस रुपये और गांवों में बाईस रुपये प्रतिदिन उपभोग करनेवाले लोग गरीब नहीं, बल्कि उसके उलट, यानी सम्पन्न कहलाने के पात्र हैं. इस एक उपाय के करने मात्र से देश की ग़रीबी अचानक गायब हो गई है. अब अपने देश में ग़रीब आदमी ढूंढ़े से भी नहीं मिलेगा, क्योंकि शहरों में अट्ठाईस और गांवों में बाईस रुपये दैनिक का व्यय तो हर कोई करता है, आबाल-वृद्ध. बल्कि हमें तो लगता है कि गरीब आदमी को अब अपने देश की लुप्त-प्राय प्रजाति घोषित करके उसके संरक्षण की व्यवस्था करनी पड़ेगी. ताकि आनेवाली पीढ़ियों को बताया और दिखाया जा सके कि देखो गरीब इसे कहते हैं. हमें बड़ा डर लग रहा है कि यह गुरुतर दायित्व कैसे पूरा होगा. अब अपने यहां गरीब तो रहे नहीं.

सुकून

लक्षण पहचानिए और दूर करें बर्नआउट

डॉ आनंद श्रीवास्तव

कामकाजी युवा आबादी में जीवनशैली संबंधी बीमारियों, एसिडिटी और संबंधित गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल विकारों की बढ़ती घटनाएं, इस ओर साफ इशारा करती हैं कि ऑफिस या कार्यस्थल पर किस हद का तनाव होता है. इनके पास 'अपने लिए' बहुत कम समय होता है. तनाव और थकान की वजह से टार्गेट के हिसाब किताब में उलझे रहते हैं. इसकी वजह बर्नआउट (मानसिक थकावट) है, जोकि मात्रा और तीव्रता दोनों ही लिहाज से बढ़ रहा है.

तीन गुना तक बढ़ा बर्नआउट

दिल्ली के विद्यासागर इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ, न्यूरो एंड अलायड साइंसेज (विमहांस) में कंसलटेंट साइकियाट्रिस्ट डॉ. एस गजानन कहते हैं, हाल के दिनों में काम संबंधित तनाव और बर्न आउट से प्रभावित लोगों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है. ह्यूमन रिसोर्स प्रोफेशनल्स भी मानते हैं कि पिछले दो-तीन वर्षों में बर्नआउट की समस्या तीन गुना तक बढ़ गई है. एक प्रतिष्ठित प्लेसमेंट एजेंसी में सीनियर मैनेजर जयदीप पाहवा (नाम परिवर्तित) के मुताबिक पिछले दो-तीन वर्षों में बर्नआउट के मामले कई गुना बढ़ गए हैं, खासतौर पर सीनियर मैनेजमेंट पोजीशन पर सेवाएं दे रहे लोगों में. पाहवा कहते हैं, ' दरअसल, पिछले कुछ वर्षों से सीईओ लेवल पर काम करने वाले लोगों से अपेक्षाएं कई गुना बढ़ गई हैं. स्टेकहोल्डर्स की उन पर पैनी नजर रहती है. काम की पेचीदगियों और ज्यादा काम की वजह से उन पर बहुत ज्यादा दबाव रहता है. बकौल पाहवा, यह नौकरी शेर की सवारी की तरह है. इसकी वजह से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं, वैवाहिक समस्याएं, नींद में गड़बड़ी, मानसिक समस्याएं, शराब पीना और यहां तक कि उनका चरित्र भी प्रभावित होता है.

पहचानिए लक्षण

डॉ. गजानन कहते हैं कि जॉब बर्नआउट काम से जुड़ा एक प्रकार का तनाव होता है जिसमें शारीरिक या भावनात्मक रूप से थकावट शामिल होती है. बर्नआउट के पीछे अवसाद (ट्रामा) जैसी अन्य स्थितियां भी होती हैं. लेकिन अवसाद और बर्नआउट अलग-अलग हैं, और उन्हें अलग-अलग तरह के उपचार की आवश्यकता होती है. आपको जॉब बर्नआउट है या नहीं और आप इसके बारे में क्या कर सकते हैं, यह पता करने के लिए आप इन लक्षणों पर गौर कर सकते हैं.

- क्या आप अपने काम के मूल्य पर सवाल उठाते हैं?
- क्या कोई काम शुरू करने में आपको परेशानी होती है?
- क्या आप अपने काम और अपने साथ काम करने वाले लोगों से अपने को अलग-थलग महसूस करते हैं?
- क्या आप सहकर्मियों या ग्राहकों के साथ बातचीत में धैर्य खो देते हैं?
- क्या आपमें अपना काम अच्छी तरह से करने की ऊर्जा की कमी महसूस होती है?
- क्या अपने काम पर ध्यान केन्द्रित करने में परेशानी होती है?
- क्या आप अपने काम से संतुष्ट नहीं हैं?
- क्या आप अपनी नौकरी से निराश महसूस करते हैं?
- क्या आपको अपनी योग्यता और कौशल पर संदेह है?
- क्या आप बेहतर महसूस करने के लिए या अपनी भावनाओं को नियंत्रित करने के लिए दवा या शराब का प्रयोग कर रहे हैं?
- क्या आपकी नींद की आदतें बदल गई हैं?
- क्या आपको सिरदर्द, पेट या आंत संबंधी समस्याएं, या अन्य शारीरिक शिकायतें हैं, जिनका कोई ज्ञात कारण नहीं है?

अगर आपके पास इनमें से किसी भी सवाल का जवाब हां में है, तो संभव है कि आपको जॉब बर्नआउट हो. बिना समय गवांए आपको किसी साइकियाट्रिस्ट से परामर्श लेना चाहिए. हालांकि यह ध्यान देने वाली बात है कि ये सभी लक्षण, अवसाद जैसी स्वास्थ्य स्थितियों से भी जुड़े हो सकते हैं.

ऐसी स्थिति में क्या करें

अपनी चिंताओं के बारे में अपने बॉस से बात करें. शायद आप दोनों मिलकर बदलाव ला सकें या समस्याओं का समाधान कर सकें. जो काम किया जाना चाहिए, उसके लिए यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें. पता लगाएं कि क्या काम बाद में किया जा सकता है. अगर काम पर चीज़ें बदलने की संभावना नहीं है, तो आप ऐसी नौकरी की तलाश कर सकते हैं जो आपके लिए बेहतर हो. सहकर्मियों, मित्रों या प्रियजनों से सहायता मांगें. दूसरों से बात करने से आपको इससे निपटने में मदद मिल सकती है. भरपूर नींद लेने की कोशिश करें. माइंडफुलनेस रहिए यानी अपने अंदर और अपने आस-पास क्या चल रहा है, इसके बारे में बिना किसी निर्णय या प्रतिक्रिया के जागरूक होना. यह अभ्यास आपको काम पर होने वाली थकान और तनाव से निपटने में मदद कर सकता है.

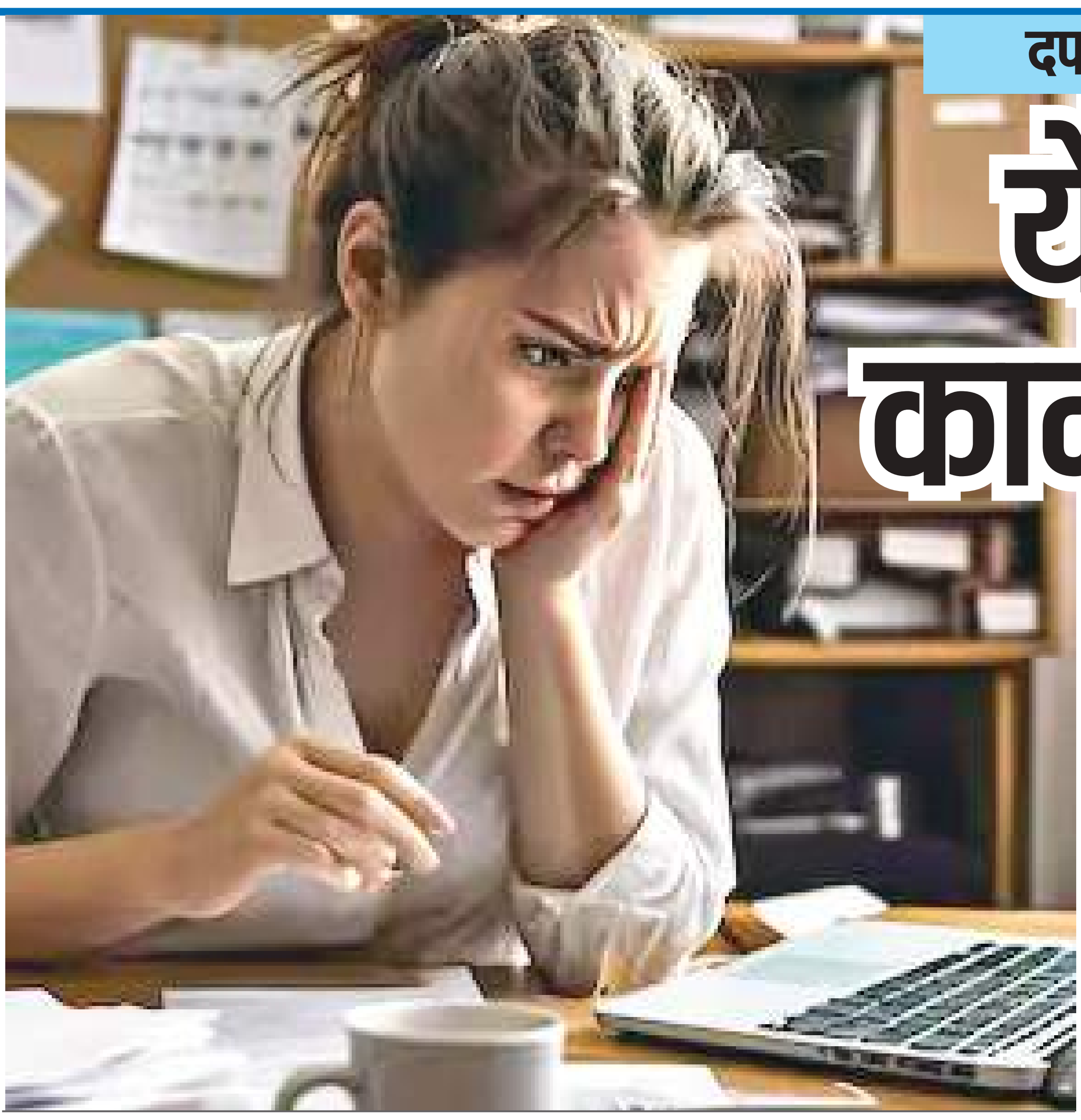

दफ्तर में नहीं बनें...

ये बेचारा काम का मारा

पिछले दिनों पुणे के ई वाई कंपनी में सीए लड़की की तनाव से मौत की खबर सामने आई. यह मामला जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, ऊंची-ऊंची कंपनियों व कार्यस्थलों के शोषण की दास्तां भी विविध रंगों में सामने आने लगी. दरअसल कुछ समय से वर्क मैनेजमेंट कभी वर्कोहॉलिक तो कभी टफ टास्क मास्टर जैसे शब्दों को मान्यता दे कर तो कभी 18-20 घंटे काम करने की मुफ्त सलाह देकर शोषण और स्ट्रेस को हवा दे रहे हैं. ऐसे में ये खबरें आश्चर्यजनक नहीं हैं. परिस्थितियों को रातों रात बदलना खुद के हाथ में नहीं, पर आपने वर्कलोड को कैसे हैंडल करें, इस पर कुछ सुझावों पर विचार जरूर किया जा सकता है-

▪ जानें क्या है महत्वपूर्ण

खुद से सवाल पूछें, कौन से कार्य और प्रोजेक्ट आपके काम पर सबसे ज़्यादा प्रभाव डालेंगे? एक बार जब आप जान जाते हैं कि सबसे महत्वपूर्ण क्या है, तो आप अपनी ऊर्जा उन चीज़ों पर केंद्रित कर सकते हैं और कम महत्वपूर्ण कार्यों को छोड़ सकते हैं.

▪ प्राथमिकता तय करें

एक बार जब आप जान जाते हैं कि सबसे महत्वपूर्ण क्या है, तो कुछ प्राथमिकताएं निर्धारित करने की दरकार होती है. सबसे पहले क्या किया जाना चाहिए? कौन से काम बाद में किए जा सकते हैं? शुरू करने के लिए एक अच्छी जगह यह है कि आप अपने कार्यों को डेट या टाइम लिमिट के अनुसार क्रमबद्ध करें. 96% लोगों को लगता है कि काम करने के लिए एक टू-डू सूची होने से वे अधिक बेहतर परफॉर्मेंस कर पाते हैं. साथ ही यह आपको किसी कार्य को समय से पहले पूरा करने के तनाव से भी बचाता है. एक बार प्रायोरिटी तय हो जाए तो आप अपनी ऊर्जा सबसे महत्वपूर्ण कार्यों पर केंद्रित कर पाएंगे और उन्हें अधिक तेज़ी से और कुशलता से पूरा कर पाएंगे.

▪ काम सौंपे

अपने कार्यभार को प्रबंधित करने के सबसे अच्छे तरीकों में से एक है काम सौंपना और आउटसोर्स करना. खास तौर पर अगर आपके पास कर्मचारियों की एक टीम है. अगर ऐसे काम हैं जो कोई और व्यक्ति आपसे बेहतर तरीके से कर सकता है, तो उन्हें काम सौंप दें! ऐसे में आप उन कामों पर ध्यान केंद्रित कर सकेंगे जो आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं. जरुरत पड़े तो कामों को पेशेवरों या सेवाओं को आउटसोर्स भी कर सकते हैं.

▪ ब्रेक लें

जब आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हों, तो ब्रेक लेना ज़रूरी है. भले अभी यकीन न कर पाएं, पर इससे बेहतर परिणाम होगा. अपने काम से दूर हटें और अपने लिए कुछ समय निकालें, चाहे वह टहलने जाना हो, संगीत सुनना हो या बस पांच मिनट आराम करना हो. ब्रेक लेने से आपको तरोताज़ा रहने और काम पर वापस लौटने पर ज़्यादा उत्पादक होने के लिए ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी.

▪ व्यवस्थित रहें

अपने कार्यस्थल को साफ और सुव्यवस्थित रखें, और सुनिश्चित करें कि आपकी सभी फ़ाइलें व्यवस्थित हों. डेस्कटॉप और गूगल ड्राइव की फाइलें भी व्यवस्थित हों. एक सिस्टम होने से आपको अपने काम पर ध्यान देने में मदद मिलेगी. किसी फ़ाइल की ज़रूरत होने और उसे न ढूंढ पाने से बुरा कुछ नहीं हो सकता.

▪ वास्तविकता के करीब हो टार्गेट

जब वर्कलोड कम करना चाहते हैं तो आपका टार्गेट भी वास्तविकता के करीब होना जरूरी है. यदि आप अवास्तविक लक्ष्य निर्धारित करते हैं, तो जब आप सब कुछ पूरा नहीं कर पाते हैं, तो आपके तनावग्रस्त होने की आशंका अधिक होती है.

▪ ना कहना सीखें

'नहीं'...यह छोटा सा शब्द आपकी कई समस्या का समाधान हो सकता है. आप पर पहले ही बहुत काम हैं और उसे ही नहीं पूरा कर पा रहे हैं तो नए प्रोजेक्ट या ऑफर्स/ आग्रह को ठुकरा देना ठीक है. आपको सब कुछ करने की ज़रूरत नहीं है, और कभी-कभी कुछ चीज़ों पर ध्यान केंद्रित करना और उन्हें अच्छी तरह से करना बेहतर होता है, बजाय इसके कि आप बहुत ज़्यादा काम करने की कोशिश करें और तनावग्रस्त महसूस करें.

▪ टालमटोल न करें

टालमटोल प्रोडक्टिविटी का दुश्मन है. अगर आप पाते हैं कि आप महत्वपूर्ण कार्यों को टाल रहे हैं और कुछ और कर रहे हैं, तो रुकें! जो काम करने हैं उनकी एक सूची बनाएं और एक समय में एक काम करना शुरू करें. जितनी जल्दी आप काम शुरू करेंगे, उतनी ही जल्दी आप काम पूरा कर लेंगे.

▪ टाइम मैनेजमेंट टूल इस्तेमाल करें

कभी-कभी दिन आपका समय बरबाद कर देता है, चाहे वह मीटिंग में हो या कामों में. लेकिन ऑनलाइन या ऐप के रूप में कई बेहतरीन टाइम मैनेजमेंट टूल उपलब्ध हैं. ये इस बात पर नज़र रखने में मददगार हो सकते हैं कि आप अपना समय कैसे बिताते हैं, लक्ष्य निर्धारित करते हैं और ट्रैक पर बने रहते हैं. इनका उपयोग करें, यकीनन आपकी प्रोडक्टिविटी बढ़ेगी.

▪ मल्टीटास्किंग से बचें

मल्टीटास्किंग से काम पूरा करना मुश्किल हो सकता है, इसलिए जब भी संभव हो इससे बचें. इससे उत्पादकता में 40% की कमी भी आ सकती है. एक समय में एक ही काम पर काम करना और उस पर पूरा ध्यान देना आपके काम को बेहतर तरीके से करने का एक तरीका है. इससे आपको ध्यान केंद्रित करने और उत्पादक बने रहने में मदद मिलेगी.

▪ सीमाएं तय करें

सीमाएं तय करना ज़रूरी है. इस बात को स्वीकार करना होगा कि आप सब कुछ नहीं कर सकते. अपनी सीमाएं जानें और उसके अनुसार ही काम करें. इससे आपको तनावग्रस्त महसूस करने से बचने में मदद मिलेगी. सीमाएं तय करना आपकी टीम पर भी लागू हो सकता है. आप उन्हें बता सकते हैं कि आप कब उपलब्ध नहीं हैं और कब आपको ध्यान केंद्रित करने के लिए समय चाहिए. अपने कैलेंडर में समय निर्धारित करके या अपनी ऑनलाइन स्थिति को 'दूर' रखकर ऐसा करें.

▪ अपना ख्याल रखें

यह छोटी सी लगने वाली बात बेहद महत्वपूर्ण है. अपना ख्याल रखना ज़रूरी है. सुनिश्चित करें कि आप हेल्दी डाइट ले रहे हैं, व्यायाम कर रहे हैं और पर्याप्त नींद ले रहे हैं. जब आप अपने शरीर का ख्याल रखेंगे, तो काम भी बेहतर करेंगे.

▪ सकारात्मक दृष्टिकोण रखें

जब आप मुस्कुराते हैं, तो यह अपने आप ही आपको अधिक उत्साहित और खुशनुमा बना देता है. यह आश्चर्यजनक है कि यह आपको कठिन समय और चुनौतीपूर्ण कार्यों से निपटने में कितनी मदद कर सकता है.

▪ सीखते रहें

नए कौशल सीखना, चाहे वह नया सॉफ़्टवेयर सीखना हो या समय बचाने का कोई नुस्खा, यह हमेशा आपके काम को आसान बना देगा. साथ ही, अपने सीवी में जोड़ने के लिए नए कौशल होने से आपको अपने करियर में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है.

▪ परफेक्टिनिस्ट नहीं बनें

बेशक अपना बेस्ट देना, 100% देना अच्छी बात है, लेकिन यह हमेशा संभव नहीं. वर्कलोड स्टेस से बचना है तो परफेक्टिनिस्ट बनने से बचें. कभी-कभी खुद को माफ करें और की गई किसी भी गलती से सीखें.

▪ उपलब्धियों का जश्न मनाएं

एक कदम पीछे हटकर यह देखना ज़रूरी है कि आप रोज़ाना क्या हासिल करते हैं. इससे आपको प्रेरित रहने और अपने लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलेगी. और अगर आपकी टीम है, तो सुनिश्चित करें कि जब वे अच्छी चीज़ें हासिल करें तो आप भी जश्न मनाएं. यह हमेशा 'बड़ी' चीज़ें ही नहीं होतीं, यह बेहतरीन टीमवर्क जैसी चीज़ें भी हो सकती हैं.

यात्रा वृतांत

खुशहाली का दूसरा नाम है- डेनमार्क!

किरण निशांत

बचपन से पढ़ती-सुनती आयी थी कि दूर कहीं एक छोटा-सा देश है डेनमार्क, जहां दूध की नदियां बहती हैं. जब डेनमार्क पहुंची तो नदियां मिलीं- दूध की नदी तो नहीं- साफ, स्वच्छ, पारदर्शी, नीले रंग की सुंदर नदियां. दरअसल दुनिया के खुशहाली के सूचकांक में जिन कुछ देशों का नाम ऊपर आता है, डेनमार्क उनमें अव्वल है. सचमुच खुशहाली से भरा है यहां के लोगों का जीवन. तभी इस देश के लिए वह मुहावरा बना होगा- जहां दूध की नदियां बहती है... डेनमार्क आकर कोई भी इस देश से प्रेम किये बगैर नहीं रह सकता. स्कैंडिनेवियन देशों की प्राकृतिक खूबसूरती के साथ ही यहां की विशिष्ट भौगोलिक स्थिति, विशिष्ट संस्कृति, वातावरण की शुद्धता, पर्यावरण के प्रति आम नागरिक का दायित्व बोध, लोगों की खुश रहने की प्रवृत्ति, कुल मिला कर इसे विशेष बना देते हैं. इन्हीं बातों से प्रेरित मैं इस बार स्कैंडिनेवियन देशों को देखने निकल पड़ी, जिनमें डेनमार्क के साथ ही नॉर्वे, स्वीडन और फ़िनलैंड आते हैं. ये सभी देश उत्तरी यूरोपीय क्षेत्र का एक हिस्सा है.

▪ बिना बालकनी के घर

स्कैंडिनेवियन देशों को नोर्डिक देश भी कहते हैं, जहां साल में दस महीने ठंड रहती है और ठंड में बर्फ अलग से गिरती है, जिस कारण लोगों को अपने जीवन का बड़ा हिस्सा घर के अंदर बिताना पड़ता है. इसलिए इनके घरों के डिजाइन भी सामान्य से अलग होते हैं. यहां के घर बहुत ही सादा, लेकिन आधुनिक थे. ज़्यादातर घरों में बालकनी नहीं होती, क्योंकि अधिक ठंड के कारण बालकनी में बैठने, खड़े होने का मौका ही नहीं होता, अलग से हवा भी आती है. इनके घरों की डिजाइन सीधा- सादा होने के साथ ही फंक्शनल होने के कारण दुनिया भर में मशहूर है.

▪ सशक्त स्त्रियों का देश

मैंने सुना था, नोर्डिक देशों की स्त्रियां बहुत सशक्त होती हैं. उनके कई महत्वपूर्ण अधिकार हैं जो केवल कागजी नहीं हैं, जिनका उपयोग यहां की स्त्रियां करती हैं. शादी जैसी संस्थाओं का कोई दबाव नहीं होता न इसके लिए तय उम्र का बंधन. समान काम के लिए समान वेतन का प्रावधान है. शादी के बिना ही स्त्री-पुरुष साथ रहते हैं, मर्जी हो तो बच्चे भी पैदा करते हैं, जिन्हें कोई हेय नहीं समझता. जब मर्जी हुई, कोई पसंद आया/आयी शादी कर लेते हैं. तलाक भी बहुत आसान होता है. कहने का मतलब यह कि यहां रिश्तों में जड़ता या रूढ़ि नहीं होती. किसी भी रिश्ते से ऊपर मानवता का, व्यक्तिगत इच्छा का, सुख का स्थान होता है.

▪ किताब के पन्नों से कहीं अधिक खूबसूरत

यूरोप में स्थित डेनमार्क देश की राजधानी कोपेनहेगन है. इसकी भू-सीमा केवल जर्मनी से मिलती है, जबकि उत्तरी सागर और बाल्टिक सागर, इसे स्वीडन से अलग करते हैं. यह देश जूटलैंड प्रायद्वीप पर हज़ारों द्वीपों में फैला हुआ है. मैं किसी नये देश में जाने पर वहां के शहरों में बाजार, सड़कों और गलियों पर घूमना पसंद करती हूं, ताकि स्थानीय लोगों से मिल सकूं, वहां की संस्कृति को जान सकूं. इसी मंशा से मैं अपने होटल से अपनी दोस्त मंजुला के साथ डेनमार्क की गलियों की खाक छानने, लोगों से गप करने निकल पड़ी थी. स्कूल जा रही कुछ लड़कियां मिलीं. थोड़ी-सी बात हुई उनसे, उनका समय लेना अच्छा नहीं लगा. आगे बढ़ने पर रास्ते में एक किताब की दुकान मिली और मिला वहां काम करने वाला निकोलस. बस, मैं वहीं बैठ गयी, चाय पीते हुए उससे गप करने लगी. निकोलस से बहुत बात हुई, डेनमार्क की संस्कृति के बारे में, वहां लोगों के बारे में, इस देश की खुशहाली के बारे में. डेनमार्क के बारे में किताबों में पढ़ी बातों से कहीं ज्यादा खूबसूरत, विशिष्ट था यह शहर और यहां के लोग. यहां की गलियां, यहां के शहर, यहां के रास्ते.

▪ केनाल में मत्स्य कन्या!

हमारी गाइड एलिन ने हमें शहर दिखने का एक अच्छा रास्ता निकाला. हम केनाल (नहर) के रास्ते से, नाव में बैठ कर पूरे शहर को इसके दर्शनीय स्थानों को देखने निकाल पड़े, जो मनभावन था. शहर का ज्यादा हिस्सा केनाल के दोनों किनारों पर फैला था. हर कुछ दूरी पर पुल बने थे, जो इसके दोनों किनारों को जोड़ रहे थे और शहर को विस्तार दे रहे थे. हम जितनी देर केनाल में घूमते रहे, गाइड की कमेंटरी- इस शहर के बारे में, इसके इतिहास और इसकी संस्कृति, इसकी परम्पराओं के बारे में चलती रही थी. और इसकी खूबसूरती तो हम देखते जा ही रहे थे. केनाल के एक किनारे पर एक आधी मछली, आधी औरत की मूर्ति बनी हुई थी. लोग उसके साथ अपनी तस्वीरें ले रहे थे, और मुझे अपने देश के कथा-कहानियों में वर्णित मत्स्य कन्या याद आ रही थी.

आपके किचन का घी तो है शुद्ध !

तिरुपति के लड्डुओं का विवाद पिछले दिनों उठा था. मामले में कितनी सच्चाई है, यह अभी जाहिर नहीं, पर इस घटना ने हमें फिर एक बार सोचने को विवश कर दिया है कि महंगे दामों में जो हम घी के डिब्बे अपनी किचन में ला रहे हैं, वे कितने शुद्ध हैं. अगर आप भी इन दिनों यही सोच रहे तो जानिए घी की मिलावट को परखने के कुछ आसान से टिप्स...

- एक कटोरे में दो चम्मच घी और 1/2 चम्मच नमक डालें. अब दो बूंद हाइड्रोक्लोरिक एसिड मिलाएं. लगभग 20 मिनट बाद घी का रंग चेक करें. यदि घी लाल या कोई और रंग का दिखाई दे रहा है तो वह मिलावटी है.
- एक गिलास पानी में एक चम्मच में घी डालें. अगर घी पानी में तैरने लगे तो वह शुद्ध है. अगर घी पानी के अंदर डूब जाए तो यह मिलावटी है.
- एक चम्मच घी को हथेलियों पर लेकर करीब दस-बारह मिनट अच्छी तरह मलें. अब इसे सूंघने पर यदि घी में गंध नहीं है तो वह मिलावटी है. शुद्ध घी में एक अलग तरह की सुगंध होती है.
- 3-4 चम्मच घी को एक बर्तन में रखकर आंच में रखें. आंच से उतारने के बाद इसे 24 घंटे के लिए उसी बर्तन में ठंडा होने के लिए छोड़ दें. फिर घी को चेक करें. यदि घी का रंग अब भी पीला है, यह पूरी तरह से जमा हुआ नहीं है, और इसकी गंध पहले जैसी ही तेज बनी है, तो यह शुद्ध घी है.
- किसी बर्तन में पानी रखकर एक दूसरे बर्तन में दो चम्मच घी रखें और इसे गर्म करें. इस डबल-बॉयलर टेस्ट से यह पता लग जाएगा कि आपके घी में किसी तरह के तेल (नारियल, बादाम, तिल) आदि की मिलावट तो नहीं है? इस तरह से तेल और घी अलग-अलग हो जाता है और आपको घी की शुद्धता का पता चलता है. डबल-बॉयलर से जब घी पिघल जाए तो इसे एक कंटेनर में निकाल कर कुछ देर के लिए फ्रिज में रख दें. यदि आपके घी में नारियल का तेल होगा तो घी और तेल की एक अलग-अलग परत आपको भी दिखेगी. अगर ऐसा न हो तो मतलब आपका घी शुद्ध है.
- एक पैन को गर्म करें और उसमें 1 बड़ा चम्मच घी डालें. घी पिघलते हुए अपना रंग बदलने लगेगा. अगर घी ज्यादा गर्म हो जाए और उसका रंग डार्क ब्राउन हो जाए तो मतलब आपका घी एकदम शुद्ध है. अगर आपका घी पिघलने में भी टाइम लें और यह एकदम लाइट येलो हो जाए तो समझिए कि इसमें मिलावट है.
- एफएसएसएआई के मुताबिक अगर घी में स्टार्च की मिलावट है तो किसी कांच की गिलास में एक चम्मच घी को डालें और उसमे एक से दो बूंद आयोडीन डाल दें। घी अगर मिलावटी होगा तो तुरंत रंग बदल जाएगा.
- शुद्ध देसी घी का स्मोकिंग प्वाइंट ज्यादा होता है. आसानी से देसी घी नहीं जलता.

घी में इनकी मिलावट

घी में मिलावट करने के लिए सस्ते और खराब क्वालिटी के तेल जैसे वेजिटेबल तेल, पिघला हुआ बटर, डालडा और हाइड्रोजेनेटेड तेल का इस्तेमाल किया जाता है. इसके अलावा इसमें आलू और शकरकंद को मसल कर भी मिलाया जाता है. केमिकल, नकली एसेंस, कोलतार की भी मिलावट घी में की जाती है. जानवरों की चर्बी को पिघलाकर उससे भी घी बनाने की खबर सामने आती रहती है.

रखें ध्यान

संभव हो तो घर में ही बनाएं.

- घी हमेशा विश्वसनीय दुकान से ही खरीदें.
- हमेशा एफएसएसएआई से अप्रूव देसी घी को ही खरीदें.
- लोकल ब्रांड और सस्ते घी के चक्कर में ना पड़ें.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

लीमा विश्व चैंपियनशिप : भारतीय जूनियर निशानेबाजों ने दो टीम स्वर्ण पदक जीते

भारत पदक तालिका में शीर्ष पर

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारतीय जूनियर निशानेबाज़ों ने पेरू की राजधानी लीमा में शुरू हुई इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व चैंपियनशिप राइफल/ पिस्टल/ शॉटगन में अपने अभियान की शुरुआत पुरुष और महिला 10 मीटर एयर पिस्टल में दो टीम स्वर्ण पदकों के साथ की, वहीं कनक ने महिला एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतकर भारत को पहला व्यक्तिगत पदक दिलाया. उनके इस प्रदर्शन की बदौलत भारत पहले दिन के अंत में पदक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया जबकि रोमानिया और चीनी ताइपे ने दिन के दो व्यक्तिगत स्वर्ण पदक अपने नाम किए. इसके अलावा पांच अन्य देशों ने भी पहले दिन पदक जीते. भारतीय टीम का स्कोरबोर्ड सबसे पहले जूनियर पुरुषों की तिकड़ी उमेश चौधरी, प्रद्युम्न सिंह और मुकेश नेलवल्ली ने खोला. उन्होंने 10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष टीम प्रतियोगिता में 1726 अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता. यह स्कोर दूसरे स्थान पर रही रोमानिया की टीम से 10 अंक अधिक था, जबकि इटली ने 1707 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता. उमेश और प्रद्युम्न ने व्यक्तिगत फाइनल में भी जगह बनाई, जहां उन्होंने क्वालिफिकेशन राउंड में क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर रहते हुए 580 और 578 अंक हासिल किए. हालांकि दोनों व्यक्तिगत पदक से चूक गए और उमेश छठे और प्रद्युम्न आठवें स्थान पर रहे. रोमानिया के लुका जोल्डिया ने स्वर्ण पदक जीता और चीनी ताइपे के ह्सीह सियांग-चेन ने रजत पदक अपने नाम किया.

मुकेश क्वालिफिकेशन में 574 अंकों के साथ नौवें स्थान पर रहे. इसके बाद जूनियर महिलाओं की बारी आई, जहां कनिष्का डागर, लक्षिता और अंजलि चौधरी की तिकड़ी ने 1708 अंकों के साथ महिला 10 मीटर एयर पिस्टल टीम प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता. उन्होंने अज़रबैजान को एक अंक से हराया, जबकि कांस्य पदक विजेता यूक्रेन से चार अंक आगे रहे. कनिष्का ने व्यक्तिगत फाइनल में भी 573 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया, वहीं कनक ने भी समान स्कोर किया लेकिन कम इनर 10 के कारण उन्होंने पांचवें स्थान पर क्वालिफाई किया. फाइनल में कनिष्का आठवें स्थान पर रहीं जबकि कनक ने 217.6 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता. चीनी ताइपे की चेन यू-चुन ने स्वर्ण और स्लोवाकिया की मांजा स्लक ने रजत पदक जीता. जूनियर पुरुषों की प्रतियोगिता में चौथे भारतीय प्रमोद 572 अंकों के साथ 14वें स्थान पर रहे, जबकि जूनियर पुरुषों की प्रतियोगिता में गंबेर्या गौड़ा ने 557 अंक हासिल कर 42वें स्थान पर समाप्त किया.

बेंगलुरु में नए एनसीए का उद्घाटन किया

बेंगलुरु। खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराने की दिशा में बीसीसीआई ने एक और पहल की है. रविवार को बेंगलुरु में नई राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) का उद्घाटन किया गया. विश्व स्तरीय इस अकादमी को अब बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) के नाम से जाना जाएगा. इससे पहले यह 2000 में अपनी स्थापना के बाद से एम चिन्नास्वामी स्टेडियम परिसर में था. अब, बेंगलुरु में केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास 40 एकड़ से ज्यादा जमीन पर फैले बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कुल तीन विश्व स्तरीय मैदान और 86 पिच हैं, जिनमें इनडोर और आउटडोर दोनों क्षेत्र शामिल हैं.

न्यूजीलैंड के खिलाफ पारी और 154 रनों की बड़ी जीत दर्ज की

श्रीलंका ने 2-0 से जीती टेस्ट सीरीज

डेब्यू मैच में निशान पेरिस ने दूसरी पारी में 6 विकेट लिये

एजेंसी। गॉल (न्यूजीलैंड)

श्रीलंका क्रिकेट टीम ने प्रभात जयसूर्या की घातक गेंदबाजी के दम पर टेस्ट सीरीज में न्यूजीलैंड को फिर हरा दिया. पहला टेस्ट 63 रन से जीतने के बाद दूसरे मुकाबले में मेजबान टीम ने पारी और 154 रन की बड़ी जीत दर्ज की. पहली पारी में श्रीलंका ने 5 विकेट पर 602 रन बनाकर पारी घोषित की और न्यूजीलैंड को 88 रन पर पहली पारी में ढेर कर फॉलोऑन खेलने पर मजबूर किया. दूसरी पारी में पूरी टीम मैच के चौथे दिन 360 रन पर ऑलआउट हो गई. डेब्यू मैच में निशान पेरिस ने दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर कमाल कर दिया. दो मैचों की टेस्ट सीरीज में श्रीलंका की टीम ने न्यूजीलैंड पर 2-0 की जीत दर्ज करते हुए क्लीन स्वीप किया. गॉल में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में कीवी टीम की बल्लेबाजी पहली पारी में बुरी तरह से नाकाम रही. दूसरी पारी में संघर्ष किया लेकिन टीम पारी की हाल नहीं टाल पाई. दिनेश चांदीमल, कामिंडू मेंडिस और कुसल मेंडिस ने पहली पारी में श्रीलंका के लिए शतक जमाया तो प्रभात जयसूर्या ने 6 विकेट निकाले. दूसरी पारी में निशान पेरिस ने 6 विकेट लेकर अपने डेब्यू को यादगार बनाया.

डेब्यू पर चमके निशान, जयसूर्या का जलवा कायम

न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू कर रहे निशान पेरिस ने गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में 170 रन देकर 6 विकेट हासिल किए. पहली पारी में भी उन्होंने 3 विकेट अपने नाम किया था. अनुभवी स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने इस मुकाबले में फिर से अपनी फिरकी का दम दिखाया. पहली पारी में 6 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में भी 3 कीवी बल्लेबाजों को आउट किया.

जयसूर्या ने सीरीज में झटके 18 विकेट

न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में प्रभात जयसूर्या का जलवा देखने को मिला. पहले मुकाबले की पहली पारी में 4 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 5 विकेट अपने नाम किए. दूसरे टेस्ट में भी उनकी फिरकी ने कमाल दिखाया. पहली पारी में 6 विकेट और फिर दूसरी पारी में 3 विकेट लेकर दो मैचों की सीरीज में कुल 18 विकेट इस गेंदबाज ने झटके.

कामिंदु प्लेयर ऑफ द मैच और प्रभात को प्लेयर ऑफ द सीरीज

कामिंदु मेंडिस को 'प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड' मिला है. उन्होंने पहली पारी में शानदार 182 रन बनाए थे. इसके अलावा बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज प्रभात जयसूर्या को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' दिया गया है. सनथ जयसूर्या ने अपनी बैटिंग के दौरान जिस तरह से क्रिकेट की दुनिया में नए मानक स्थापित किए थे, उसी तरह से उनकी कोचिंग में श्रीलंकाई क्रिकेट के एक नए युग की शुरुआत दिखाई दे रही है. श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने जयसूर्या का अनुबंध एक और साल के लिए बढ़ा दिया है.

टेस्ट क्रिकेट इतिहास में सबसे बड़ी लीड के साथ फॉलोऑन देने वाली टीमें

- 702 रन – इंग्लैंड (903/7) vs ऑस्ट्रेलिया (201) – द ओवल, 1938
- 570 रन – पाकिस्तान (643) vs न्यूजीलैंड (73) – लाहौर, 2002
- 514 रन – श्रीलंका (602/5) vs न्यूजीलैंड (88) – गॉल, 2024
- 504 रन – ऑस्ट्रेलिया (645) vs इंग्लैंड (141) – ब्रिस्बेन, 1946
- 496 रन – ऑस्ट्रेलिया (735/6) vs जिम्बाब्वे (239) – वाका पर्थ, 2003

इंग्लैंड आज भी पहले पायदान पर

फॉलो ऑन के साथ सबसे बड़ी लीड का रिकॉर्ड आज भी ऑस्ट्रेलिया के नाम दर्ज है. जोकि 702 रन की थी, जो 86 साल पहले हुई थी. जब साल 1938 में ओवल में एक टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने 903 रन बनाए थे, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम महज 201 रन पर सिमट गई थीं. श्रीलंका ने न्यूजीलैंड को 15 साल बार टेस्ट सीरीज में मात दी है. श्रीलंकाई टीम का यह प्रदर्शन पिछले कुछ समय से कमाल की निरंतरता दिखा रहा है. जब से श्रीलंका के पूर्व ओपनर और दिग्गज बाएं हाथ के बल्लेबाज सनथ जयसूर्या ने अपनी टीम की कोचिंग की कमान संभाली है, तब से टीम का प्रदर्शन शानदार रहा है. श्रीलंका ने इस दौरान भारत को वनडे सीरीज में हराया, उसके बाद इंग्लैंड को उसकी ही धरती पर टेस्ट मैच में मात दी और अब न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज जीत ली है.

श्रीलंका मजबूती के साथ तीसरे स्थान पर

मौजूदा जीत के बाद श्रीलंका क्रिकेट टीम 55.56 प्रतिशत पीसीटी के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप अंक तालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है. इस तालिका में 71.67 पीसीटी के साथ भारत नंबर एक पर है. ऑस्ट्रेलिया की टीम 62.50 पीसीटी के साथ नंबर दो पर है. भारत ने अभी तक दोनों विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल खेले हैं. दूसरी ओर न्यूजीलैंड के नाम भी एक अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया है. यह टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के इतिहास में अब तक एक भी बार विदेशी धरती पर टेस्ट सीरीज नहीं जीत पाई है. यह हैरान करने वाला तथ्य है क्योंकि न्यूजीलैंड पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को जीत चुका है. जब उन्होंने भारत को हराकर इस चैंपियनशिप का उद्घाटन संस्करण जीता था.

न्यूजीलैंड के साथ हुआ दूसरी बार

बता दें कि न्यूजीलैंड के लिए अब दूसरा टेस्ट जीत पाना यहां से लगभग नामुकिन नजर आ रहा है. इससे पहले साल 2002 में भी न्यूजीलैंड के साथ कुछ ऐसा ही हुआ था. जब न्यूजीलैंड की टीम को पाकिस्तान ने 570 रनों के बढ़त के साथ फॉलो-ऑन दिया था. इसी के साथ न्यूजीलैंड टेस्ट क्रिकेट के इतिहास की पहली ऐसी टीम बन गई है, जिसे विरोधी टीम ने दो बार 500+ रन की बढ़त हासिल करके फॉलो-ऑन दिया है. न्यूजीलैंड के लिए ऐसा खराब फॉर्म चिंता का विषय बना हुआ है.

अनकैप्ड प्लेयर को लेकर बदला है आईपीएल में नियम

धौनी को रिटेन करने के लिए सीएसके का रास्ता साफ

एजेंसी। बेंगलुरु

अगर पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) चाहती है कि एमएस धौनी को एक अनकैप्ड प्लेयर के तौर पर रिटेन

किया जाए तो उनका रास्ता बिल्कुल साफ है. ऐसा इसलिए संभव हो पाया है क्योंकि आईपीएल ने फैसला लिया है कि वह अपने 2008 के एक नियम को वापस लाएगी. उस नियम के तहत अगर कोई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी पांच साल पहले रिटायर हुआ हो तो उसे अनकैप्ड प्लेयर माना जाएगा. इस नियम का प्रयोग कभी नहीं किया गया था और इसे 2021 में हटा दिया गया था. हालांकि अनकैप्ड खिलाड़ियों पर व्यापक चर्चा के दौरान आईपीएल ने सभी फ्रेंचाइजी को सूचित किया कि वह इस नियम को वापस ला रही है. खिलाड़ियों को रिटेन करने के लिए आईपीएल ने फ्रेंचाइजी को जो नियम बताए हैं, उसमें लिखा है, अगर किसी कैप्ड भारतीय खिलाड़ी ने पांच कैलेंडर वर्षों से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हिस्सा नहीं लिया है और वह बीसीसीआई के केंद्रीय अनुबंध में शामिल नहीं है तो उसे अनकैप्ड खिलाड़ी की श्रेणी में रखा जाएगा. यह केवल भारतीय खिलाड़ियों के लिए लागू होगा.

2022 की मेगा नीलामी से पहले धौनी को सीएसके ने दूसरे खिलाड़ी के रूप में 12 करोड़ रुपये में रिटेन किया था. जुलाई में धौनी 43 वर्ष के हो चुके हैं. उन्होंने 2020 में संन्यास लेने के बाद से केवल आईपीएल में ही हिस्सा लिया है. यदि सीएसके अब उन्हें अनकैप्ड खिलाड़ी के रूप में रिटेन करने का फैसला करती है, तो धौनी को 4 करोड़ रुपये का भुगतान किया जाएगा. पिछले कुछ सीजन से यह चर्चा लगातार होती रही है कि क्या धौनी का अंतिम आईपीएल सीजन है? 2023 में घुटने की सर्जरी कराने के बाद उन्होंने आईपीएल 2024 से पहले सीएसके की कप्तानी ऋतुराज गायकवाड़ को सौंप दी थी. बल्लेबाज़ी में वह काफी कम गेंदों का सामना करने आते थे. हाल ही में एक कार्यक्रम में धौनी ने कहा था कि वह और सीएसके, खिलाड़ियों के रिटेंशन नियम आने के बाद अपने भविष्य के बारे में फैसला लेंगे.

ग्वालियर में 14 साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी

नयी दिल्ली। बांग्लादेश के विरुद्ध तीन मैचों की टी-20 सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम की घोषणा हो चुकी है. टीम में सूर्यकुमार के अलावा केवल एक और सीनियर खिलाड़ी पूर्व टी20 कप्तान हार्दिक पांड्या शामिल हैं. हाल में आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों को चुना गया है. टीम ग्वालियर दो अक्टूबर को आएगी और छह अक्टूबर को शंकरपुर में श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में सीरीज का पहला टी-20 मैच खेलेगी. इसी के साथ ग्वालियर में 14 साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की वापसी होगी. भारतीय टीम बांग्लादेश के विरुद्ध ग्वालियर के अलावा नई दिल्ली में नौ अक्टूबर और हैदराबाद 12 अक्टूबर को टी-20 मैच खेलेगी. भारतीय टीम के खिलाड़ी होटल ऊषा किरण पैलेस (यूकेपी) में रुकेंगे.

ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया की टीम में खेलेंगे ईशान

ईशान किशन को नहीं मिली टीम इंडिया में जगह

एजेंसी। नयी दिल्ली

भारत और बांग्लादेश के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का दूसरा मुकाबला कानपुर के ग्रीन पार्क में खेला जा रहा है. टेस्ट के बाद दोनों टीमें तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए मैदान पर होंगी. टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई ने टीम इंडिया का एलान कर दिया है, जिसमें ज्यादातर युवा और कुछ नए चेहरे दिखाई दिए हैं. हालांकि टीम से ईशान किशन का नाम गायब रहा. ईशान भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेलने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज हैं. हालांकि उन्होंने टीम इंडिया के लिए आखिरी मुकाबला नवंबर, 2023 में खेला था, जो अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 इंटरनेशनल मैच था. 2023 वनडे वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा रहने वाले ईशान किशन को लंबे वक्त से नजरअंदाज किया जा रहा है. वैसे 1 से 5 अक्टूबर के मुंबई और रेस्ट ऑफ इंडिया के बीच ईरानी कप का मैच खेला जाएगा. लखनऊ के इकाना स्टेडियम में खेले जाने वाले मुकाबले में ईशान को रेस्ट ऑफ इंडिया का हिस्सा बनाया गया है. ऐसे में ईशान के लिए बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में हिस्सा लेना काफी मुश्किल हो सकता था, क्योंकि 5 अक्टूबर को ईरानी कप का मैच खत्म होगा और फिर 6 अक्टूबर को टी20 सीरीज की शुरुआत हो जाएगी. अब देखना दिलचस्प होगा कि ईशान कब टीम इंडिया में दोबारा जगह हासिल कर पाते हैं.

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, रियान पराग, नितीश रेड्डी, शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, मयंक यादव.

स्पीड मास्टर मयंक यादव टीम इंडिया की नयी रफ्तार?

एजेंसी। नयी दिल्ली

आईपीएल 2024 में लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए डेब्यू, महज 3-4 मैच खेला और चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गया. मगर, इन चंद मौकों में वो लड़का दो बार ''मैन ऑफ द मैच'' बना और आईपीएल हिस्ट्री के स्पीड मास्टर में अपना नाम दर्ज करा गया. इम्पैक्ट ऐसा कि पूरी दुनिया उसकी फैन बन गई. नाम है- मयंक यादव. हालांकि, अनफिट होने के कारण पिछले कुछ महीने ये खिलाड़ी गायब था लेकिन अब समय आ गया है उसके कमबैक का. बीसीसीआई ने शनिवार को बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम इंडिया का ऐलान किया. खिलाड़ियों के नाम सामने आते ही एक ऐसा चेहरा एक बार फिर सुर्खियों में आया, जो आईपीएल में अपनी रफ्तार से गदर मचाने के बाद गायब था. आईपीएल 2024 में डेब्यू करते हुए मयंक यादव ने सुर्खियां बटोरी थीं और अब वो बांग्लादेश के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय टी20 डेब्यू के बेहद करीब है. 22 साल का यह तेज गेंदबाज 153 किलोमीटर प्रति घंटे से ज्यादा की रफ्तार से गेंदबाजी करने का

माद्दा रखता है. बड़े-बड़े दिग्गज इसके प्रदर्शन से 'मंत्रमुग्ध' थे. यहां तक कि इसकी तुलना शोएब अख्तर जैसे खूंखार गेंदबाज से होने लगी है. रफ्तार के साथ उनके पास बोनस में अच्छी लाइन लेंथ, वेरिएशन और सटीक यॉर्कर भी है जो उनकी गेंदबाजी को मजबूत करते हैं. आईपीएल 2024 में मयंक यादव ने मात्र तीन मैच खेले और चौथे मैच में चोटिल होने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए. लेकिन चंद मैचों में वो बीसीसीआई और टीम चयनकर्ता की नजरों में छा गए. हालांकि, चोटिल होने के कारण उन्हें मौका नहीं मिला था. मगर, अब उन्हें टी20 फॉर्मेट के लिए हरी झंडी दे दी गई. तेज गेंदबाज मयंक यादव को पहली बार भारत की टीम में शामिल किया गया है. उन्हें बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैच की टी20 सीरीज के लिए टीम में चुना गया है. सीरीज 6 अक्टूबर से ग्वालियर में शुरू होगी. चंद मैचों में इस युवा तेज गेंदबाज ने क्रिकेट जगत में अपनी पहचान बना ली है. कई क्रिकेट दिग्गज मयंक को लेकर भविष्यवाणी कर चुके हैं कि आने वाले समय में वह भारतीय गेंदबाजी की सबसे बड़ी ताकत होगा. मयंक यादव के पिता प्रभु यादव मूल रूप से बिहार के सुपौल जिले के रहने वाले हैं. हालांकि, मयंक का जन्म दिल्ली में ही हुआ और यही पले-बढ़े हैं. मयंक ने 2022 में विजय हजारे ट्रॉफी में दिल्ली के लिए डेब्यू किया. उनकी गेंदबाजी ने लखनऊ सुपर जायंट्स के सहायक कोच विजय दहिया का ध्यान आकर्षित किया. आईपीएल 2024 की नीलामी में लखनऊ ने 20 लाख की बेस प्राइस में अपनी टीम के साथ जोड़ा था.

आईएसएल इंडियन सुपर लीग में बेंगलुरु एफसी की लगातार तीसरी जीत

सुनील छेत्री के ऐतिहासिक गोल का मनाया गया जश्न

एजेंसी। बेंगलुरु

कप्तान सुनील छेत्री के ऐतिहासिक गोल का जश्न श्री कांतीरवा स्टेडियम में मौजूद बेंगलुरु एफसी के फैंस ने जमकर मनाया, क्योंकि ब्लूज ने इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 में मोहन बागान सुपर जायंट को 3-0 से हरा दिया. बेंगलुरू एफसी की जीत में स्पेनिश फॉरवर्ड एडगर मेंडेज ने नौवें, मिडफील्डर सुरेश सिंह वागजाम ने 20वें और सुनील छेत्री ने (पेनल्टी किक पर) 51वें मिनट में गोल किए. अपने 64वें गोल के साथ ही सुनील आईएसएल इतिहास में सबसे ज्यादा स्कोर करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं. एडगर मेंडेज को मैच का पहला गोल करने और शानदार खेल दिखाने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया. ब्लूज की शानदार जीत से उसके स्पेनिश हेड कोच जेरार्ड जारागोजा बेहद खुश होंगे. बेंगलुरू एफसी तीन मैचों में तीन जीत से नौ अंक लेकर तालिका में दूसरे से शीर्ष पर पहुंच गई है. वहीं, मैरिनर्स द्वारा सीजन में पहली बार हार का स्वाद चखने से स्पेनिश हेड कोच जोस मोलिना बेहद निराश होंगे. मोहन बागान सुपर जायंट तीन मैचों में एक जीत, एक ड्रॉ और एक हार से चार अंक लेकर तालिका में चौथे से छठे

स्थान पर लुढ़क गए हैं. मैच का पहला गोल नौवें मिनट में आया, जब स्पेनिश फॉरवर्ड एडगर मेंडेज ने बेंगलुरु एफसी को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया. बाएं फ्लैंक में मिली फ्री-किक पर स्पेनिश मिडफील्डर अल्बर्टो नोगुएरा ने गेंद को खिलाड़ियों की भीड़ के ऊपर से फार पोस्ट की तरफ बॉक्स के अंदर पहुंचाया, जहां मौजूद निखिल पुजारी ने हैडर किया और गेंद टिप्पा खाने के बाद बाउंस हुई जिसे मेंडेज ने बेहद करीब से दाहिना पैर लगाकर टॉप राइट कॉर्नर में गोलजाल में उलझा दिया जबकि मोहन बागान के गोलकीपर विशाल कैथ के पास ज्यादा कुछ करने के लिए नहीं था. 20वें मिनट में मिडफील्डर सुरेश सिंह वागजाम ने गोल करके बेंगलुरू एफसी की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया. दाहिनी तरफ से गोल लाइन के करीब पहुंचने के बाद एडगर मेंडेज ने बॉक्स के ठीक बाहर से क्रॉस डाला, लेकिन फर्स्ट पोस्ट के आगे फॉरवर्ड सुनील छेत्री ने गिरने से पहले उस पास पर एक महत्वपूर्ण टच लगाकर मौका बनाया, जिस पर सुरेश ने पीछे से तेजी से आकर करारा राइट फुटर शॉट लगाया और गेंद आगे आए गोलकीपर विशाल कैथ के ऊपर से निकलकर राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में जा उलझी. 51वें मिनट में कप्तान सुनील छेत्री ने पेनल्टी किक पर गोल करके बेंगलुरु एफसी की बढ़त को 3-0 कर दिया. बेंगलुरू एफसी को पेनल्टी किक के रूप में यह सुनहरा मौका 50वें मिनट में मिला, जब स्पेनिश फॉरवर्ड एडगर मेंडेज को सेंटर-बैक दिपेंदु बिस्वास ने अपने बॉक्स के अंदर पीछे से खींचकर फाउल कर दिया.

निशानेबाजी में रामगढ़ के बसंत ने जीता सिल्वर

रांची। रामगढ़ के बसंत हेतमसरिया ने आसनसोल (पश्चिम बंगाल) के आसनसोल राइफ़ल क्लब में पूर्वी क्षेत्र के छह राज्यों के लिए आयोजित 8वीं ईस्ट जोन शूटिंग चैंपियनशिप के 10 मीटर पिस्टल (एनआर) पुरुष व्यक्तिगत स्पर्धा के सीनियर मास्टर वर्ग में सिल्वर मेडल जीता है. उन्होंने दो माह पूर्व देवघर में हुई झारखंड स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में अपने वर्ग में इसी प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता था. रामगढ़ के ही सोनू प्रताप सिंह ने 25 मीटर स्टैंडर्ड पिस्टल की व्यक्तिगत पुरुष स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है. दोनों निशानेबाज़ रामगढ़ के फ़ीनिक्स शूटिंग एकेडमी में शूटिंग करते हैं.

कानपुर टेस्ट : नहीं सूख पाया मैदान

तीसरे दिन भी खेल नहीं हुआ

एजेंसी। कानपुर

भारत बनाम बांग्लादेश कानपुर टेस्ट का तीसरा दिन भी रद्द घोषित कर दिया गया है. 29 सितंबर को कानपुर में कोई बारिश तो नहीं हुई, लेकिन मैदान गीला होने के कारण कोई खेल नहीं हो पाया. रातभर हुई बारिश के कारण मैदान की मिट्टी में अंदर तक पानी बैठ चुका था. तीसरे दिन ग्राउंड स्टाफ को खूब मशक्कत करते देखा गया, लेकिन ग्रीन पार्क स्टेडियम खेलने के लिए तैयार नहीं हो पाया. फिलहाल बांग्लादेश का स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 107 रन है. ग्राउंड अंपायर भारतीय समयानुसार सुबह 10 बजे मैदान का जायजा लेने पहुंचे थे.

दोनों अंपायर आउटफील्ड की हालत देख कतई खुश नहीं थे. उसके दो घंटे बाद यानी 12 बजे अंपायर दोबारा मैदान पर उतरे, लेकिन अब भी ग्राउंड स्टाफ की मेहनत सफल नहीं हो पाई क्योंकि मैदान में पानी के कारण गीले स्पॉट बन चुके थे. ग्रीन पार्क स्टेडियम के क्षेत्र में सुबह से बिल्कुल भी बारिश नहीं हुई थी, फिर भी जब 2 बजे आखिरी बार मैदान का जायजा लिया गया तो अंतिम फैसला लेकर अंपायरों ने दिन का खेल रद्द घोषित कर दिया. पहले दिन भी बारिश के कारण देरी से खेल शुरू हुआ था. टॉस एक घंटे देरी से हुआ, जिसमें भारत ने पहले गेंदबाजी करने का निर्णय लिया था. पहले दिन मेहमान टीम ने 35 ओवर खेल कर 3 विकेट के नुकसान पर 107 रन बनाए थे.

चर्चा है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले पटना मेट्रो का पहला फेज बनकर तैयार हो जाएगा

मेट्रो चलाने की तैयारी पूरी! 26 स्टेशनों के नाम तय

संवाददाता।पटना

राजधानी पटना में मेट्रो बनाने काम पिछले कई सालों से चल रहा है. लेकिन पिछले कुछ महीनों में मेट्रो बनाने के काम में काफी तेजी देखी गई है. जिस तेजी से वर्तमान में काम चल रहा है ऐसी चर्चा है कि बिहार विधानसभा चुनाव से पहले में पटना मेट्रो का पहला फेज बनकर तैयार हो जाएगा. वर्तमान रूपरेखा की बात करें तो पटना में बनने बाले बिहार के पहले मेट्रो के पहले फेज में कुल 26 स्टेशन बनाए जा रहे हैं. पटना में मेट्रो की रूट

की बात करें तो राजधानी में मलाही पकड़ी से न्यू आईएसबीटी के अलावे एयरपोर्ट से पटना सिटी के तख्त हरमंदिर साहिब गुरूद्वारे से भी जोड़ा जाएगा. इसी कड़ी में पटना मेट्रो को आरा तक जोड़ने की मांग तेजी से पकड़ रही है. जानकारी के अनुसार आरा की मेयर इंदु देवी ने बिहटा से आरा तक मेट्रो लाइन के विस्तार की मांग की है. उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को पत्र लिखकर यह मांग रखी है. मेयर इंदु देवी का कहना है कि आरा शहर पटना के करीब है और दोनों शहर लगभग एक जैसे हो गए हैं. आरा से बिहटा की दूरी सिर्फ 28 किलोमीटर है. चार शहरों में मेट्रो का सर्वे होना है. आरा को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए. पटना और आरा के बीच रोजाना बड़ी संख्या में लोग यात्रा करते हैं. बिहटा से आरा तक एलिवेटेड मेट्रो का विस्तार किया जाना चाहिए. इससे आरा शहर शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यटन के लिहाज से काफी विकसित होगा.

बता दें कि वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार में पटना मेट्रो का शिलान्यास किया था. 6 साल से राजधानी में मेट्रो बनाने का काम तेजी से चल रहा है. पटना के अलावा गया, भागलपुर, मुजफ्फरपुर और दरभंगा में मेट्रो शुरू करने की तैयारी है. अभी इसकी संभाव्यता (फिजिबिलिटी) का अध्ययन किया जा रहा है. गुड़गांव स्थित एजेंसी राइट्स को इसकी जिम्मेवारी सौंपी गई है. इस पर सात करोड़ रुपए खर्च होंगे. सर्वे के बाद राइट्स को चार माह में रिपोर्ट देनी है.

गरमायी राजनीति : मीसा ने नीतीश को घेरा

- लालू के पोस्ट पर उपेंद्र कुशवाहा के पलटवार पर मीसा भारती ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

एजेंसी।पटना

पाटलिपुत्र से लोकसभा सांसद और लालू प्रसाद यादव की बेटी मीसा भारती ने रविवार को लालू प्रसाद यादव के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए गए पोस्ट, ''बिहार-बलात्कार'' पर उपेंद्र कुशवाहा की ओर से किए गए पलटवार पर प्रतिक्रिया दी. मीसा भारती ने रविवार को पटना में पत्रकारों से बातचीत की. इस दौरान लालू प्रसाद यादव के पोस्ट पर राष्ट्रीय लोक मोर्चा के अध्यक्ष और राज्य सभा सांसद उपेंद्र कुशवाहा के

पलटवार पर प्रतिक्रिया देते हुए मीसा भारती ने कहा कि हम राष्ट्रीय जनता दल के लोग या विपक्ष के नेता ये आरोप लगाते हैं कि घटना आज घटती है और हम चर्चा 20-22 या 25 साल पहले की करते हैं. ये दुर्भाग्यपूर्ण है. घटना आज घटी है, सरकार के मुख्यमंत्री और सरकार का नेतृत्व ये लोग करते हैं, जो लोग इस तरह की बात करते हैं, तो जवाब देना पड़ेगा. मैंने पहले भी कहा था कि प्रशासन पर मुख्यमंत्री की पकड़ कमजोर पड़ती जा रही है. इसके अलावा उन्होंने राज्य में बाढ़ की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा. मीसा भारती ने कहा कि बाढ़ की स्थिति बिहार में काफी गंभीर है. हम लोगों ने भी स्थिति को देखा है. अब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उनके मंत्री, उनके अधिकारी निश्चित तौर पर इस मामले में कहीं ना कहीं पूरी तरह से इंतजाम कर रहे होंगे. हालांकि, पूरे मामले में जनता को यह बताना चाहिए कि वह क्या कर रहे हैं. हमें उम्मीद है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस मामले को लेकर बिल्कुल गंभीर होंगे. बता दें कि लालू प्रसाद यादव ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में 32 बार 'बिहार-बलात्कार' लिखा था.

ब्रीफ खबरें

युवक की पीट- पीट कर हत्या, जांच शुरू

मुंगेर। मुंगेर में आपसी विवाद में युवक की पीट-पीट कर हत्या कर दी गई है. हत्या कर शव फेंक दिया गया था. सुबह में शव के बरामद होने के बाद परिजनों में कोहराम मच गया . पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की तहकीकात में जुटी है. कसीमाबाजार थाना क्षेत्र के हेरूदियार कुर्मी टोला के पास जब ग्रामीणों ने एक युवक का शव देखा. कासिम बाजार थाना प्रभारी रुबिका कच्छप ने बताया कि परिजनों ने गांव के ही कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाया है, जिसकी जांच चल रही है.

बिहार से अगवा बच्चा देवरिया से बरामद

गोपालगंज। गोपालगंज जिले के फुलवरिया थाना क्षेत्र के मजीरवा कला गांव से एक अपहृत बच्चे को पुलिस ने यूपी से सकुशल बरामद कर लिया है और उसके मां को सुपुर्द कर दिया गया है. गिरफ्तार अपहरणकर्ता यूपी के देवरिया जिले के लाढ थाना क्षेत्र के नेमा निवासी नथुनी सिंह के बेटा अमित कुमार सिंह के रूप में की गई है. पिछले 26 सितंबर 2024 को फुलवरिया थाना क्षेत्र के मजिरवां कला गांव निवासी रामानंद सिंह के आठ वर्षीय बेटा अनीश कुमार का अपहरण एक मोटरसाइकिल सवार अज्ञात अपराधी द्वारा कर लिया गया था.

बाढ़ का कहर : सरकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के डीएम से की बात

जलमग्न हुए इलाके, रेल सेवा प्रभावित

संवाददाता।पटना

नेपाल में भारी बारिश की वजह से उतरी बिहार की स्थिति गंभीर हो गई है. गंडक-कोसी समेत अन्य सभी नदियों में उफान आ गया है. नेपाल में भी भारी वर्षा के कारण रविवार की सुबह पांच बजे कोसी बराज, वीरपुर से 6,61,295 क्यूसेक जलस्राव हुआ है, जो 1968 के बाद सर्वाधिक है. तटबंधों की सुरक्षा के लिए जल संसाधन विभाग की टीमें दिन-रात लगी हुई है. इधर, भारी बारिश की वजह से रेल सेवा भी प्रभावित हुई है. नेपाल के पानी का असर अब रेल परिचालन पर भी दिखने लगा है.

नेपाल से सटे जोगबनी सीमा से सटे नेपाल में हुई भारी बारिश का पानी जोगबनी रेलवे स्टेशन के ट्रैक पर पहुंच गया है. बाढ़ का पानी रेलवे ट्रैक पर जमा हो गया है. इस कारण जोगबनी से खुलने वाली सभी ट्रेनों को अगले आदेश तक के लिए रद्द किया गया है. रविवार सुबह से ही सभी ट्रेनों का परिचालन जोगबनी की बजाय फारबिसगंज से किया जा रहा है. बता दें, नेपाल से सटे भारतीय क्षेत्र में जोगबनी अंतिम स्टेशन है.यहां से कटिहार के लिए सीधी रेल सेवा है. हालांकि नेपाल में हुई भारी वर्षा के कारण उफनाई नदियों का जलस्तर सामान्य होने की तरफ बढ़ चला है.

बगहा में शहर के साथ दियारा इलाकों में बाढ़ ने मचाई तबाही

बेतिया। बाढ़ से पूरे उत्तर बिहार में त्राहिमाम मचा हुआ है . बगहा के दियारा इलाका समेत शहर के भी कई वार्डों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है . जिले के कई गांव जलमग्न हो गए हैं . इस बीच बगहा रतनमाला के वार्ड 33 और अन्य बाढ़ प्रभावित इलाके में स्थानीय बगहा विधायक राम सिंह पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया . साथ हीं उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के बीच सूखे राशन का वितरण भी किया . बाढ़ पीड़ितों ने बताया की वे प्रशासन द्वारा राशन पानी मिलने का इंतजार कर रहे हैं . रात 12 बजे के बाद अचानक घरों में पानी घुसना शुरू हो गया . जिसके बाद मवेशियों को लेकर वे लोग सड़क और ऊंचे स्थानों पर शरण लेने चले गए . घरों में पानी घुसने के कारण अब तक खाना पीना का कोई इंतजाम नहीं हुआ है . शहर में भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है . वार्ड नंबर 25 वार्ड पार्षद प्रतिनिधि राहुल सिंह के द्वारा अपने वार्डों में जिनके घर में बाढ पानी घुस गया है उनको ऊंचे स्थानों पर पहुंचने का काम किया गया . उन्होंने कहा की सरकार के द्वारा इन लोगों को राहत सामग्री मुहैया कराई जाए . वार्ड सदस्यों ने अपने अपने बाढ़ प्रभावित इलाकों में प्रशासन से कम्युनिटी किचन चलाने की मांग की है . कहा है की वे लोग रात से हीं लोगों के बीच घूम कर उनके हालत का जायजा ले रहे हैं और प्रशासन को इन सभी मामलों से अवगत करा रहे हैं .

आपदा प्रबंधन विभाग ने डीएम के साथ की बैठक

इधर, कोसी एवं गंडक नदी में बढ़ते जलस्तर को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग के अपर मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत ने संबंधित जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की . अपर मुख्य सचिव ने संबंधित जिले में बाढ़ से निपटने हेतु महत्त्वपूर्ण निर्देश दिए हैं . उन्होंने जिलाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित जिलों में आवश्यतानुसार राहत शिविर, सामुदायिक रसोई व चिकित्सा शिविर की सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए .

बिहार को बर्बाद कर देगी नेपाल से आई कृत्रिम बाढ़ : गिरिराज

पटना । केंद्रीय मंत्री व भाजपा के वरिष्ठ नेता गिरिराज सिंह ने बिहार में बाढ़ की स्थिति पर चिंता जाहिर की है . रविवार को उन्होंने आईएएनएस से कहा कि नेपाल की ओर से बिहार में इतना पानी छोड़ा गया है कि कृत्रिम बाढ़ की स्थिति पैदा हो चुकी है जो बिहार को बर्बाद और तबाह कर देगी . बहुत चिंतनीय स्थिति है .

अच्छे प्रशासन के लिए नीतीश का किया विरोध : प्रशांत किशोर

एजेंसी।पटना

चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर ने बिहार की राजधानी पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति अपना विरोध स्पष्ट किया और उनकी नीतियों की आलोचना की. बिहार विधानसभा चुनाव में कभी नीतीश कुमार की पार्टी के लिए प्रचार करने वाले प्रशांत किशोर ने रविवार को उनकी नीतियों और प्रशासनिक निर्णयों पर सवाल उठाए. प्रशांत किशोर ने कहा कि विधानसभा चुनाव 2020 के चुनाव परिणाम के बाद मैंने नीतीश कुमार से बात की थी और उन्हें सलाह दिया था कि वह मुख्यमंत्री बनने से बचें। लेकिन, उन्होंने उसी दिन शाम 6:30 बजे मुख्यमंत्री पद ग्रहण कर लिया. मैं अच्छे प्रशासन का समर्थन कर रहा था, लेकिन अब जो स्थिति है, उसमें मैं नीतीश कुमार का

विरोध कर रहा हूं. पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं उस प्रशासक का विरोध कर रहा हूं, जिसने बिहार की जनता का भविष्य चार सेवानिवृत्त अधिकारियों के हाथ में छोड़ दिया है. किशोर ने उदाहरण देते हुए बताया कि जब नीतीश कुमार रेल मंत्री थे, पश्चिम बंगाल में एक रेल दुर्घटना में 200 से अधिक लोगों की मौत हुई थी, तब उन्होंने नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे दिया था.

औरंगाबाद में सरपंच ने की महिला से छेड़खानी

औरंगाबाद। सिमरा थाना क्षेत्र के ढिबरामें बैरावो पंचायत के सरपंच संतोष कुमार सिंह पर महिला के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है. सिमरा थाना में दिए गए आवेदन में महिला ने यह बताया है कि वह अपने पति के साथ अम्बा बाजार से लौट रही थी, इसी दौरान ढिबरा गांव के पास बनी हुई पानी टंकी के समीप बैराव पंचायत के सरपंच संतोष कुमार सिंह अपनी बाइक पर सवार एक अज्ञात आदमी के साथ वह पहुंचे और अज्ञात आदमी मेरे पति को मार मारपीट करने लगा, जब हमने इसका विरोध किया तो सरपंच मुझे जबरन पकड़ कर पानी टंकी के रुम में ले जाकर छेड़छाड़ करना शुरू कर दिया. इस मामले को लेकर महिला ने सिमरा थाना के पुलिस की आवेदन दिया है, जिसको लेकर सिमरा थाना की पुलिस प्राथमिकी दर्ज करते हुए आगे की करवाई में जुट गई है. वहीं पीड़ित महिला ने पत्रकारों से भी अपनी पीड़ा बताई.

कारोबार

स्टार इंडिया को लाइसेंस ट्रांसफर की अनुमति मिली

नयी दिल्ली। सरकार ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की मीडिया यूनिट्स के गैर-समाचार और करेंट अफेयर्स के टीवी चैनल से संबंधित लाइसेंस को स्टार इंडिया को ट्रांसफर करने को मंजूरी दे दी है. सूचना और प्रसारण मंत्रालय ने 27 सितंबर के आदेश के जरिए यह मंजूरी दी है. मंत्रालय ने 27 सितंबर, 2024 के अपने आदेश के माध्यम से स्टार इंडिया के पक्ष में वायकॉम 18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के गैर-समाचार और करेंट अफयेर्स के टीवी चैनल सेसंबंधित लाइसेंस को हस्तांतरित करने के लिए अपनी मंजूरी दे दी है.

रघुराम राजन ने केंद्र को दिए सुझाव

नयी दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन ने कहा कि मध्यम अवधि में भारतीय अर्थव्यवस्था छह-सात प्रतिशत की दर से बढ़ेगी. इस वर्ष के बजट में वित्त मंत्री द्वारा घोषित अप्रेंटिसशिप योजनाओं का राजन ने स्वागत किया, लेकिन साथ ही कहा कि हमें उसपर बहुत बारीकी से नजर रखनी होगी, देखना होगा कि क्या काम करता है, और जो काम करता है उसका और अधिक विस्तार करना होगा. सात प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि के साथ भारत पर्याप्त नौकरियां पैदा नहीं कर रहा है.

अनिल अंबानी को कोर्ट से मिली राहत

कोलकाता। अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को कोलकाता हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है. कोर्ट ने रिलायंस इन्फ्रा के पक्ष में फैसला सुनाते हुए 780 करोड़ रुपये के मध्यस्थता फैसले को बरकरार रखा है. शेयर बाजार को जानकारी देते हुए कंपनी ने कहा है कि कोलकाता हाई कोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्थित दामोदर घाटी निगम के साथ 780 करोड़ रुपये के मध्यस्थता विवाद में रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पक्ष में फैसले को बरकरार रखा है. एक दशक से भी अधिक समय पहले रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर को पश्चिम बंगाल के पुरुलिया में 3,750 करोड़ रुपये में 1,200 मेगावाट का ताप विद्युत संयंत्र स्थापित करने का ठेका मिला था.

नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की पहल

एवीजीसी सेक्टर में पैदा होंगे 5 लाख रोजगार के अवसर : केंद्र

एजेंसी ।नयी दिल्ली

वैश्विक स्तर पर भारत में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एनिमेशन फैन बेस है और आने वाले समय में पूरी दुनिया में एनिमेशन क्षेत्र में होने वाली वृद्धि का 60 प्रतिशत हिस्सा भारत से ही आएगा. ऐसे में सरकार की ओर से एवजीसी-एक्स (एनिमेशन, विजुअल इफेक्ट्स, गेमिंग, कॉमिक और रियल्टी) सेक्टर को नया नेशनल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीओई) दिया गया है. इस इंडस्ट्री से 5 लाख रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है. सरकार की ओर से रविवार को यह बयान दिया गया. सरकार के मुताबिक, भारत में एनिमेशन इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रही है और प्रतिभावान युवाओं को एक अच्छा भविष्य प्रदान करने की क्षमता रखती है. फिक्की-ईवाई की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में 2023 में एनिमेशन इंडस्ट्री की वृद्धि दर 25 प्रतिशत थी और इसकी अनुमानित वैल्यू 46 अरब रुपये थी. एवीजीसी-एक्सआर सेक्टर आने वाले समय में मीडिया और एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री का भविष्य होगा. इसे देखते हुए केंद्रीय कैबिनेट की ओर से एवीजीसी-एक्सआर सेक्टर के लिए एनसीओई को मंजूरी दी गई है जो कि मुंबई में बनेगा. इसका उद्देश्य क्रिएटर इकोनॉमी को एडवांस करना है जिससे विकास और रोजगार के अवसर पैदा हो सकें. एनसीओई की स्थापना कंपनी एक्ट 2013 की धारा 8 के तहत की जाएगी. इसमें सरकार के साथ इंडस्ट्री बॉडी जैसे भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) और भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) भी साझेदार होंगी. एनसीओई, आईआईटी और आईआईएम जैसे प्रमुख संस्थानों की तर्ज पर बनाया जाएगा. इस एनसीओई में केंद्र सरकार विश्व स्तरीय इन्फ्रास्ट्रक्चर, स्टेट-ऑफ-द-आर्ट टेक्नोलॉजी और विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराएगी, जिससे एक मजबूत टैलेंट पूल तैयार हो सके. छात्रों को इससे प्रैक्टिकल ज्ञान मिलेगा.

ग्रेजुएशन के बाद उन्हें नौकरी पाने में अधिक आसानी होगी. मंत्रालय की ओर से कहा गया कि केंद्र सरकार, राज्य सरकार, शैक्षणिक संस्थाएं और इंडस्ट्री मिलकर एनसीओई में रिसर्च के लिए डायनेमिक माहौल बनाएगी, जिससे भारत में अगली पीढ़ी के क्रिएटर्स हो सकें.

विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा और तिरुपति में निवेश को बढ़ावा

लुलु ग्रुप के चेयरमैन नायडू से मिले

एजेंसी।नयी दिल्ली

लुलु ग्रुप के चेयरमैन एमए यूसुफ अली ने आंध्र प्रदेश में एक बार फिर निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की. बैठक के दौरान, लुलु ग्रुप के चेयरमैन ने विशाखापत्तनम, विजयवाड़ा और तिरुपति सहित रीजन में निवेश के अवसरों पर चर्चा की. बता दें कि पिछले जगन प्रशासन द्वारा उनकी भूमि और गतिविधियों को कैसिंल करने के बाद लुलु ग्रुप ने फिर कभी प्रवेश न करने की कसम खाते हुए आंध्र प्रदेश छोड़ दिया था. यूसुफ अली ने मुख्यमंत्री से उनके उंडावल्ली स्थित आवास पर मुलाकात की. इस दौरान सीएम नायडू ने लुलु ग्रुप के साथ राज्य में निवेश के अवसरों पर चर्चा की. बैठक के दौरान विशाखापत्तनम में मॉल के साथ-साथ मल्टीप्लेक्स विकसित करने, साथ ही विजयवाड़ा और तिरुपति में हाइपरमार्केट और मल्टीप्लेक्स विकसित करने पर चर्चा हुई. लुलु ग्रुप ने राज्य के भीतर फूड प्रोसेसिंग इंडस्ट्री में निवेश करने में अपनी इच्छा जाहिर की.

राज्य के तीन रीजन में निवेश करेगा लुलु ग्रुप : सीएम नायडू ने लुलु ग्रुप के चेयरमैन के साथ निवेश से संबंधित अलग-अलग पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की और राज्य में बिजनेस को आसानी बनाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया. मुख्यमंत्री ने आंध्र प्रदेश में निवेश करने में लुलु ग्रुप की नई इच्छा की भी सराहना की. मुख्यमंत्री ने राज्य में निवेश को बढ़ावा देने के लिए शुरू की जा रही नई नीतियों के बारे में भी जानकारी शेयर की और राज्य के 3 रीजन में निवेश करने में इच्छा दिखाने के लिए लुलु ग्रुप के चेयरमैन के प्रति आभार भी जताया.

अबू धाबी में है लुलु ग्रुप का मुख्यालय : लुलु ग्रुप हाइपरमार्केट और रिटेल कंपनियों का एक मल्टीनेशन ग्रुप है. भारत समेत दुनियाभर के कई देशों में इस कंपनी से कई बिजनेस हैं. इसकी स्थापना साल 2000 में केरल को एमए यूसुफ अली ने की थी. इस ग्रुप का मुख्यालय अबू धाबी में है. ग्रुप के पास 42 देशों में कारोबार है. इसका सालाना टर्नओवर 8 अरब डॉलर है. ग्रुप के पास 65,000 से ज़्यादा कर्मचारी हैं.

दुनिया का सबसे मजबूत डेयरी ब्रांड बना अमूल

- दुनिया की अग्रणी ब्रांड परामर्श कंपनी ब्रांड फाइनेंस ने जारी की रिपोर्ट

एजेंसी।नयी दिल्ली

अमूल ब्रांड ने भारत का नाम दुनिया में रौशन कर दिया है. इसे दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य ब्रांड और सबसे मजबूत डेयरी ब्रांड का दर्जा मिला है. अमूल ब्रांड के तहत डेयरी उत्पाद बेचने वाली गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन संघ लिमिटेड (जीसीएम एमएफ) ने बताया है कि बेहतर बिक्री के चलते बीते वित्त वर्ष 2023-24 में उसका कारोबार आठ प्रतिशत बढ़कर 59,445 करोड़ रुपये हो गया है. सहकारी समिति ने अपनी 50वीं वार्षिक आम बैठक (एजीएम) के बाद एक बयान में कहा कि जीसीएमएमएफ के स्वर्ण जयंती वर्ष में संगठन ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए आठ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 59,545 करोड़ रुपये (सात अरब डॉलर) का कारोबार किया. ब्रांड अमूल का समूह कारोबार वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 80,000 करोड़ रुपए (10 अरब डॉलर) हो गया, जो 2022-23 में 72,000 करोड़ रुपए (नौ अरब डॉलर) था. ब्रिटेन स्थित दुनिया की अग्रणी ब्रांड परामर्श कंपनी ब्रांड फाइनेंस के अनुसार, अमूल को दुनिया का सबसे मजबूत खाद्य ब्रांड और सबसे मजबूत डेयरी ब्रांड का दर्जा दिया गया है.

ये है इस ब्रांड की खासियत

जीसीएमएमएफ ने कहा कि यह दुनिया की सबसे बड़ी किसान-स्वामित्व वाली डेयरी सहकारी संस्था है, जिसके गुजरात के 18,600 गांवों में 36 लाख किसान जुड़े हुए हैं . इसके 18 सदस्य संघ प्रतिदिन 300 लाख लीटर दूध खरीदते हैं . जीसीएमएमएफ के चेयरमैन शामलभाई पटेल ने कहा कि जीसीएमएमएफ ने अपने स्वर्ण जयंती वर्ष में दुनिया में सबसे मजबूत खाद्य ब्रांड के रूप में उभरने की ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है .

ऐसे हुई थी शुरुआत

14 दिसंबर 1946 को गुजरात में सहकारी सोसायटी के रूप में शुरू हुआ अमूल का काम आज लाखों लीटर दूध के कारोबार तक पहुंच गया है . 250 लीटर दूध की क्षमता के साथ शुरू हुआ अमूल का काम आज 30 लाख लीटर से ज्यादा का है .

मार्केट आउटलुक : तिमाही नतीजे, ऑटो सेल्स व पीएमआई डेटा से अगले हफ्ते तय होगी बाजार की चाल

बाजार के लिए महत्वपूर्ण होनेवाला है पूरा हफ्ता

एजेंसी।नयी दिल्ली

भारतीय शेयर बाजार में तेजी का ट्रेंड जारी है. बीते हफ्ते बाजार ने नया ऑल-टाइम बनाया था. ऐसे में आने वाला हफ्ता बाजार के लिए महत्वपूर्ण होने वाला है. अगले हफ्ते वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही के नतीजे आने शुरू हो जाएंगे. इसके अलावा मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज पीएमआई, ऑटो सेल्स, जीएसटी कलेक्शन जैसे आंकड़े आएंगे, जिनसे आने वाले समय में बाजार की दिशा तय होगी. 23 सितंबर से लेकर 27 सितंबर तक का कारोबारी हफ्ता बाजार के लिए शानदार रहा है. इस दौरान सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ने क्रमशः 85,978.25 और

26,277.35 का नया ऑल-टाइम हाई बनाया. हालांकि, शुक्रवार के सत्र में सेंसेक्स 264 अंक या 0.31 प्रतिशत गिरकर 85,571 और निफ्टी 37 अंक या 0.14 प्रतिशत गिरकर 26,178 पर बंद हुए. बीते हफ्ते निफ्टी मेटल (6.82 प्रतिशत), निफ्टी ऑयल एंड गैस (4.72 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (4.51 प्रतिशत), निफ्टी एनर्जी (3.88 प्रतिशत), निफ्टी पीएसयू बैंक (3.05 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (2.32 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (2.29 प्रतिशत), निफ्टी रियल्टी (1.75 प्रतिशत), निफ्टी फाइनेंस (0.52 प्रतिशत) और निफ्टी बैंक (0.08) प्रतिशत का सकारात्मक रिटर्न दिया है. इस दौरान केवल निफ्टी एफएमसीजी में 0.11 प्रतिशत की गिरावट देखी गई. मास्टर कैपिटल सर्विसेज में रिसर्च और एडवाइजरी के एवीपी विष्णु कांत उपाध्याय का कहना है कि पिछले एक महीने में निफ्टी लगातार तीसरी बार मजबूती से बंद हुआ है. फिलहाल 26,000 के ऊपर कारोबार कर रहा है. जब तक निफ्टी 26,000 के ऊपर बना हुआ है, बाजार का रुझान सकारात्मक बना रहेगा. हालांकि, 26,500 एक रुकावट का स्तर है.

अगर यह इसे तोड़ता है तो 26,650 का स्तर देखने को मिल सकता है. हालांकि, 25,900 एक मजबूत सपोर्ट है. अगर यह टूटता है तो 25,600 का स्तर भी आ सकता है, लेकिन बाजार में तेजी है ऐसे में निवेशकों को गिरावट पर खरीदारी की रणनीति पर कायम रहना चाहिए. स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट के रिसर्च प्रमुख संतोष मीना का कहना है कि बैंक निफ्टी में 54,500 के आसपास मुनाफावसूली देखने को मिली है. मौजूदा समय में सपोर्ट 53,700, 53,300 और 53,000 पर है. जब तक बैंक निफ्टी 53,000 के ऊपर बना हुआ है, तेजी कायम रहेगी. हालांकि, 54,500, 55,000 और 55,500 एक रुकावट का स्तर है. सितंबर में घरेलू निवेशकों के साथ-साथ विदेशी निवेशकों ने भी बड़ी संख्या में भारतीय बाजार में निवेश किया है. विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ओर से इस महीने में अब तक 25,215.25 करोड़ रुपये की कैश सेगमेंट में खरीदारी की गई है और वहीं, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) द्वारा 25,214.43 करोड़ रुपये की खरीदारी कैश सेगमेंट में की गई है.

यूपी एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगी : पीयूष

- उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो को किया संबोधित

एजेंसी।नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयास उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में मदद करेंगे. केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की ओर से यह बयान दिया गया. केंद्रीय मंत्री की ओर से कहा गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही राज्य सरकार पहले चरण में भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने में मदद करेगी और साथ ही 2047 तक ''विकसित भारत'' और 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए एक मजबूत आधार के रूप में काम करेगी. उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) में अपने संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से लागू की गई औद्योगिक और अन्य सक्रिय नीतियों के कारण उत्तर प्रदेश पूरे देश में विकास के मॉडल के रूप में उभरेगा. ''मेक इन इंडिया'' प्रोग्राम के बारे में बताते हुए गोयल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की ओर से 25 सितंबर, 2014 को इस कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी, जिससे बड़ी संख्या में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा हो सकें. आगे कहा कि केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार के साझा प्रयासों के कारण हम ग्रेटर नोएडा में एक इंडस्ट्रियल स्मार्ट सिटी और 20 इंडस्ट्रियल स्मार्ट शहर पूरे देश में बना रहे हैं.

न्यूज अपडेट

आईईडी विस्फोट से पांच जवान घायल

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के थाना तर्रेम क्षेत्र में पांच जवान घायल हो गए. माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट की जद में आकर पांच जवान घायल हो गए. जवानों द्वारा आईईडी ब्लास्ट को डिफ्यूज करते वक्त यह धमाका हुआ. बीजापुर के एसपी जितेंद्र यादव ने घायल जवानों की पुष्टि की है. यह घटना रविवार सुबह सात बजे के आसपास की बताई जा रही है. यह धमाका सुबह चिन्नागेलूर कैंप से लगभग 350 मीटर दूर हुई.

बलूचिस्तान में सात मजदूरों की हत्या

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिम बलूचिस्तान प्रांत में आतंकवादियों ने सात मजदूरों की गोली मारकर हत्या कर दी. प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि यह आतंकी हमला शनिवार को स्थानीय समयानुसार रात करीब 10 बजे प्रांत के पंजगुर जिले में हुआ. शाहिद रिंद ने बताया कि मजदूर काम के लिए एक स्थानीय ठेकेदार के घर में अस्थायी रूप से रह रहे थे. इस घर पर आतंकवादियों ने हमला कर दिया, जिसमें सात मजदूरों की गोली लगने से मौत हो गई. मृतक पूर्वी पंजाब प्रांत के निर्माण मजदूर थे.

एक्सप्रेस-वे पर हादसे में तीन की मौत

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे पर रविवार सुबह तीन बजे दर्दनाक सड़क हादसा हो गया. दिल्ली से मेरठ जा रहे स्कूटी सवार तीन युवकों को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी. इस हादसे में तीनों स्कूटी सवार युवकों की मौके पर ही मौत हो गई. हादसे के बाद एक्सप्रेस वे पर वाहनों का लंबा काफिला लग गया, जिसे पुलिस ने खाली करवाया. पुलिस ने सभी युवकों का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. एसीपी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि हम मामले की जांच कर रहे हैं. आरोपी के वाहन की पहचान नहीं हो पाई है.

सपा सांसद अफजाल पर मुकदमा दर्ज

गाजीपुर। यूपी के गाजीपुर में समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी के खिलाफ गाजा पर टिप्पणी को लेकर रविवार को बीएनएस की धारा 353(3) के तहत मामला दर्ज किया गया है. सपा सांसद ने कहा था कि लाखों लोग गांजा पीते हैं और इसे भगवान का प्रसाद मानते हैं. यदि गांजा भगवान का प्रसाद है, तो इसे अवैध क्यों माना जाता है. कई साधु-संत और महात्मा समाज के लोग गांजे का सेवन करते हैं. आगामी कुम्भ मेला के दौरान यदि वहां एक मालगाड़ी गांजा भी भेज दिया जाए, तो भी वह खत्म हो जाएगा.

नेपाल में बाढ़ व भूस्खलन से 120 की मौत

काठमांडू। नेपाल में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन और बाढ़ से भारी तबाही मची हुई है. भूस्खलन और बाढ़ के कारण रविवार तक कम से कम 120 लोगों की मौत हो गई. दो दिनों की भारी बारिश के बाद काठमांडू के आसपास के इलाके पानी में डूबे हुए हैं. दर्जनों लोग अभी भी लापता हैं. लोग घरों की छतों पर फंसे हुए हैं. नदी के पास के इलाकों में कई घर सैलाब में डूबे गए हैं. कई हाईवे भी जाम हैं. नेपाल की सरकार के मुताबिक, अभी तक तीन हज़ार से ज़्यादा लोगों को बचाया जा चुका है.

मप्र में बस-ट्रक की टक्कर, 6 की मौत

मैहर। मध्य प्रदेश के मैहर में बस और ट्रक के बीच जोरदार भिड़ंत में 6 लोगों की मौत और करीब 20 लोगों के घायल होने की खबर है. यह हादसा जिला मुख्यालय से करीब 25 किलोमीटर दूर नादन देहात थाने के पास हुआ. पुलिस के मुताबिक, शनिवार रात करीब 11 बजे प्रयागराज से नागपुर जा रही बस सड़क किनारे खड़े पत्थर से लदे डंपर ट्रक से टकरा गई. मैहर एसपी सुधीर अग्रवाल के मुताबिक हादसे में घायलों में से करीब छह लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है. उन्हें बेहतर इलाज के लिए सतना रेफर किया गया है.

कांग्रेस-भाजपा को वोट न दें : मायावती

नयी दिल्ली। हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए सभी राजनीतिक दल जोर आजमाइश कर रहे हैं. इस बीच रविवार को बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि मतदाताओं को अपना मत खराब न करने की सलाह दी. उन्होंने दलित समुदाय से अपील की है कि वह कांग्रेस और भाजपा को वोट देकर अपने भविष्य को खतरे में न डालें. दोनों पार्टियां दलितों की उपेक्षा और तिरस्कार करती हैं. इससे स्पष्ट है कि इन पार्टियों में दलितों के हितों की रक्षा करने की मंशा नहीं है.

केजरीवाल बोले, 'दिल्ली में जंगल राज'

नयी दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बढ़ रही आपराधिक घटनाओं पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चिंता जाहिर की है. अरविंद केजरीवाल ने इसे जंगल राज करार दिया है. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए लिखा कि दिल्ली में कानून व्यवस्था खत्म हो गई है. पूरी तरह से जंगल राज है. देश की राजधानी में लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं. दिल्ली की कानून व्यवस्था केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंडर आती है. उन्हें तुरंत प्रभावी कदम उठाने होंगे.

यूक्रेन का बड़ा हमला किया नाकाम

मॉस्को। रूसी वायु रक्षा बलों ने 125 यूक्रेनी ड्रोनों को हवा में ही नष्ट करने का दावा किया. रक्षा मंत्रालय ने रविवार को कहा कि रूसी वायु रक्षा बलों ने सात क्षेत्रों और आजोव सागर के ऊपर रात भर में यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया. रूसी रक्षा मंत्रालय के हवाले से बताया कि वोल्गोग्राद क्षेत्र में 67, बेलगोरोड में 17, वोरोनिश में 17 और रोस्तोव क्षेत्र में 18 ड्रोन मार गिराए गए. इसके अलावा, ब्रांस्क, कुर्स्क और क्रास्नोडार में एक-एक ड्रोन रोका गया, जबकि तीन को आजोव सागर के ऊपर बेअसर कर दिया गया.

चुनावी बॉन्ड घोटाला : बॉन्ड के जरिए चार तरीकों से की गई धन की उगाही, इनमें प्रीपेड, पोस्टपेड व छापे के बाद रिश्वत सहित फर्जी कंपनियां शामिल: रमेश

'लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिश', कांग्रेस ने वित्त मंत्री से मांगा इस्तीफा

लगातार न्यूज नेटवर्क। नयी दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनावी बॉन्ड को असंवैधानिक बताए जाने के बाद शनिवार को बेंगलुरु में चुने हुए प्रतिनिधियों के लिए नामित मैजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश पर चुनावी बॉन्ड घोटाले के आरोप में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा के खिलाफ अदालत के आदेश पर एफआईआर दर्ज की गई है. इसके बाद कांग्रेस ने एक बार फिर से बीजेपी पर हमला बोला है. उसने 'लोकतंत्र को कमजोर करने' के लिए वित्तमंत्री से इस्तीफे की मांग की है. इसके साथ ही विपक्षी दल ने समूची चुनावी बांड योजना की एसआईटी के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच कराने की अपनी मांग को फिर से दोहराया है.

पार्टी प्रवक्ता अभिषेक सिंघवी और कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने बीजेपी पर आरोप लगाया कि चुनावी बॉन्ड के जरिए धन उगाही के लिए चार तरीकों का इस्तेमाल किया गया- प्रीपेड रिश्वत, पोस्टपेड रिश्वत, छापे के बाद रिश्वत और फर्जी कंपनियों के जरिए. सिंघवी ने कहा कि, मीडिया ने पिछले एक साल में इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़ी हुई कई सारी कहानियां, नाम और किस्से पब्लिश किए हैं, जिनमें कई सारे तथ्य भी हैं. उन स्टोरीज में बताया गया है कि कैसे किसी कंपनी/व्यक्ति ने कब और किसने इलेक्टोरल बॉन्ड लिया. कई मामलों में पहले जांच एजेंसियों ने छापे मारे और फिर उन कंपनियों द्वारा इलेक्टोरल बॉन्ड लिया गया. ऐसा भी देखा गया कि इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने के बाद उन मामलों में जांच धीमी हो गई. हमने कई मामलों में यह भी देखा कि जिन कंपनियों का पेड-अप कैपिटल 100 करोड़ भी नहीं था, लेकिन उन्होंने 500 करोड़ के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे थे. कांग्रेस सांसद ने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड मामले में चौथा पहलू एफआईआर दर्ज होने का है. किसी मामले में एफआईआर दर्ज होने का एक प्रावधान होता है, जिसमें मामले की प्राथमिक जांच के आधार पर अदालत एफआईआर दर्ज करने का आदेश देती है. इस एफआईआर में भी वित्त मंत्री आरोपी नंबर 1 हैं और अन्य भी संबंधित धाराओं के तहत मामले में आरोपी हैं. एफआईआर में नाम संग आंकड़े भी दर्ज हैं- जिसमें कुल आंकड़ा 8,000 करोड़ रुपये का है.

आरबीआई ने जताई थी इलेक्टोरल बॉन्ड का दुरुपयोग होने की चिंता : सिंघवी

कांग्रेस ने कहा कि जब इलेक्टोरल बॉन्ड बनाया जा रहा था, तो आरबीआई के गवर्नर ने कहा था कि हम चिंतित हैं कि चुनावी बॉन्ड के मुद्दे का दुरुपयोग होने की संभावना है, विशेष रूप से शेल कंपनियों के उपयोग के माध्यम से. हमारा मानना है कि इसे किसी अन्य तरीके से बेहतर तरीके से हासिल किया जा सकता है, अन्यथा, यह मनी लॉन्ड्रिंग के गंभीर जोखिम के साथ धोखाधड़ी को जन्म दे सकता है. ये बात आरबीआई के गवर्नर ने लिखी थी, लेकिन सरकार उनकी इस चिट्ठी को कूड़ेदान में फेंककर उन्हें हटा देती है. ये सब करने बाद सरकार ने इसपर मनी बिल का टैग लगा दिया... क्योंकि सरकार जानती थी कि ये राज्य सभा में पास नहीं हो पाएगा.

खाऊंगा भी, चुराऊंगा भी...वसूली के लिए सताऊंगा भी : सिंघवी ने कहा कि सबसे बड़ा मुद्दा है- लेवल प्लेइंग फ़ील्ड का. ये एक स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव और लोकतंत्र के लिए बहुत जरूरी है. ये संविधन के मूल ढांचे का एक अभिन्न अंग है, लेकिन इलेक्टोरल बॉन्ड संविधान के उसी मूल ढांचे की नींव पर हमला करता है. इलेक्टोरल बॉन्ड बीजेपी के पुराने जुमले का नया वर्जन है. खाऊंगा भी, चुराऊंगा भी....वसूली के लिए सताऊंगा भी. कांग्रेस नेता ने कहा कि, बीजेपी ने बताया है- छापा डालकर चंदे की वसूली कैसे होती है? चंदा लेकर ठेका कैसे बांटा जाता है? भ्रष्टाचारियों को धोने वाली वाशिंग मशीन कैसे काम करती है? इसलिए हम आशा करते हैं कि न्यायिक प्रक्रिया द्वारा इस भ्रष्टाचार में लिप्त लोगों को समन किया जाएगा, उनके स्टेटमेंट रिकॉर्ड किए जाएंगे और उसी आधार पर उन्हें गिरफ्तार किया जाएगा.

शिकायत में क्या-क्या कहा गया

शनिवार को बेंगलुरु की एक अदालत के निर्देश पर सीतारमण और अन्य के खिलाफ आईपीसी की धारा 384, 120बी और 34 द्वारा किए गए कृत्य के तहत एफआईआर दर्ज की गई है. एफआईआर में कर्नाटक भाजपा प्रमुख बीवाई विजयेंद्र और पार्टी नेता नलिन कटील का भी नाम है. 'जनाधिकार संघर्ष परिषद' (जेएसपी) के सह-अध्यक्ष आदर्श आर अय्यर ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसमें आरोप लगाया गया है कि कोर्ट को दी गई शिकायत में कहा गया है, 'आरोपी एक (निर्मला) ने आरोपी दो (ईडी) की गुप्त सहायता और समर्थन के ज़रिए राष्ट्रीय स्तर पर आरोपी संख्या तीन (नड्डा) और कर्नाटक राज्य में आरोपी चार (कतील) के लाभ के लिए हज़ारों करोड़ रुपये की उगाही करने में मदद की. आरोपी एक ने विभिन्न कॉरपोरेट्स, उनके सीईओ, एमडी आदि के यहां छापे मारने, ज़ब्ती करने और गिरफ्तारियां करने के लिए आरोपी दो की सेवाएं लीं. आरोपी एक की ओर से की गई शुरुआत से आरोपी दो की छापेमारी के डर से कई कॉरपोरेट और धनकुबेरों को कई करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड ख़रीदने के लिए मजबूर किया गया, जिसे आरोपी तीन और चार ने भुनाया.'

हिजबुल्लाह पर इजरायली हमले जारी, ईरान ने सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की मांग की

नसरल्लाह की हत्या के बाद एक और कमांडर को मारने का दावा

एजेंसी। बेरूत/यरूशलम

हिजबुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद भी लेबनान में आतंकी ग्रुप के ठिकानों पर इजरायल के हवाई हमले जारी हैं. इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को दावा किया कि शनिवार रात लेबनान की राजधानी बेरूत पर किए गए एक हवाई हमले में सीनियर हिजबुल्लाह कमांडर नबील कौक मारा गया. कौक हिजबुल्लाह की प्रिवेंटिव सिक्योरिटी यूनिट का कमांडर और इसकी सेंट्रल काउंसिल का मेंबर था. इस बीच, हिज़्बुल्लाह नेता हसन नसरल्लाह की मौत के बाद ईरान ने संयुक्त राष्ट्र संघ के सुरक्षा परिषद की बैठक बुलाने की मांग की है. संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत आमिर इरवानी ने परिषद के 15 सदस्यों को पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर उनके देश के राजनयिक परिसर या किसी राजदूत पर किसी भी तरह का हमला होता है, तो तेहरान इसे बर्दाश्त नहीं करेगा.

आईडीएफ ने एक्स पर लिखा कि अमन (सैन्य खुफिया एजेंसी) के सटीक निर्देशन में वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने आतंकवादी नबील को निशाना बनाया. इजरायली सुरक्षा बलों के अनुसार, कौक हिजबुल्लाह की टॉप लीडरशिप के करीब था और इजरायल स्टेट और उसके नागरिकों के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को बढ़ावा देने में सीधे तौर पर शामिल था. वह 1980 के दशक में हिजबुल्लाह में शामिल हुआ था और उसे संगठन के भीतर एक प्रमुख शख्स माना जाता था. कौक, अक्सर मीडिया में हिजबुल्लाह का प्रतिनिधित्व करते हुए नजर आता था. वह राजनीतिक, सैन्य, रणनीतिक मुद्दों पर टिप्पणी किया करता था. इससे पहले शुक्रवार देर रात आईडीएफ के हवाई हमले में हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह, ग्रुप के कई कमांडरों के साथ मारा गया. आईडीएफ ने शुक्रवार देर रात बेरूत के दक्षिणी उपनगरीय इलाके दहिह में हिजबुल्लाह हेडक्वार्टर पर बड़ा हमला किया था जिसमें नसरल्लाह की मौत हो गई. नसरल्लाह, 30 साल की उम्र में 1992 में हिजबुल्लाह का महासचिव बना था. अगले 32 वर्षों में उसने हिजबुल्लाह को न सिर्फ लेबनान बल्कि मध्य पूर्व की एक बड़ी ताकत बना दिया. वह इजरायल का दुश्मन नंबर एक बन गया. आखिरकार शुक्रवार को यहूदी राष्ट्र, अपने सबसे बड़े दुश्मन को खत्म करने में कामयाब रहा.

ईरान समर्थित हिज़्बुल्लाह चीफ हसन नसरल्लाह की मौत के बाद रविवार को भी कश्मीर के कई इलाकों में प्रदर्शन हुए. -एजेंसी

हाशेम सफीद्दीन और नईम कासिम नसरल्लाह के उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में शामिल

हसन नसरल्लाह का विकल्प खोजना हिजबुल्ला के लिए खासा मुश्किल होगा. हालांकि उसकी जगह लेने के लिए हिजबुल्लाह के भीतर दो नामों पर चर्चा चल रही है. अलजजीरा की शनिवार की एक रिपोर्ट के मुताबिक हाशेम सफीद्दीन और नईम कासिम, नसरल्लाह के उत्तराधिकारी बनने की दौड़ में शामिल है. हिजबुल्लाह की कार्यकारी परिषद के प्रमुख और नसरल्लाह के कजिन, सफीउद्दीन को व्यापक रूप से संगठन के अगले महासचिव बनने की दौड़ में आगे माना जा रहा है. रिपोर्ट के अनुसार 1964 में जन्मे सफीद्दीन ने शिया धार्मिक शिक्षा के दो मुख्य केंद्रों, इराकी शहर नजफ और ईरान के कोम में नसरल्लाह के साथ धर्मशास्त्र का अध्ययन किया. दोनों ही हिजबुल्लाह के शुरुआती दिनों में संगठन में शामिल हो गए. सफीद्दीन का ईरान से करीब रिश्ता है. उसका भाई अब्दुल्ला ईरान में हिजबुल्लाह के प्रतिनिधि के रूप में काम करता है. उसके बेटे, रेधा की शादी 2020 में अमेरिकी हमले में मारे गए टॉप ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी की बेटी से हुई थी. बता दें ईरान का हिजबुल्लाह की स्थापना में अहम योगदान रहा है. सफीद्दीन, कार्यकारी परिषद के प्रमुख के अलावा, हिजबुल्लाह की शूरा परिषद का एक अहम सदस्य और जिहादी परिषद का चीफ भी है. अमेरिका और सऊदी अरब ने सफीद्दीन को आतंकवादी घोषित किया है और उसकी संपत्तियां जब्त कर ली हैं. 71 वर्षीय नईम कासिम हिजबुल्लाह का उप महासचिव है. उसे अक्सर हिजबुल्लाह में 'नंबर दो' के रूप में देखा जाता है. कासिम का शिया राजनीति से लंबा जुड़ाव रहा है. 1970 के दशक में, वह इमाम मूसा अल-सदर के आंदोलन में शामिल हुआ. यही आंदोलन बाद में लेबनान में एक शिया ग्रुप के 'अमल आंदोलन' का हिस्सा बना. बाद में कासिम ने 'अमल आंदोलन' से अलग हो गया. उसने 1980 के दशक की शुरुआत में हिजबुल्लाह की स्थापना में मदद की. वह ग्रुप के संस्थापक धार्मिक विद्वानों में से एक है. कासिम को 1991 में तत्कालीन महासचिव अब्बास अल-मुसावी के दौर में उप महासचिव चुना गया था. मुसावी को भी इजरायल ने मार गिराया था.

ईरान ने माना- इसराइली हमले में हुई ईरानी कमांडर की मौत

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने एक बयान में आईआरजीसी ऑपरेशन के डिप्टी कमांडर ब्रिगेडियर जनरल अब्बास निलफोरुशन के इसराइली हमले में मारे जाने की पुष्टि की है. इस बयान में अब्बास निलफोरुशन की मौत पर आईआरजीसी की जवाबी कार्रवाई का कोई ज़िक्र नहीं है. हालांकि आईआरजीसी ने लेबनान में इसराइली कार्रवाई की आलोचना की है. आईआरजीसी ने इससे पहले कई बार हमास नेता इस्माइल हानिया की मौत का बदला लेने की बात कही थी. इस्माइल हानिया की जुलाई के अंत में तेहरान में हत्या कर दी गई थी. बयान में आईआरजीसी ने अब्बास निलफोरुशन को अपना "लेबनान में सैन्य सलाहकार" बताया. बयान में "रेसिस्टेंस फ्रंट" और ईरान की रक्षा में निलफोरुशन की भूमिका की तारीफ़ की गई .अली ज़ाहेदी के बाद निलफोरुशन को 2019 में आईआरजीसी के डिप्टी ऑपरेशन्स के तौर पर नियुक्त किया गया था. इससे पहले वो आईआरजीसी की कमांड एंड स्टाफ यूनिवर्सिटी के प्रमुख थे.

इजरायल पर शांति स्थापित करने का दबाव बनाएं पीएम मोदी : उमर

बारामूला। इजरायली सेना की बमबारी में हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह और उसकी बेटी की मौत को लेकर भारत में पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने दुख जताते हुए अपनी चुनावी रैली को रद्द कर दिया था. वहीं नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि दुनिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इजरायल पर शांति स्थापित करने का दबाव बनाना चाहिए.

हूतियों ने इजरायल के एयरपोर्ट पर दागी मिसाइल

सना। यमन के हूती विद्रोहियों ने दावा किया कि उन्होंने तेल अवीव के पास बेन गुरियन एयरपोर्ट पर मिसाइल अटैक किया है. ग्रुप के अल-मसीरा टीवी पर शनिवार को प्रसारित एक बयान में, ग्रुप के सैन्य प्रवक्ता याह्या सारेया ने ये ऐलान किया. सारेया ने कहा कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के आगमन पर बेन गुरियन एयरपोर्ट पर एक 'बैलिस्टिक मिसाइल' दागी गई. सारेया ने कहा कि हूती ग्रुप, इजरायल के अपराधों का जवाब देना जारी रखेगा. इससे पहले इजरायली रक्षा बलों ने कहा कि उन्होंने यमन से लॉन्चड सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल को सफलतापूर्वक रोक दिया.

देश में इस साल सामान्य से आठ फीसदी ज्यादा बारिश

- मौसम विभाग के अनुसार 2020 के बाद सबसे अच्छा रहा मॉनसून

एजेंसी। नयी दिल्ली

देश में इस साल मानसून में सामान्य से लगभग आठ फीसदी अधिक बारिश हुई. एक तरफ जहां उत्तर पश्चिमी भारत, मध्य भारत और दक्षिणी प्रायद्वीप में सामान्य से अधिक वर्षा हुई, वहीं पूर्वी एवं पूर्वोत्तर भारत में सामान्य से कम वर्षा दर्ज की गई. देश में मानसून का मौसम 1 जून से 30 सितंबर तक माना जाता है. दक्षिण पश्चिम मानसून के कारण इन्हीं चार महीनों में सबसे ज्यादा बारिश होती है. कृषि के अलावा जलाशयों में जल भंडारण, जलापूर्ति और भूजल स्तर समेत कई दृष्टिकोणों से मानसून पूरे देश के लिए वरदान है.

मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पूरे देश में 1 जून से 29 सितंबर के बीच औसत बारिश 932.2 मिमी रही. जबकि, दीर्घावधि औसत 865 मिमी है. इस प्रकार यह सामान्य से 7.8 प्रतिशत अधिक है. साल 2020 के बाद यह सबसे अच्छा मानसून रहा है. खासकर पिछले साल सामान्य से कम बारिश के कारण जलाशयों में पानी की कमी इस बार दूर हो गई है. उल्लेखनीय है कि साल 2023 में देश में मानसून के दौरान सामान्य से 5.6 प्रतिशत कम (820 मिमी) बारिश हुई थी. साल 2022 में यह सामान्य से 6.5 प्रतिशत अधिक और 2021 में 0.4 प्रतिशत अधिक रही थी. वहीं, 2020 में देश में सामान्य से 10.5 प्रतिशत अधिक बारिश हुई थी. मध्य भारत पर इस बार इंद्रदेव सबसे अधिक मेहरबान रहे. इस हिस्से में 1,165.6 मिमी बारिश हुई, जो सामान्य (974.7 मिमी) से 19.6 फीसदी अधिक है. दक्षिणी प्रायद्वीप में 710 मिमी के औसत की तुलना में 811.4 मिमी बारिश हुई यानी 14.3 प्रतिशत अधिक. वहीं, उत्तर पश्चिमी भारत में 628 मिमी वर्षा दर्ज की गई है, जो सामान्य (586.6 मिमी) से 7.1 प्रतिशत अधिक है. हालांकि, पूर्व तथा पूर्वोत्तर भारत में 1,175 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो 1,361.2 मिमी के दीर्घावधि औसत से 13.7 प्रतिशत कम है. इस क्षेत्र में अगस्त (सामान्य से दो फीसदी अधिक) को छोड़कर बाकी तीनों महीने में कमी बनी रही. जून में देश के इस हिस्से में सामान्य से 13.3 प्रतिशत, जुलाई में 23.3 प्रतिशत और सितंबर में अब तक 17.8 प्रतिशत कम वर्षा हुई है.

जुलाई, अगस्त और सितंबर में अच्छी बारिश

केरल में इस साल मानसून सामान्य से दो दिन पहले 29 मई को ही पहुंच गया था. हालांकि, जून में मानसून की रफ्तार बीच में कुछ धीमी रही और उस महीने देश में सामान्य से 10.9 प्रतिशत यानी 147.2 मिमी ही बारिश हुई. जून में बारिश का दीर्घावधि औसत 165.3 मिमी है, लेकिन दक्षिणी प्रायद्वीप को छोड़कर शेष तीनों हिस्सों में कम बारिश होने से औसत कम हो गया. बाद में रफ्तार पकड़ते हुए 2 जुलाई तक मानसून पूरे देश में पहुंच चुका था. जुलाई, अगस्त और सितंबर में अच्छी बारिश हुई. जुलाई में उत्तर पश्चिमी हिस्से में सामान्य से 14.3 प्रतिशत और पूर्व तथा पूर्वोत्तर में 23.3 प्रतिशत की कमी के बावजूद पूरे देश में सामान्य से नौ फीसदी अधिक वर्षा दर्ज की गई. इसमें मध्य भारत और दक्षिणी प्रायद्वीप में सामान्य से क्रमश: 33 फीसदी और 36.5 फीसदी अधिक बारिश का योगदान रहा.

मानसून सीजन के अंत में ला नीनो प्रभाव

उत्तर पश्चिम में अगस्त में स्थिति में सुधार हुआ और सामान्य से 30 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई. मध्य भारत में भी सामान्य से 16.5 प्रतिशत अधिक बारिश हुई. देश का औसत सामान्य से 15.3 फीसदी अधिक रहा. सितंबर में भी मध्य भारत में सामान्य से 33 प्रतिशत और उत्तर पश्चिमी भारत में 29.9 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है. इस कारण देश में सामान्य से 12.5 फीसदी अधिक बारिश दर्ज की गई है. मौसम विभाग ने बताया था कि इस साल मानसून सीजन के अंत में ला नीनो प्रभाव के कारण ज्यादा बारिश की संभावना है. यही कारण है कि मानसून के वापस लौटने में देरी हो रही है. इसका मतलब है कि देश के कुछ हिस्सों में बारिश का मौसम सामान्य से लंबा खिंच सकता है. आम तौर पर पूरे देश से मानसून 15 अक्टूबर तक वापस लौट जाता है.

आयोजन मोदी ने देशवासियों को 114वीं बार संबोधित किया, कहा- श्रोता ही इसके असली सूत्रधार

'मन की बात' के 10 साल पूरे होने पर भावुक हुए पीएम

एजेंसी। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 114वीं बार 'मन की बात' कार्यक्रम के जरिए देशवासियों को संबोधित कर रहे हैं. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि आज का एपिसोड मुझे भावुक करने वाला है. कारण यह है कि 'मन की बात' की हमारी इस यात्रा को 10 साल पूरे हो रहे हैं.

पीएम मोदी ने कहा कि दस साल पहले 'मन की बात' कार्यक्रम की शुरुआत 3 अक्टूबर को विजयादशमी के दिन हुई थी. यह कितना पवित्र संयोग है कि इस साल 3 अक्टूबर को जब 'मन की बात' कार्यक्रम के दस साल पूरे होंगे, तब नवरात्रि का पहला दिन होगा. इस लंबी यात्रा के कई ऐसे पड़ाव हैं, जिन्हें मैं कभी भूल नहीं सकता. करोड़ों श्रोता हमारी इस यात्रा के ऐसे साथी हैं, जिनका मुझे निरंतर सहयोग मिलता रहा. उन्होंने देश के कोने- कोने से जानकारियां उपलब्ध कराई. श्रोता ही इस कार्यक्रम के असली सूत्रधार हैं. उन्होंने कहा कि एक धारणा ऐसी है कि जब तक चटपटी बातें न हो, नकारात्मक बातें न हो, तब तक उसको ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती है, लेकिन, 'मन की बात' ने साबित किया है कि देश के लोगों में सकारात्मक जानकारी की कितनी भूख है. सकारात्मक बातें प्रेरणा से भर देने वाले उदाहरण, हौसला देने वाली गाथाएं, लोगों को बहुत पसंद आती हैं. पीएम मोदी ने उदाहरण देते हुए कहा कि एक पक्षी होता है ''चकोर'' जिसके बारे में कहा जाता है कि वह सिर्फ वर्षा की बूंद ही पीता है. 'मन की बात' में हमने देखा कि लोग भी चकोर पक्षी की तरह, देश की उपलब्धियों को, लोगों की सामूहिक उपलब्धियों को गर्व से सुनते हैं. दस वर्ष की यात्रा ने एक ऐसी माला तैयार की है, जिसमें, हर एपिसोड के साथ नई गाथाएं, नए कीर्तिमान, नए व्यक्तित्व जुड़ जाते हैं.

पहले की सरकारों में महाराष्ट्र के विकास के लिए जरूरी प्रोजेक्ट डिरेल हुए : मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से महाराष्ट्र में 11, 200 करोड़ रुपये की कई परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया. उन्होंने महाराष्ट्र में सोलापुर एयरपोर्ट का उद्घाटन भी किया. साथ ही डिस्ट्रिक्ट कोर्ट से स्वारगेट के बीच 1, 810 करोड़ रुपये की लागत वाली पुणे मेट्रो के भूमिगत खंड का उद्घाटन भी किया. इस दौरान पीएम मोदी ने पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि दुर्भाग्य से, पिछले दशकों में हमारे देश में शहरी विकास में योजना और दूरदर्शिता दोनों का अभाव था. अगर कोई चर्चा में आती थी तो उसकी फाइलें कई वर्षों तक अटकी रहती थी. अगर कोई योजना बन भी गई, तब भी परियोजनाएं सालों-साल अटकी रहती थी. उस पुराने वर्क कल्चर का बहुत बड़ा नुकसान हमारे देश, महाराष्ट्र और पुणे को हुआ.

भाजपा की बागियों पर कार्रवाई चौटाला समेत आठ निष्कासित

एजेंसी। नयी दिल्ली

कांग्रेस के बागियों पर कार्रवाई करने के बाद अब भाजपा भी एक्शन मोड में आ गई है. भाजपा ने रविवार को आठ उन बागी नेताओं को पार्टी से निकाल दिया है, जो निर्दलीय चुनाव लड़ रहे हैं. पार्टी प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने जिन आठ नेताओं को 6 साल के लिए पार्टी से निकाला है, इनमें पूर्व मंत्री रणजीत चौटाला भी शामिल हैं. रणजीत चौटाला लोकसभा चुनाव से ठीक पहले 25 मार्च को आनन-फानन में भाजपा में शामिल हुए थे और पार्टी ने उनको हिसार से प्रत्याशी बनाया था. इनके अलावा लाडवा से संदीप गर्ग, असंध से जिलेराम शर्मा, गन्नौर से देवेंद्र कादियान, रानियां से रणजीत चौटाला, महम से राधा अहलावत, गुरुग्राम से नवीन गोयल और हथीन से केहर सिंह रावत को पार्टी से निकाला गया है.

इससे पहले 27 सितंबर को हरियाणा कांग्रेस ने 13 नेताओं को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया था. यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि उन्हें पार्टी उम्मीदवारों के खिलाफ चल रहे विधानसभा चुनाव लड़कर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल पाया गया. हरियाणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने ये फैसला लिया है. कांग्रेस ने गुहला सीट से नरेश, जींद से प्रदीप गिल, पुंडरी से सज्जन सिंह और सुनीता, नीलोखेड़ी से राजीव मामूराम और दयाल सिंह, पानीपत ग्रामीण से विजय जैन, उचाना कला से दिलबाग, दादरी से अजीत फोगाट, भिवानी से अभिजीत सिंह, बवानीखेड़ा से सतबीर, पृथला से नीतू और कलायत से अनीता को निष्कासित किया था.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - सुरजीत सिंह, स्थानीय संपादक - संजय सिंह*. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - JHAHIN/2023/84487 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)